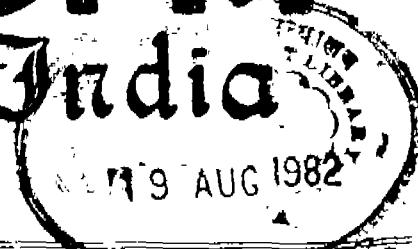




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 23] नई दिल्ली, शनिवार, जून 5, 1982 (ज्येष्ठ 15, 1904)

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 5, 1982 (JYAISTA 15, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 मई 1982

सं. पी./1782-प्रशा.-11—इस कार्यालय की अधिसूचना
पी./1782-प्रशा.-11 दिनांक 21 अप्रैल, 1982 के
क्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा महालेखा-
र हरियाणा, छण्डोगढ़ के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री
ले. आर. सरीन को 1-4-1982 से 30-6-1982 तक की
अध्येतर अवधि के लिए अध्यक्ष आगामी आदेशों तक, जो भी पहले
हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वित्त एवं बजट
अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री सरीन इस अधिसूचना
के अन्तर्गत आने वाली अवधि के दौरान कोई प्रतिनियुक्ति
(इयूटी) भत्ता प्राप्त करने के द्वारा नहीं होंगे।

2. इसे कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन
प्राप्त उनका पत्र सं. 39017/2/81-स्था. (ख) दिनांक
नवरी, 1982 तथा महालेखाकार, हरियाणा की सहमति
ए उनका पत्र सं. 293-प्रशा.-1/जी. ओ./पी.
र. एस. दिनांक 19/21 अप्रैल, 1982 जारी

प्रवर्तन निदेशालय

विवेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 15 मई 1982

सं. ए-11/4/82—श्री एस. के. चटर्जी, सहायक प्रवर्तन
अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को
दिनांक 31-3-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए इस
निदेशालय के वाराणसी उप-क्षेत्रीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी
के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 मई 1982

सं. ए-11/5/82—श्री एल. वी. शैक्केकर, सहायक प्रवर्तन
अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय
दिनांक 30-3-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए
कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से
नियुक्त है।

पी. एस. राणा
अधिकारी,

गृह मंत्रालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 12 मई 1982

सं. 2/7/81-है. एस. टी.—डा. एस. एन. शौके, स्थार्ड हिन्दी अनुदेशक और जो इस समय तदर्थ रूप से सहायक अचार्य के पद पर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति नियमित रूप से राहयक हिन्दी आचार्य (ग्रुप 'बी') के पद पर, दिनांक 12-5-82 से रु. 700-40-900-है. बी.-40-1100-50-1300 के बतनामान में, अगले आदेश मिलने तक, की जाती है।

एस. सी. देश्य
संयुक्त निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

सं. ए-19021/10/82-प्रशा.-5—राष्ट्रीय वस्त्र निगम (मध्य प्रदेश) इन्वार से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री केब्राशीश बागची, पुलिस उपाधीक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की दिनांक 3 मई, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 मई 1982

सं. के-10/71-प्रशा.-5—प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ सतकंता अधिकारी के रूप में नियुक्ति हते हुए श्री के. सी. कानूनगो, पुलिस उपाधीक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 23-4-1982 के अपराह्न से भारतीय तैस निगम ति., कलकत्ता को संपीट जाती हैं।

सं. ए-19036/23/79-प्रशा.-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री शादव घन्द्र, पुलिस उपाधीक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 30-4-1982 के अपराह्न में पुलिस उपाधीक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया।

आर. एस. नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1982

सं. ओ. डो. 1586/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. (कुमारी) अर्थना चौधरी को 8-4-82 के पवर्टीम से केवल तीन माह के लिए अधिका उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो : १—ले उन तारीख केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल पर

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कोर्ट विभाग

चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिकरोड़, दिनांक 14 मई 1982

सं. 177/एन./7—महाप्रबंधक चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिकरोड़ एतद्वारा श्री सी. व्हि. परांजपे, निराधिक नियंत्रक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय को उप नियंत्रक अधिकारी पद पर चलार्थ पत्र मुद्रणालय में पूर्ण रूप से तदर्थ जाधार पर 6 मई, 1982 से 5 जून, 1982 तक नियुक्त करते हैं।

सु. व. इंद्रेगुणा
महाप्रबंधक
चलार्थ पत्र मुद्रणालय

महालेखाकार का कार्यालय (प्रथम) आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद-500476, दिनांक 6 मई 1982

सं. प्रशा.-1/8-132/82-83/57—श्री एन. किंणन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश सेवा से निवृत्त हुवे दिनांक 30-4-82 अपराह्न।

बी. मेसन
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-1, विहार

रांची, दिनांक 13 मई 1982

सं. प्र.-2-पदोन्नति-139—महालेखाकार-1, विहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री फांसिस इका टॉमो को अपने कार्यालय में दिनांक 12-11-1981 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर संहर्ष पदोन्नति के रहते हैं।

लाल मणी
वरिय उप-महालेखाकार (प्र.), विहार

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

गवालियर, दिनांक 28 अप्रैल 1982

सं. प्रशासन-1/पी. एफ. डी. आर. वि./36—श्री डी. आर. विधे (01/231) कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) मध्य प्रदेश के स्थानापन्न लेखा अधिकारी को (वर्तमान में शैक्षीय निधि आयुक्त इन्वार से बाह्य सेवा) अधिकारीषक आयु हो जाने पर दिनांक 31-5-1982 को अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त किया जाता है।

ह. /-३
वरिष्ठ उप महालेखाकार/

कार्यालय, महालेखाकार-प्रा

विभूति भूषण भट्टाचार्जी को तवर्थ और अन्तकालीन स्तर पर और पूर्णतया अस्थायी रूप से स्थानपन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 3-5-82 पूर्वाह्न या जिस दिन से वे सच्च मुश्त लेखा अधिकारी के हौसियत से अपना कार्यभार सम्मालते हैं, इनमें से जो बाद में हो, अगले आदेश तक नियुक्त करने की कृपा की है। यह स्पष्ट समझ लेना आहिए की यह प्रोन्टिंग कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमें में जब तक विनिर्णय नहीं हो तब तक पूर्ण रूप अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ धायर किये 1979 के सी. आर. केस. नं. 14818 (डब्ल्यू) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

लेखा अधिकारी के पद पर प्रोन्टिंग के बाद श्री विभूति भूषण भट्टाचार्य को तैनाती कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता में श्री एस. एन. घोष, लेखा परीक्षा अधिकारी जो कि 30-4-82 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त होने के स्थान पर की जाती है।

जो. स. महेश्वरा
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक
दक्षिण कमान

पूना-411001, दिनांक 12 मई 1982

सं. प्रशा./11310/एन. आर.—श्री एन. राजगोपालन, स्थायी रिकार्ड-लिपिक/अस्थायी लिपिक (लेखा संख्या-8299132) सुपुत्र श्री एस. नारायण वर्यंगार, निवासी ग्राम रामानुजपूरम, डाकखाना उपयालपूरम, जिला पापनासम (तामिलनाडु) और कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुना-1, में सेवारत दिनांक 24-4-1981 (पूर्वाह्न) से बिना छूट्टी के अनुपस्थित है, विभागीय नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यालयों के पश्चात रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान, पुना-1, द्वारा उन्हें दिनांक 1-4-82 (पूर्वाह्न) से सेवा से हटाए जाने का दंड दिया गया है। क्योंकि सेवा से हटाए जाने का आदेश जो उन्हें उनके उपलब्ध पत्ते पर पंजीकृत ढाक द्वारा भेजा गया था, वितरित हुए बिना वापस प्राप्त हुआ है, इसलिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उक्त श्री एन. राजगोपालन को सेवा से हटाए जाने का आदेश उक्त तिथि से पूर्ववत् माना जाएगा।

आर. नरसिंहन
सहा. रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान,
पूना-1

रक्षा मंत्रालय
भारतीय अर्डनैन्स फैक्टरीयों सेवा
आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 6 मई 1982

22/जी./82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारी उनके नाम के सामने लासायी गई तारीख से स्थानपन्न के पद पर नियुक्त करते हैं:—

जे. के. पाण्डे, स्थानपन्न उपप्रबंधक—30 नवम्बर, 1981।

सं. 23/जी./82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को स्थानपन्न उपप्रबंधक/ ही ए डी जी ओ एफ के पद पर, उनके सामने वर्षीयी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एस. अस्थाना, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 1 ली फरवरी, 1982
2. श्री एस. यामदीन, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 1 ली फरवरी, 1982
3. श्री बी. पुग्भेन्द्री, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 1 ली फरवरी, 1982
4. श्री आर. के. एस. जोशी, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 1 ली फरवरी, 1982
5. श्री आर. एस. पाटील, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 27 फरवरी, 1982
6. श्री पी. एम. रणवैनशा, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 27 फरवरी, 1982
7. श्री जी. पी. चौकसे, सहायक प्रबंधक (परखावधि) — 30 मार्च, 1982

वी. के. महेता
सहायक महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरीयों

वाणिज्य मंत्रालय
(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1982

सं. ए. -12025(11)/1/80-प्रशासन 11 (अ) — राष्ट्रपति, श्री पी. रामालिंगम को 31 मार्च 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए हथकरघा प्रोड्यूसिंग्स के भारतीय संस्थान, सेलम में कनिष्ठ प्राध्यापक के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी. शंकर
अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 मई 1982

सं. ए.-19018(583)/82-प्रशासन (राज.) — विकास आयुक्त (लघु उद्योग), विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में हिंस्की अनुवादक श्रीमती मोहिनी हिंगोरानी को दिनांक 17 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में तवर्थ प्रतिनियुक्ति पर इन्हन्हीं अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय
उपनिदेशक (प्रशा.)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

सं. प्र-6/247(427) — जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन उप निरीक्षण निवेशक, भिलाई के कार्यालय में स्थाई निरीक्षण

अधिकारी (धार) श्री वी. राधवेन्द्रन दिनांक 31-3-1982 के अपराह्न से सी. सी. एस. (पैन्थन) नियम, 1972 के नियम 48-ए के अनुसार स्वेच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

न. म. परेमाल
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(विभाग)

भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 मई 1982

सं. 2271डी/ए-19012(4-एस आर डी)/78-19बी—भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डिप्लोमा श्री एस. आर. दास सरकारी सेवा से 31 दिसंबर, 1981 (अपराह्न) से वार्षिक नियर्तन पर निवृत्त हो गए।

सं. 3180बी/ए-32013 (एस ओ)/80-19ए—भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भण्डार अधीक्षकों (तकनीकी) को भण्डार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000 द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, अस्थाई असता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

क्र.	नाम	नियुक्ति-तिथि
स.		
1.	श्री एन. वी. चौधुरी—2-3-1982 (पूर्वाह्न)	
2.	श्री जे. एल. भान.—5-3-1982 (पूर्वाह्न)	

दिनांक 12 मई 1982

सं. 2329डी/ए-19012(ए के सी)/80-19ए—भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री ए. के टटी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, अस्थाई असता में, आगामी आदेश होने तक 27-3-1982 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 3240बी/ए-32013(ए ओ)/78-19ए—भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जमील अहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री एम. आर. रामचन्द्र की अवकाश रिक्ति के स्थान पर 21-11-81 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ
महा निदेशक

भारतीय खान व्यूरो
नागपूर, दिनांक 13 मई 1982

सं. ए-19011(61)/70-स्था. ए.—श्री आय. जी. अग्रवाल, अयस्क प्रसाधन अधिकारी, को विभागीय पदोन्नति

समिति की सिफारिश पर भारतीय खान व्यूरो में अधीक्षक अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर स्थानापन रूप में दिनांक 4-2-82 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की गई है।

व. घ. पिंश
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान व्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

सं. 1/3/82-एस-2—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री पी. एम. इसार, वेतन एवं लेखा अधिकारी, वेतन एवं लेखा कार्यालय नई दिल्ली को 30 अप्रैल, 1982 से केन्द्रीय भण्डार नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन रूप में, लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस. वी. सेषाद्री
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 4 मई 1982

सं. ए-20012/17/73-ईएसटी-।—भूस्थ विभाग, किल्स प्रभाग, बम्बई स्थावरा श्री एस. एन. पिंशा स्थानापन सहायक समाचार विभागिकारी, फिल्म प्रभाग, भूवनेश्वर को, दिनांक 8 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से आगे आदेश जारी होने तक रु. 650-30-740-35-880-ईबी-40-960 के वेतनमान पर पूर्वी क्षेत्रीय निर्माण केन्द्र, फिल्म प्रभाग, कलकत्ता में कैमरारूपन के पद पर संस्थाय आधार पर नियुक्त किया जाता है।

एस. के. राण
प्रशासनीय अधिकारी
कृते भूस्थ निर्माणी

विज्ञापन और दूर्योग प्रबाल निदेशालय

नई दिल्ली-।, दिनांक 12 मई 1982

सं. ए-12025/2/81-स्था.—विज्ञापन और दूर्योग प्रबाल निदेशक एतद्वारा श्री जगदीश राम शर्मा को इस निदेशालय में सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 30 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

यशेन्द्र वर्मा
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दूर्योग प्रबाल निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

सं. ए-19020/26/80-(आर. एम. एल. एच.) प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महा निदेशक ने कुमारी शिशा खना को 1 अप्रैल, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक आ. राम मनोहर

लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में आहारविवर (डायटोशियन) के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-19020/26/80-(आर.एम.एल.एच.) प्रशासन-1—चिकित्सा आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर के आहारविवर विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ डायटोटिक्स) में सीनियर रेजीडेंट के पद पर चयन हो जाने के कलमस्त्रूप श्रीमती राज झोगरा ने 31 मार्च, 1982 अपराह्न को डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली से डायटोशियन के पद का कार्य भार छोड़ दिया है।

दिनांक 10 मई 1982

सं. ए. 19019/12/82(एच. क्यू.) प्रशासन-1—केन्द्रीय पानी आयोग, नई दिल्ली से तदाकला होने पर डा. बी. एस. मिल्टल (आर.एम.एस. के ग्रेड-11। अधिकारी) ने 14 अप्रैल, 1982 पूर्वाह्न संस्थान सेवा महानिदेशालय में सार्विकी अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 12 मई 1982

सं. ए-32014/3/81-(जे. आर. पी.)-प्रशा-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस. रामास्वामी को 31 जबरदस्त, 1980 से जवाहर लाल स्नायककोठेर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाइण्डवरी में वैज्ञानिक अधिकारी-कम-ट्रेनर (फार्मा कालजी) के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-32014/8/81-(एच. क्यू.) प्रशा-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जे. के. सिंहका को 29 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक वास्तुविवर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

प्रियोक बन्द जैन
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

सं. ए-19012/3/82-एस.-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सी. गोविन्दराज को 8 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर सरकारी चिकित्सा भंडार डिपो, मद्रास में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर नियुक्त कर दिया है।

शिव दयाल
उपनिदेशक प्रशासन (स्टोर)

ग्रामाणी विकास मंत्रालय

प्राप्तिनिधि एवं निरीक्षण निदेशालय

करीबाद, दिनांक 13 मई 1982

सं. ए-39013/1/81-प्र. तृ.—इस निदेशालय के अधीन सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री आर. एम. उज्जेनकर का त्यागपत्र दिनांक 1-2-1982 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत किया गया है।

गोपाल शरण शक्ति
कृष्ण विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. के/1479/स्थापना 11/1488—कर्नाटक प्रशासन अधिकारी ग्रेड में पदान्वत हो कर परमाणु खनिज प्रभाग, हैदराबाद में नियुक्त होने पर, श्री डी. पी. कुलकर्णी, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी ने इस अनुसंधान केन्द्र में 20 फरवरी, 1982 अपराह्न को अपना पदभार छोड़ दिया।

कृ. एच. बी. विजयकर
उपस्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 28 अप्रैल 1982

सं. पीए/79(4)80-आर-11—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री पेरंगाटू के शवानायर माधव के रूप, सहायक का सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 18-3-82 (पूर्वाह्न से 17-4-82 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पीए/79(4)/80-आर 11—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री कोच्चुपुराकल थामस थामस, सहायक लेखाकार को इस अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करते हेतु 6-3-82 से 8-4-82 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अप्रैल 1980

सं. पीए/76(3)/80 आर 11(1)—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री गोविन्द विळण माङ्के, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 1-3-82 (पूर्वाह्न) से 3-4-82 तक की समयोदायिक के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पीए/79(4)/80-आर-11—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्रीमती पद्मावती वेलायुधन नायर, सहायक लेखा अधिकारी को लेखा अधिकारी 11 (रुपये 840—1200) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 1-3-1982 (पूर्वाह्न) से 3-4-1982 तक तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

आ. ना. कट्टी
उपस्थापना अधिकारी

विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 6 मई 1982

सं. विप्राइम/3(283)/82-स्थापना-16207—इस कार्यालय की तारीख 22, 1982 की अधिसूचना, जिसके अनुसार भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री पी. वासु को शार्फ 22, 1982 से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया था, को देखने की कृपा की जाए। श्री वासु, सहायक अधिकारी को

अप्रैल 30, 1982 के अपराह्न से सहायक लेखापाल के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

आर. वि. बाजपेयी
सामान्य प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैथराबाद-500 016, दिनांक 15 मई 1982

सं. प. ल. प्र-1/62/81-भती—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्दवारा श्री वाई. कोटेश्वर शाव को परमाणु खनिज प्रभाग में 24 अप्रैल, 1982 के पर्वाह्न से अगले आवेद्य होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

टी. डी. धाड़गे
वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे,

आवेद्य

सं. टी. ए. पी. एस/2/1212/76—जबकि श्री बबन गीताराम भगत, ट्रैड्समैन 'सी' ने 25 जनवरी, 1982 से 28 विन की वार्षिक छुट्टी की स्वीकृति के लिए आवेदन किया था जिसमें छुट्टी के दौरान उनका पता "डाकधर और मकाम-चिंचली, सालुका पारने, जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र" दिया गया था और उनकी छुट्टी स्वीकृत की गई थी;

और जबकि श्री भगत ने एक तार भेज कर, जो तारापुर परमाणु बिजलीघर में दिनांक 26 फरवरी, 1982 को प्राप्त हुआ, 25 मार्च, 1982 तक छुट्टी बढ़ाने के लिए अनुरोध किया;

और जबकि श्री भगत ने खागपत्र दिनांक 31 मार्च, 1982 भेजा जो तारापुर परमाणु बिजलीघर में 5 अप्रैल, 1982 को प्राप्त हुआ;

और जबकि 7 अप्रैल, 1982 को श्री भगत के स्थायी पते पर पंजीकृत डाक पावती देय द्वारा एक पत्र भेज कर उन्हें तरंत और किसी भी हालत में 15 अप्रैल, 1982 से पूर्व ड्यूटी पर आने और 27 फरवरी, 1982 के बाद की अनधिकृत अनपस्थितों के संबंध में उचित स्पष्टीकरण देने का परामर्श दिया गया और उन्हें सूचित किया गया कि उपरोक्त पत्र, अनधिकृत अग्रणीस्थिति के लिए, उनके विरुद्ध की जाने वाली किसी अन्य कार्यवाही के प्रति प्रतिकूल प्रभाग न छातते हुए जारी किया गया है;

और जबकि उपरोक्त पत्र दिनांक 7 अप्रैल, 1982 डाक अधिकारियों द्वारा इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि "पाने वाला उपलब्ध नहीं है";

और जबकि अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि तारापुर परमाणु बिजलीघर को अपना अता-पता बताए दिना सेवा छाँड़ देने के कारण केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच किया जाना यक्तियुक्त तौर पर साध्य नहीं है;

अतः अब परमाणु उर्जा विभाग की अधिसचना 22(1)/68-ए डी एम-11, दिनांक 7 जूलाई, 1979 और केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के

नियम, 19(11) के अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एतद्दवारा श्री भगत को सुरक्षा सेवा से बरखास्त करते हैं।

सी. शक्तेर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नगर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

सं. ए. 32013/2/81 ई. ए.—राष्ट्रपति ने मिस्ट्रिलिखित अधिकारियों को 4-3-82 से और अन्य आवेद्य होने तक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं.	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	एस. आर. अव्यार—बन्धवर्ह	
2.	जी. एस. धीमन—बग्नतसर	
3.	डी. पी. रामचंद्रार्ही—कलकत्ता	
4.	बी. एस. रेहडी—त्रिवेन्द्रम	
5.	आर. डी. गुप्ता—बलगाम	
6.	वी. क. यादव—भूज	
7.	पी. वी. माथुर—नागपुर	
8.	एम. सरंगापानी—मद्रास	
9.	जगमोहन सिंह नेही—दिल्ली	
10.	एम. पी. चन्द्री—त्रिवेन्द्रम	

दिनांक 4 मई 1982

सं. ए. 12025/3/71-ई. 1—इस कार्यालय की दिनांक 16-5-1981 की अधिसूचना संख्या ए-12025/3/71-ई. 1 के क्रम में महानिदेशक नगर विमानन ने श्री के के शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के एव पर की गई तर्थ नियुक्ति को दिनांक 30-6-1982 सक या चद-के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

सुधाकर गुप्ता
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

शूद्रिध पत्र

सं. ए. 31011/4/77-ई. सी.—इस विभाग की दिनांक 30 जनवरी, 1982 की अधिसूचना सं. ए. 31011/4/77-ई. सी. में अधिसूचित क्रम सं. 9 पर श्री पी. के. सिंगल की वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में स्थायी नियुक्ति की तारीख 4-7-78 को संशोधित करते हुए 4-7-80 पक्का जाए।

सं. ए. 23014/4/80-ई. सी.—महानिदेशक नगर विमानन ने श्री एस. एस. एन. मूर्ति, संचार सहायक को दिनांक 23 अप्रैल, 1982 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है तथा इन्हें वैमानिक संचार स्टेशन विशाखापट्टनम में तैनात किया है।

शूद्रिध पत्र

सं. ए. 32013/5/81-ई. सी.—इस विभाग की दिनांक 7 जनवरी, 1982 की अधिसूचना सं. ए. 32013/5/81-

इ. सी में अधिसूचित क्रम सं. 5 पर श्री पी. के. सेन और क्रम सं. 10 पर श्री पी. के. दत्ता द्वारा तदर्थे आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में कार्य भार ग्रहण करने की अमर्षः तारीख 10-12-81 तथा 8-12-81 को संशोधित करते हुए 14-12-81 और 16-12-81 पढ़ा जाए।

दिनांक 14 मई 1982

सं. ए-21021/1/82/इ.एस.—मुख्यालय संगठन, नागर विमानन विभाग, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली के श्री वी. डी. संठी, उपनिवेशक अधीक्षक नियोक्ता (तदर्थ) ने नियर्सन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30 अप्रैल, 1982 अपग्रहन से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

जे. मी. गर्ग

सहायक निदेशक, प्रशासन

किया गया है। प्रत्येक के नाम के सामने अंकित तारीखों को (उपर पद का) कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम	अधिकारी का नाम और	संगठन का नाम	कार्यभार
सं०	पदनाम		ग्रहण करने
			की तारीख

सर्वे श्री:

1. एम० राधाकृष्णमूर्ति,	विजयवाड़ा	2-3-82
अधीक्षक,	रेंज-I	(अपराह्न)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क		
2. भलीमुल्लाह खान,	मुख्य कार्यालय,	11-3-82
अधीक्षक,	गुन्टुर (लखा	(पूर्वाह्न)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क	परीक्षा)	

डी० कृष्णमूर्ति,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग

गुन्टुर-522004, दिनांक 8 अप्रैल 1982

सं० 1/82 (स्थापना)—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित (पूर्प “बी”) (राजपत्रित) अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने दिखायी गयी तारीखों को वार्षक्य प्राप्त होने के कारण सेवा निवृत्त हो गए:

क्रम	अधिकारी का नाम तथा संगठन का नाम	सेवा से
सं०	पदनाम	निवृत्त होने
		की तारीख
		(अपराह्न में)

सर्वे श्री

1. एस० विजयरामराव,	मुख्य कार्यालय,	28-2-1982
अधीक्षक,	गुन्टुर	
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क		
2. मो० खमरुदीन अली,	—वही—	28-2-1982
अधीक्षक		
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क		
3. ए० सूर्य प्रकाश राव,	—वही—	31-3-1982
अधीक्षक,		
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क		

सं० 2/82 (स्थापना)—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नियोक्ता ग्रेड में निम्नलिखित अधिकारियों ने, जिन्हें केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (ए० मे०) अधीक्षक (पूर्प “बी”) (राजपत्रित) के पद पर नियुक्त

नागपुर, दिनांक 3 मई 1982

प. सं. 11(3)2-गोप/82/2215—इस समाहर्ता क्षेत्र के अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी “स” सर्वश्री इ. डी. वक्ते/एम. बी. पांडे ने आगुसीमा प्राप्त करने पर वे विवाह 31 मार्च, 1982 के अपराह्न में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

वि. पी. गुलाटी
समाहर्ता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य निभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रर आफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्टरनेशनल एक्वीजिशन्स लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1982

सं. 2461/8707—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560-की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से दीन मास के अवसान पर इन्टरनेशनल एक्वीजिशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह. अपठनीय
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रर
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और 'श्री मीनाक्षी पेपर लिमिटेड' के विषय में

पांडिचेरी, विनांक 12 मई 1982

सं. 136/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 उपधारा (5) की अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि "श्री मीनाक्षी पेपर मिल्स लिमिटेड" का नाम आज रेजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और "रेजिना चिट कंड एण्ड फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में

पांडिचेरी, विनांक 12 मई 1982

सं. 76/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 उपधारा (5) के अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि "रेजिना चिट कंड एण्ड फैब्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम आज रेजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

बी. कोटेनदर राव
कम्पनियों का रजिस्टर
पांडिचेरी।

कायलिय, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

सं. सी. आई. टी. 5/124/82-83/5771—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर पहले आरी किये गये आवेदनों में परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर पहले आरी किये गये आवेदनों में परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची

के कालम 1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में आने वाले थोन्हों, व्यक्तियों, या व्यक्ति के वर्गों, या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे।

अनुसूची

रेज

आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-5 ए नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट 2(1), 2(2), 2(3), 2(4), 2(5), 2(6), 2(7), 2(8), 2(9), 2(10), 2(11), 2(12), और 2(13), नई दिल्ली ।
---	---

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-5 बी, नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट 7 के सभी बाईं जिसमें डिस्ट्रिक्ट 7(1), 7(2), 7(3), 7(4), 7(5), 7(6), 7(7), 7(8), रिफ़ड सर्किल और डिस्ट्रिक्ट 2(14), 2(15), 2(16), नई दिल्ली शामिल हैं ।
---	---

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-5 सी नई दिल्ली	डिस्ट्रिक्ट 4 के सभी बाईं जिसमें डिस्ट्रिक्ट 4(1), 4(2), 4(3), 4(4), 4(4), प्रतिरक्षित, 4(5), 4(6), 4(6), प्रतिरक्षित, 4(7), 4(8), 4(9), 4(10) नई दिल्ली शामिल हैं ।
--	--

यह भारत 1-5-1982 से लागू होगा।

टी. शारद अमराल
आयकर आयुक्त
दिल्ली-5

परमप्रधान आई० टी० एन० एस०—

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवैष सं. आई. प. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/1010—अतः मुझे, एस. आर. गृष्मा, सहायक अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन तब्दि ग्राहितारी नो, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 22-वी, है तथा जो खान मार्केट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाख्यान अनुमूली में पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्सवर 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षितः—
2-96GT/82

1. श्री एल. करनल सुर्यन चिंह (रिटायर्ड) 22-खान मार्केट फ्लैट्स, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. मैं वो तामिल नाडू हैन्डलम वीकर्स कोपरेटिव सोसाइटी नि. 350 पेनथेन रोड, इगमोर, मद्रास, (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्तर में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा. नं. 22-वी, खान मार्केट, नई दिल्ली

एस. आर. गृष्मा
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवैश सं. आई.ए.सी./एक्यू. /1/एस-आर-3/9-81/953—अतः मुझे, एस.आर.गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2678 से 2680 है तथा जो नाइटला
कराने वाला, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावदध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

1. श्रीमती प्रीतम कौर ब्रह्म पत्नी स्वर्गीय श्री सरूप
सिंह ब्रह्म, निवासी-2 बीड़न पुरा कराने वाले,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं, सनराहज इन्डीवा होल्डिंग प्रा. लि. इवारा
श्री अवतार सिंह सूपूर्ण श्री जीवन्द सिंह, निवासी-
डी/11, साउथ एक्सटेनशन भाग-2, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विवेपें:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाप;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकृत
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रहित हैं,
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रो. नं. 2679/2680, 2678/1-4, 450 वर्गज्ञ,
नाइटला फैसिंग गुरुद्वारा रोड, कराने वाला, नई दिल्ली

एस.आर.गुप्ता
संकाम अधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बर्जन रोड 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
माहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई० प. सी०/एक्य०/1/एस-आर-3/9-
81/997—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन संत्रप्त प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी संख्या सी-17, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 1 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण सिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अम्भरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरके के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधास् :—

1. मैं, श्ररत एक्सपोर्टर्स प्रा. लि. द्वारा श्री रविन्द्र
कुमार जैटली,
(अन्तरक)
2. श्रीमती हर मोहिन्द्र कारेर साहनी पत्नी श्री दलिप
सिंह, निवासी-सी-17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली
(अन्तरक)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताकारी के प्रस.
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. सी-17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

एस. आर. गुप्ता
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982

माहूर :

प्रह्लप प्राई० दी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निदेश म. आइ० ए. सी./एक्यू. 1/एस-आर-3/9-81/954—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी मंस्या पी-14 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्तम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त ग्रामिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रामिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रामिनियम, या धन-कर ग्रामिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रभु, उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. श्रीमती सरस्वती देवी, निवासी-डी-29, हौस खास इनकलव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी निवासी-सी-80 पंचाशी इनकलव, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित कार्यवाहियाँ करता हूँ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरभूमि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रामिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. पी-14, क्षेत्रफल-311 वर्गगज, ग्रीन पार्क, एक्सटेनशन, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
संभाग अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/1004—अतः मुझे, प्रम. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 7, फ्लॉक-डी, है तथा जो मसजीद मोठ
निवासीय घोजना, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उप-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर
1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के के अधीन निम्नलिखित अधित्यों, अर्थात् :—1. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री राम लभाया, निवासी-
जी-26, साउथ एक्स. मार्केट, भाग-1, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एन. सी. श्रीवास्तवा सुपुत्र श्री गिरीश अन्न
श्रीवास्तवा, निवासी-डी७, मसजीद मोठ रोड-
मीयल स्कॉम, नई दिल्ली-

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हातबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बना हुआ मकान प्लाट नं. 7 ब्लॉक 'डी' एरिया-216 वर्ग-
मीटर, मसजीद मोठ निवासीय घोजना, नई दिल्ली।एस. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्रध्यं आइ. टी. एन. एस.-----
वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आइ. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-
81/1108—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 45, ब्लॉक-8-ए, है तथा जो डब्ल्यू-ई-ए-
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान
उन्नति सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वारतीकृत रूप से कृपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

1. श्रीमती मातीया देवी बागा पत्नी श्री शकुर दास,
निवासी-1, पटेल घड, वेस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मारियत थोमस पत्नी श्री थोमस सेबास्टीयन,
निवासी-8-ए/45, डब्ल्यू ई-ए-करोल बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताहित
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टांकारी के तास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

11514, वार्ड नं. 16, प्लाट नं. 45, ब्लॉक-8-ए,
डब्ल्यू-ई-ए-करोल बाग, नई दिल्ली, माप-161 वर्गांज।

एस. आर. गुप्ता
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
माहर :

प्रस्तुप आइ'. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेदित सं. आइ'. ए. सी./एक्यू. 1/एस-आर-3/9-
81/1108—अस: मुझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1011 वार्ड-16, है तथा जो नाइ' वाला,
शिवाजी स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के वधीन तारीख 1981
कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह ग्रन्थित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्ननिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती घबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कल्याण दास सुपुत्र श्री बदरी दास, निवासी-
जनकपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री गुलशन कुमार (2) अशोक कुमार (3) विजय
कुमार और राम कुमार सुपुत्रगण श्री कस्तूरी लाल
ठुकराल, निवासी-2222-बागीची रसुनाम दास,
सदर बाजार, दिल्ली-6 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त दृश्यमान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक भंजीला भक्ति नं. 1011, वार्ड नं. 16, स्थापित
नाइ' वाला, शिवाजी स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली ।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवैश सं. आइ. ए. सी./एक्यू. 1/एस-आर-3/9-81/1086—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 247, है तथा जो प्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधिध अनुमति में पूर्व रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वायालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती इन्दुलला।

(अन्तरक)

2. मै. डीलाइट बिल्डर्स द्वारा श्रीमती लक्ष्मी कौर, निवासी-ए-2/140, सफदरजंग इनकलवे नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस-247, प्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-48, परिया-300
वर्गाज।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 1, नई दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रत्येक आर्हों टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निदेश सं. आर्ह. ए. सी./एव्यू./1/एम-आर-3/9-81/1082—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-1/28, है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 था 16) के अधीन सारीख सितम्बर 1981

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चवटी अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वनने में सहायता के लिए; और/या

गनुभूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3—96GI/82

1. श्री कर्णतार सिंह राष्ट्रीय श्री दयाल सिंह निवासी-बी-1/28, मालवीय नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री रमेश भाटीया सुपुत्र श्री रघु कुहल भाटीया निवासी-एल-111, सरोजनी नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

एम. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारीमहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रैंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती सुशीला बुधीराजा पत्नी स्वर्गीय श्री के.
एल. बुधीराजा, निवासी 11/21, बेस्ट पटले
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता पासी पत्नी श्री बी. एल. पासी,
निवासी-डी/258 डीफॉस कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू.1/एस-आर-3/9-
81/1081—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या एन-93, है तथा जो पंचांशिला को-परांटिव
हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, लि. में स्थित है (और इससे उपा-
वध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंक्ति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वज्रने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बंगला नं. एन-93 पंचांशिला को-परांटिव हाउस बिल्डिंग
सोसाइटी लि. क्षेत्र-999 वर्ग मीटर।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-5-1982
माहर :

प्रसूप प्राई. एस. एस.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 मई 1982

निवैशं सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/992—अतः मूझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सद्विधान प्राधिकारी को, यदि उद्देश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति उत्तर कलार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी/231-डी, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्थ अनुसंधी से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया या प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तव्येष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या दूसरी घासियों को जिसे भारतीय फ्रान्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा फ्रान्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजमार्य घस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रत्यक्ष, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के मनुतरण में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उत्तरादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मध्यात् :—

1. श्री इशर वास मेहरा सुपुत्र श्री गोपाल वास, 686 डबल स्टोरी, नई राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र सुपुत्र श्री इशर वास, बी-231-डी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी घावेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अस्तित्व अवधि द्वारा अबोद्धस्ताकरी के घास लिखित में किए जा सकें।

इन्डोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधियय 20क में परिभाषित है, वही अंदर होता, जो उस अधियय में विद्या रखा है।

मनुष्य

बना हुआ प्रथम मंजिल केक्ल बी/231-डी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्रकाश बाई^१. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/
 1119—अतः मुझे, एम. आर. गुप्ता,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी संख्या 43, है तथा जो अमृत नगर, कोटला
 मुबारक पर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
 दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :--

1. श्री एस. आलमगिर सिंह, 43-अमृत नगर, कोटला
 मुबारकपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सरेन गोयल, निवासी-सी-192, डिफेंस
 कालानी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनूसूची

प्रा. नं. 43, अमृत नगर, ससरा नं. 121, मझा कोटला
 मुबारकपुर, नई दिल्ली, एम-सी-डी नं. एम. के. 257,
 एरीया 314 वर्गज, सिंगल स्टोरी।

एस. आर. गुप्ता
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/
1118—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-351, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबृथ अनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि इथापर्वक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कीभित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री प्रेम प्रकाश कवाजा, निवासी-15-यु. बी. जवाहर नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला मितल, निवासी-ए-3 ग्रेटर कैलाश इनकलेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति : अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्म्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. ई-351, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, 250 वर्गगज ।

एस. आर. गुप्ता
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०-
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा-
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवैश सं. आई० ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/
1031—अतः मुझे, एस. आर. गृहा,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्षत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है प्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, प्रर्थात्:—

1. श्रीमती विद्या देवी कोतवाल विधवा पत्नी श्री राज कोतवाल, निवासी-कोतवाल विल्डींग श्री-नगर, काशीमीर, द्वारा जनरल अटार्नी श्री भगत सिंह पनवार।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम प्रकाश कटारीया सूप्रत्र श्री लखी राम कटारीया निवासी-जे-2, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी लकड़ियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रकाशित काव्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल किसी अन्य अवित्त द्वारा अधीकृतामरी के तास लिखित में किए जा सकें।

एवंतरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि 4 बिधे और 16 बिधे, संसारा नं. 328, ग्राम-खानपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

एस. आर. गृहा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्रखण्ड आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़ 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस-आर-3/9-81/
1056—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सत्रारी नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षण, निम्नसिद्धि उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

1. श्री धरम सिंह मुपुड़ स्वर्गीय पंडित लिला राम,
निवासी-ग्राम-ममजीद माठ, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. मै. अंशल क्षुजसिंग एण्ड इस्टेंट्स प्रा. लि., 115
अंशल भवन, 16-के. जी. मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अन्सूची

कृपि भूमि 21 बिघे और 1-1/2 बिश्वे, जो कि 1/2 हिस्से
भूमि 42 बिघे और 3 बिश्वे, का है, के. नं. 941 (4-16),
942/1(3-08), 942/2(1-08), 943/1(2-08),
943/2(2-08), 944 (4-16), 945 (4-12), 946
(1-16), 948 (1-01), 949 (4-18), 950 (4-04),
951 (4-16), और 952 (1-12), ग्राम-सत्रारी, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख : 13-5-1982
मोहर :

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड़-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-81/939—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली, तहसील-मेहराली-4, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से ऐसे हस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्रसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम किशन, हरी किशन और सुख पाल सुपुत्र श्री गोपाल, निवासी-ग्राम-देवली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राज नक्षमी (नी) शालीनी वाधी पत्नी श्री विनोद कुमार, निवासी डी-40, राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिष्टे और 4 बिष्ट्ये, एम. नं. 12, किला नं. 3, स्थापित, ग्राम देवली, तहसील-मेहराली, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रस्तुप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./पक्ष्यू./1/एम. आर.-3/9-81/940—अम: मुझे, एम. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में पर्ण सूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-96G1[82]

1. श्री राम किशन, हरी किशन और मुख पाल सुपूत्र
श्री गोपाल, नियामी-ग्राम-देवली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राज लक्ष्मी (नी) शार्लीनी वाधी पत्नी श्री
विनोद कमार वाधी, नियामी डी-40, नज़ोरी
गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में नोट भी दाखिल है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
भूषण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमृसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्डे और 16 बिल्डे, एस. नं. 12,
किला नं. 2(4-8), 3 मिन(0-8) स्थापित ग्राम-देवली,
तहसील-महराली, नई दिल्ली।

एम. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रस्तुप बाइ.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निरीक्षण गं. आइ. प. सी./एक्यू./1/एम. आर.-3/9-81/925—अतः मुझे, एम. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन समेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं. कृष्ण भूमि है तथा जो ग्राम-सूलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख स्तिथ्वर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से ऐसे दूसराना प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

कृष्ण भूमि 4 विधे 16 बिश्व, खसरा नं. 107, ग्राम सूलतान पुर, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-1, दिल्ली-110002

अतः कब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, मौ. , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती हन्दीरा अरोड़ा पत्नी श्री ज. एल. अरोड़ा, भाफत्त—शकुन्तला उपार्टमेंट 25-कम्पूनिटी सेन्टर पूर्वी कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री आर. के. गर्ग एण्ड सन्स/कर्ता श्री आर. के. गर्ग, सुपुत्र श्री हन्म राज, निवासी-बी-94-पंचशील इनकलेंव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लैर्इ भी आकोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तारीख :

तारीख : 13-5-82

माहर :

प्रकल्प प्राइंटी फ्री एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवैश सं. आर० ए. सी./एकू०/1/एस. आर.-3/9-
81/927—अतः मुझे, एम. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-स्तरानपर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वान्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीं अंतर नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण गं ४४१ किसी आय को आबत उक्त अधिनियम के अधीन घर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूचण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हन्दीग अरोड़ा पत्नी श्री ज. एल. अरोड़ा,
मार्केट मैं. शक्तिला अपार्टमेंट 25-कम्प्लिटी
सेंटर पूर्वी कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री आर. के. गर्ग एण्ड सन्स एच-य-एफ द्वारा कर्ता
श्री आर. के. गर्ग, सूपुत्र श्री हंस राज, निवासी-
बी-94-पंचशील इनकलें, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
व्यार्थवाहीया वारता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भी अपर्याप्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिल्डर स्सरा नं. 107, ग्राम स्तरान पर,
नई दिल्ली।

एम. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रधान प्रभारी, टो. एन. एम. —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-
81/936—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाती, नई दिल्ली
में स्थित है (आर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-
स्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर-8।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक जो
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

1. श्री छाजु सुपुत्र श्री झंडू, धानु, बूजा, कुका और
रिशा सुपुत्रगण श्री रामफल, निवासी-फतेहपुर बरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै. स्कोपर कन्सट्रक्शन कं. प्रा. लि. 1106-
अशोका इस्टेंट्स, बाराथम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि लंसरा नं. 784(2-06), 825(2-15), और
1531(3-10), ग्राम-भाती, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82

मोहर :

प्रधन प्राइंटी ८० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सौ./एन्यु./1/एस. आर.-3/9-31/929—अतः मुझे, एम. आर. गृष्टा,

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत प्रशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन यथा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि आवार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाती, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावदूध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल या, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रतिकूल है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों और अन्तरिक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाश गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(ए) उत्तरण में नहीं किसी आय की वाचत उक्त प्राधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के वाचित्व में कमा करने या उसमें उचित व्यक्तियों के लिए; प्रोग्राम

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सांततयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या धनकर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षित भारा प्रकट नहीं हिता गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्राधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती केला विधवा पत्नी श्री लेखा, निवासी-फतेहपुर बंरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै. स्कोपर कन्सट्रक्शन कं. प्रा. लि. 1106-अशोका इस्टेंस, 24-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्बद्धन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्बद्धन के संबंध में कोई भी वारोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से 1...सी व्यक्ति बुवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 विघ्न और 1 बिश्वा, खसरा नं. 2092/1533/2, स्थापित-ग्राम-भाती, नई दिल्ली।

एस. आर. गृष्टा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82

मोहर :

प्रह्लाद आई० ईम० एस०--

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक १३ मई १९८२

निदेश सं. आई० ए. सी./एक्यू./१/एस. आर.-३/९-८१/१९२—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थानीय संस्थान, जिसका सचिव बाजार भूल्य २५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाटी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख सितम्बर-४।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य सेक्षम के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचिव बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वापनविह रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरग से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या उनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. (१) श्री चर्ता, (२) हारेम, सुपुत्र श्री चूनी, (३) हर लाल (४) हरपाल (५) हरती (६) राम किशन सुपुत्रगण श्री छत्तेर, निवासी-फतेहपुर बेरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. मैं. स्कीपर कन्सट्रक्शन क. प्रा. लि. ११०६-अशोका इस्टेंटेस, २४-बारांखाड़ा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक संबंध में कोई भी व्यापेय ।—

(क) इस सूचना के ग्रामपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन की अवधि या तत्संबंधी अपवित्रियों पर सूचना, की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवित्रियां बात्र में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अपवित्रियों में से किसी अवित्रियां होता;

(ख) इस सूचना के ग्रामपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्रियां होता, अवित्रियां के पास निवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ६ बीघे और ३ बिल्डे, खसरा नं. ७६५(२-११), ७७७(१-१६), ८२०(१-१६), स्थापित ग्राम-भाटी, तहसील-मेरानी, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-१, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख : १३-५-८२
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.धन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-81/1011—अतः मुझे, एस. आर. ग्रृष्णा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरानी, तहसील-
मेहरानी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अन्-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सार्विक सितम्बर-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वनें के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

1. श्री बी. के. कपूर सूपूत्र श्री राय बहादुर महाराज
कृशन कपूर, निवासी-ए-51, नये फ्रेन्ड्स कालानी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार सूरी, सूपूत्र श्री हन्दर लाल सूरी
निवासी-एस-297 ब्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के अधिकारीय अधिनियम के अध्याय 20-के
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

1/2 हिस्से कृषि भूमि 15 बिघे और 16 बिघे,
म्यूनिसीपल नं. 47, किला नं. 22/2(1-5), 23/1(0-
19), एम. नं. 53, किला नं. 3/1(3-11), एम. नं.
61, किला नं. 17(4-16), 18/1(1-8), 24(4-16),
स्थापित-ग्राम-मेहरानी, तहसील, नई दिल्ली।

एस. आर. ग्रृष्णा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायोलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू.1/एस.आर.ग्रा.
81/1012—अतः मुझे, एस.आर.ग्रा.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृष्ण भूमि है तथा जो ग्राम-मेहराली, तहसील-
मेहराली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदध थरू-
सूची में पूर्ण मूल्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के
कायानिय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिए वाले ने
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
का निए आर/ग।

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीतयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लियाँ में
सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमृत चौधरी पत्नी श्री एस. पी, चौधरी,
सपुत्री एस. के. कपूर, निवासी-3।-गजपुर रोड,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार गुरी, सपुत्र श्री इन्द्र लाल सरी,
निवासी-एस-297 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कायानियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्मे कृष्ण भूमि 15 निधि और 16 बिश्वे,
मुनिसीपल नं. 47, किला नं. 22/2(1-5), 23/1(0-
19), एस. नं. 58, किला नं. 3/1(3-11), एग. नं.
61, किला नं. 17(4-16), 18/1(1-8), 24(4-16),
स्थापित-ग्राम-मेहराली, तहसील-मेहराली, नई दिल्ली।

एस. आर. ग्रा.
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख : 13-5-82
मोहर :

एहर आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के संबंधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, नई दिल्ली

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंग्स,
इन्हेप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-
81/1067—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विपक्त उचित वा आर. मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है।

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उत्तराधि अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बालाद मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित वास्तव रूप,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश
प्रतिशत से अधिक है और भग्नरक (भन्तरकों) और अन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नाम।
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
5-96GI|82

1. श्री लक्ष्मण सूपुत्र श्रीदंबी सिंह, ग्राम सरूप सूपुत्र
श्रीमंडोनवासी-ग्राम-हमायूं पुर नई दिल्ली, और
श्रीमती फातु पत्नी श्री लोटन सिंह एलीश दीप चन्द
निवासी-ग्राम-जानपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए. के. सुरी सुपुत्र श्री इन्द्र लाल सुरी (2/3)
श्रीमती कमलेश भासीन पत्नी स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश
भासीन (1/3), निवासी-प्लॉ-297 ग्रेटर कॉलाश-2
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर सूचना
की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्बों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 12 बिघे और 2 बिघे : मुस्ताटिल नं. 61
किला नं. 12(4-16), 13/1(1-9), 19/1(2-0), मुस्ताटिल नं. 62, किला नं. 1(1-9), 9(2-8), स्थापित-ग्राम-
महरौली, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रोड-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रकाश लाईडी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, नई दिल्ली

अर्जन रोज़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंग, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-81/1068—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहराली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अन्तर्भूती
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्छात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई जानी वाली वस्तु और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तमों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रव्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्रीदेवी सिंह, राम सरूप सप्त
श्री मेरु निवासी-ग्राम-हुमायूं पुर नहर विल्ली, और
श्रीमती फातु पत्नी श्री लटन सिंह एलीयस दीप अन्द
निवासी-ग्राम-बानपुर, महराली, नहर दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री ए. के, सुरी मुपुत्र श्री इन्द्र लाल सुरी (2/3
हिस्से) श्रीमती कमलश भासीन दत्ती स्वर्गीय श्री आम
प्रकाश भासीन (1/3 हिस्से), निवासी-एस-297
प्रेटर कलाश-2, नहर विल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रदूषक सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 11 बिल्डे और 12 बिल्डे, मुताली नं. 62
किला नं. 4(4-16), 6(4-16), 10(2-0)-ग्राम मेहराली,
नई दिल्ली।

एम. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
गोहर :

प्रह्लद बाहरौ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंग
इन्ड्रेस्ट्री स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-
81/1069—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मंहरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपान्ध अन-
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ही प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापीत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसारण
वे... मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारतः—

1. श्री लक्ष्मण सुपूत्र श्रीदेवी सिंह, राम सरूप सुपूत्र,
श्री मेरेन निवासी-ग्राम-हुमायूं पुर नई दिल्ली, और
श्रीमती फातु पत्नी श्री लूटन सिंह एलीयस दीप अन्द
निवासी-ग्राम-सानपुर, मेरहरौली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री ए. के. सुरी सुपूत्र श्री इन्द्र लाल सुरी (2/3
हिस्से), और श्रीमती कमलेश भासीन पत्नी स्वर्गीय श्री
आम प्रकाश भासीन निवासी-एस-297 शेटर कैलाश-
2 नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 विश्वे, मूस्तातील नं. 38,
किला नं. 22/2(3-17), 23/2(3-4), 24/2(3-2),
स्थापित-ग्राम-मेरहरौली, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रकृष्ट बाहुँ दौ. इन. एवं—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजा-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंडिंग
इन्ड्रेस्ट्रीस्ट एंटर, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निम्नों सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-81/1070--अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहराली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृथ अनु-
सूची में पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री लक्ष्मण सुपुत्र श्रीदेवी सिंह, राम सरूप सुपुत्र
श्री मंसुर निवासी-ग्राम-हूमायूं पर नई दिल्ली,
श्रीमती कातू पत्नी श्री लुटन सिंह एलीयस दोप अब्द
निवासी-ग्राम-खानपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए. के. सुरी सुपुत्र श्री इन्द्र लाल सुरी (2/3
हिस्से) और श्रीमती कमलंश भासीन पत्नी श्री अम्य
प्रकाश भासीन निवासी-एस-297 ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बिघे और 12 बिघे, मुस्तातील नं. 62,
किला नं. 7(4-16), 8(4-16), ग्राम-मेहराली, नई
दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंजा-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंग
इन्हेप्रेस्ट स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/1/एम० आर०-3/9-
81/1071—अतः मझे, एस० आर० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहराली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मियाम्बर-81
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिये अत्यरिक्त की गई है और मूल्य पहले विश्वास करने का
कारण है कि प्रायौक्तन नम्बर का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिकी (अन्तरिक्तियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन बार देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मण सुप्रति श्रीदेवी सिंह, राम सरूप सुप्रति
श्री मेरु, निवासी-ग्राम-हमायूं पुर नई दिल्ली,
और श्रीमती फातु पत्नी श्री लुटन सिंह एलीयरा दीप
चन्द निवासी-सानपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए. के. सुरी सुप्रति श्री इन्द्र लाल सुरी (2/3
हिस्से) और श्रीमती कमलेश भासीन पत्नी श्री
ओम प्रकाश भासीन (1/3 हिस्से), निवासी-एस-
297 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ वर्गिन द्वारा प्रधानस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उग अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 12 विधे, एम.नं. 62, किला नं. 2
(4-16), 3(4-16), 9(2-8), ग्राम-मेहराली, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-१, जी-१३, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. ब्रिलिंग
इन्क्रेप्शन स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेद्य सं. आई. ए. सी./एक्यू./१/एस. आर.-३/९-
८१/१०७३—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहराली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अन्तर्नियम
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-८१
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यपूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री लक्ष्मण सुप्रब्र श्रीदेवी सिंह, राम सरूप सुप्रब्र
श्री मंगल निवासी-ग्राम-हुमायूंपुर नई दिल्ली, और
श्रीमती फतेह पत्नी श्री लोटेन सिंह एलीयस दीप अन्ध
निवासी-ग्राम-खानपुर, तहसील मेहराली, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए. के. सुरी सुप्रब्र श्री इन्द्र लाल सुरी (2/3),
श्रीमती कमलेश भासीन पत्नी स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश
भासीन (1/3), निवासी-एस-२९७ ग्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिष्टे और 13 बिष्टे, मूस्ताटिल नं. 61,
किला नं. 9(4-16), 10(4-16), 11/2(1-1) स्थापित
ग्राम-मेहराली, नई दिल्ली।

एम. आर. गुप्ता
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-१, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :-

प्रस्तुप बाईंटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, जी-13, शाउल्ड फ्लोर, भी. आर. बिलिंग
इन्डिप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. /1/एस. आर.-3/9-
81/1094—अतः मुझे, एस. आर. गृष्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महराली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टरीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर-81
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहै भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एस. पी. जांशी सुपत्र विद्युत सागर जोशी,
निवासी-के-104 हौजखास, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री हर नारायण सुपत्र श्री बुध राम, निवासी 36/
5 यस्क सराय, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिल्डे और 14 बिल्डे, एम. नं. 41,
किला नं. 21/2(1-4), 22(4-10), स्थापित-ग्राम-मेहराली
नई दिल्ली।

एस. आर. गृष्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
माहूर :

प्रलूप प्राईंटी-एन-एस-

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंडग
इन्हूंप्रस्थ स्टंट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-
81/1095—उक्त: मुझे, एस. आर. गृष्मा,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की
धारा 269-ए के प्रधीन सकाम प्राक्कारी को वह विप्रवास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सारलील सितम्बर-81
को पूर्वोंत्र सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और युक्ते वह विप्रवास
करने का कारण है कि यवापूर्वोंत्र सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का प्रदूष उत्तिष्ठत प्रधिक है और प्रस्तुत
(अस्तरको) और प्रस्तुतिसी (प्रस्तुतियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, जिम्मेदारी
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिम्मेदारी में वास्तविक रूप से किया
किया नहीं जाया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावन, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या ब्रह्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अक्षित्यों, अर्थात्:—

1. श्री आर. के. दिक्षीत सुपुत्र स्वर्गीय श्री लक्ष्मण
दिक्षीत निवासी-ए-9/27 बसन्त विहार, नई
दिल्ली।

(३ न्यूर-५)

2. श्री हर नारायण सुपुत्र श्री बृंध राम, निवासी 36/
5 युसफ सराय, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत्र सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरधी व्यक्तियों पर
मूल्यमान की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी प्रबंधिया द्वारा में समाप्त होती हो; के भीतर
पूर्वोंत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तावरी
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में वर्णित हैं,
वही बधे होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि 5 बिल्डे और 2 बिल्डे, एम. नं. 41, किला
नं. 23(4-16), 26(0-6), स्थापित ग्राम-महरौली, नई
दिल्ली।

एम. आर. गृष्मा
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयदाता (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82
मोहर :

प्रसूप आहे, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।

जी-13, प्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिलिंग, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आइ. ए. सी./एक्यू./1/एस. आर.-3/9-81/1096—अतः मुझे, एस. आर. गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी हो, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वर्ष से अधिक है और जिसकी सं. कूपीष भूमि है तथा जो ग्राम-मेहराली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्तर्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अगतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधीनियम की धारा 269-ष की उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ती:—
6—96GI|82

1. श्रीमती चन्द्र कला गौड़ पत्नी श्री जे. पी. गौड़, निवासी-ए-9/27, वसन्त विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द्र सुपूर्ण श्री मुधु राम, निवासी-36/5 युसफ सराय, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भौमि क्षेत्र 9 विश्वे और 12 विश्वे, एम. नं. 41, किलो नं. 8(4-16), 13(4-16), स्थापित-ग्राम-मेहराली, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता
सक्षम प्राक्षिकारी
सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-82

मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू. /1/एस-आर-3/9-81/
1097—अर्थ: मुझे, एस. आर. गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित सूचीमें से उक्त अस्तित्व मिहित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के वधीय कर दरों के अन्तरक के
समिक्षा में कठीन करने या उससे बचने में सुनिधा
के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था इस्थाने में
सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्याओं, वर्तमान—

1. श्रीमती विजय गौड़ पत्नी श्री सी. पी. गौड़, निवासी-
इ-1/7, वसन्त विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री किशनचन्द्र सूपत्र श्री बुधराम, निवासी सी-
36/5 पूर्ण सराय, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्याओं पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री
बद्रीभूमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्याओं से किसी अवित्यावारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण
किसी वन्य अवित्यावारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्थावरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिलों और 16 बिलों, एम. नं. 41,
किला नं. 14, स्थापित-ग्राम महरौली, तहसील-महरौली,
नई दिल्ली।

एस. आर., गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

श्रेष्ठ भाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निम्नें सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5509—अतः युक्त, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है, से अधिक है।

और जिसकी संख्या भूमि खण्ड है तथा जो ग्राम नवादा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में पूर्ण रूप से
बीमैंट है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पैमंड़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या इक्या आम जाहिर था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री दीप चन्द्र सुप्रति श्री भाई राम, निवासी-ग्राम-
नवादा, दिल्ली ज़ेनरल अटार्नी श्री सुरत सिंह,
अंदर सिंह, दीप सिंह, और भाई राम वरीयास और
रणधीर सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार सुप्रति श्री बुध राज, निवासी-4/
10 डल्ल्यू-ई-ए-कराली बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वर्विकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 10 बिहवे, (500 वर्ग गज) स्थापित-ग्राम-
नवादा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सभ्म अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसार
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, विनोंक 12 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
 5473—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर समर्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है।

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-हस्तासाल दिल्ली
 राज्य दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रद्दमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके रद्दमान प्रतिफल से ऐसे रद्दमान प्रतिफल जो
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा की लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री याद राम सुप्रब्र श्री बुध राम निवासी-हस्तासाल दिल्ली।
2. अनन्त राम माता सुप्रब्र श्री लधा मल माता, निवासी-67-सी/2, भीनाक्षी गाड़ोंन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त समर्पित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्पित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 बिधा 16 बिधा, रेक्ट नं. 54, किला
 नं. 8, स्थापित ग्राम-हस्तासाल, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1982
 माहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आइट्. सुरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 मई 1982

निदोर्श सं. बाई. ए. सी./एक्यू. /2/एस-आर-2/9-81/
5471—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी स्थान प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था भूमि खण्ड है तथा जो ग्राम अलीपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
(अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है):--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की आवत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भक्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री कन्हैया लाल निवासी-
1601 मद्रासा रोड, काशीमीरी गेट, गायत्री देवी
पत्नी सत प्रकाश निवासी-2282 एम/गंज, सदर
बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रतन लाल गुप्ता मुपुत्र श्री दंदकी नन्दन गुप्ता,
निवासी-89 विवेका नन्द पुरी कालोनी, (11) राजेश
गुप्ता पत्नी श्री एम. एल. गुप्ता निवासी 89-
विवेका नन्द पुरी कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेइं भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट का क्षेत्र 940 घर्ग गज, खसरा नं. 349, लाल डोरा
अबादी ग्राम-अलीपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्ति अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002.

तारीख : 12-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-2/9-81/
8425—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5 ई/15, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्व
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्व
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंहरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया
था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल सूद सुपुत्र श्री गोपाल राम सूद,
निवासी-5/1 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. तंजिन्दर कुमार दुआ सुपुत्र श्री देवी दास दुआ,
निवासी-57/2 ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताकरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

लालोकरण :—इसमें प्र्युक्त इद्वां और द्वां का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जी. बी. क्वाटर नं. 5/15 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
म्युनिसीपल नं. 17/1287 ।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनाक 12 मई 1982

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/9-81/
8380--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र. के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 275-276 है तथा जो वार्ड नं. 8, फाटक
करोज, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-
मध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ल) लेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र. की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महर इलाही सुप्रति श्री शेख कासू, निवासी-
4024 गली बंसी कोयले बाजी, अजमेरी गेट,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद मुरातीन, सुप्रति मोहम्मद इब्राहिम, (2)
फलमिदा बातुन पत्नी मोहम्मद मुस्सिन, निवासी
1873 गली राजन कुचा फौलाव बान, दरीया गंगा
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मध्य फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

प्रो. नं. 275-276 वार्ड नं. 8, फाटक करोज, इनसाइट

अजमेरी गेट, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1982

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5510—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा, दिल्ली
में स्थित है (बीर इससे उपावदेश अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को घूर्वेंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाघूर्वेंत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्राप्तफल, निम्नलिखित उल्लेश से उक्त अंतरण निर्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्न-भन्न अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोग्यनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीप घन्द सुपुत्र श्री आई राम, ग्राम-नवादा,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कहाव चन्द्र चोपड़ा सुपुत्र श्री हर गोपाल, निवासी
बी-2/19, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

उपायकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का भाग-10 विश्व, स्थापित-ग्राम-नवादा हस्तासाल,
दिल्ली-

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
माहर :

प्रस्तुप भाई. टी. एन. एस.—

1. श्री दीप चन्द्र सुप्रब्र श्री भाई राम, ग्राम नवादा, दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री महिन्द्र सिंह सुप्रब्र श्री हिंग सिंह, निवासी-सी-8/110, लारेंस रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वा पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपञ्च वालों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/5507—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन संधार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीर्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्राप्ति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
एवं संकीर्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

भूमि का क्षेत्र 10 बिल्डिंग, स्थापित-ग्राम-नवादा, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
संधार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
माहूर :

अतः क्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रलेप आई.डी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5454—अतः मुझे, नरनेन्द्र मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिन इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व्र के अधीन मध्यन प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसका उद्दित
माजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो आम सिरस पुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाधेश अनुसंधी में पूर्ण स्तर से
दर्ज है), अजस्त्रीय अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
प्राधिनियम के अधीन कर दन के प्रतिक्रिये
वाच्यता में कमा करने या उपास बचने में श्रीविद्या
के लिए; और/या

अमृसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनियमों
को जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने में
संविधा के लिए;

कृषि भूमि क्षेत्र 6 बिघे और 8 बिघे, ग्राम-सिरसपुर-
दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उद्देश्य अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्री शादो राम, देवी सिंह और लक्ष्मी सुप्रब्र श्री
रणजीत, निवासी-ग्राम और पां. सिरसपुर,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरनेन्द्र कमार निवासी-6-डी.एस.आई.डी.
सी. शंडस, बजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
सिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 12-5-1982
लोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

निवेश मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5453—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पादन, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कूटि भूमि है तथा जो ग्राम-गड़ी, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कायालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री सरदार सिंह, बलवीर सिंह, प्रताप सिंह सुप्रब्र
श्री जगलाल निवासी ग्राम-हिरांकी, दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री हर लाल, सरदार सिंह, धेनम पाल सुप्रब्र श्री
भूल रिंह निवासी-मुखमेल पुर, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहिकाएँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हर किसी आय की जावत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक जो वायित्व में
कमी करने या सस्ते बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

अनुसूची

कृषि भूमि 25 बिघे और 12 बिघे, ग्राम-गड़ी, खसरों,
दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहीए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

नरनेन्द्र मिहं
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1982
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप प्राईंटी० ई० एन० एस०----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5475—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ष के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-तेजपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे
दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने तुड़े किसी आयं की शावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पारै सुपुत्र श्री हर नरेण निवासी-ग्राम-केशो-
पुर, दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री रणजीत सिंह सुपुत्र श्री आत्मा सिंह निवासी-
53-कृष्ण पार्क दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कोंते 16 बिष्टे और 16 बिष्टे, ग्राम-तेजपुर,
दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1982
महर :

प्रस्तुप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एस्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5489—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि का खण्ड है तथा जो ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबवध अनुमूली में पूर्व रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रीरथा,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्राहितियों
को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार सिंह और सिरी लाल सुप्रति श्री नन्द लाल
निवासी-ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री अमित कुमार गुप्ता सुप्रति द्वारा उसके मां और
सहाय अभिवावक श्रीमती आशा गुप्ता, निवासी-20/
19, शक्ती नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे 45
दिन को अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सुनना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि या व
में गमाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट का धोन्न 555 वर्ग गज, खसरा नं. 572, ग्राम-सिरस-
पुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-5-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्सैट./2/एस-आर-2/9-81-
5506—उत्तम भूमि, नरनंद सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. सं अधिक है

और जिसकी मात्रा कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-शामपुर, दिल्ली
में स्थित है (उत्तम भूमि ज्ञानदत्त अन्तर्ज्ञी में सूची रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के द्वायांलय, नई दिल्ली में
भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 1 जिलमध्य 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतर्गत हो रहा है और मूर्ख यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रिती
(अन्तर्रितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री अमर राम, थाम्बू, शेर मिंह सुपुत्र श्री दलपत
और राम नाथ सुपुत्र श्री पत गम निवानी-ग्राम-शाम-
पुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह सुपुत्र श्री सन्त राम, निवानी-5667
बस्ती हरफल सिंह, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 विधे, संसद नं. 34/6, 15, 35/10,
आर. 11, ग्राम-शामपुर, दिल्ली ।

नरनंद सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
भोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश सं. आई० ए. सी०/एव्य०/2/एम-आर-2/9-81/
5505—अतः मुझे, नरन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी मूल्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम शामपुर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपादव्ध अनुसूची में पृष्ठ रूप से वर्णित
है), राजस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय राजस्तीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के

अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हव
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी आप की बाबत उक्त अवक्तु अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्ड में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौड़/पा।

(म) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अभय राम, थार्म, शंकर सिंह सुपुत्र श्री दलपत
और ग्राम नाथ सुपुत्र श्री पत राम, निवासी-ग्राम-
शामपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

1 श्री दशन सिंह सुपुत्र श्री नाथा गिल, निवासी-
10558 मोतीया लाल, नड़ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहृस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का केव 2 बिब्रे, स्वर्ग नं. 34 6, 15, 35/10
लॉर 11, ग्राम-शामपुर, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982
मोहर :

प्रृष्ठ पाइँ. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1982

निदर्शन सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5511—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानवार संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के ग्रंथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीप अन्द सुपुत्र श्री भाइ गम, निवासी-ग्राम-
नवादा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्यारे लाल रस्तोगी और हरी रम भुपुत्र श्री केवल
रम, निवासी-1-सी/23, न्यू रोहतक रोड, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अद्वितीय दाव में समाज्ञ होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवार सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
वर्ण होगा, जो उभ अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का भाग, स्थापित ग्राम-नवादा, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-5-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज 2, नहर्द दिल्ली

नहर्द दिल्ली, दिनांक 12 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. /2/एस-आर-2/9-81/
5446—अतःमुझे, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसवार उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या भूमि का संज्ञ है तथा जो आम नवादा मजरा,
हस्ताता, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नहर्द दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
प्रेरणा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में
कमी करने या उससे बचने में सहित के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आर्थिक व्यक्तियों
को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दूबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—
8-9 GI/82

1. श्री दलेल सिंह और जगमाहन सुपुत्र श्री भागमल,
निवासी-ग्राम-नवादा मजरा हस्ताता, दिल्ली,
(अन्तरक)

2. श्री बी. के. अग्रवाल सुपुत्र श्री गया धर प्रसाद
अग्रवाल, श्रीमती उषा अग्रवाल दत्ती श्री बी. के.
अग्रवाल, निवासी-16/548, रामलिटरी रोड,
करोल बाग, नहर्द दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन में नियम
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों गे से किसी अन्य दूतावास

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास निश्चित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क भी पांचालिक
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

अनुसूची

प्लाट का क्षेत्र 542 वर्गगज, लम्बाई 565, ग्राम-नवादा,
मजरा हस्ताता, दिल्ली ।।

नरनेन्द्र सिंह
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज 2 दिल्ली, नहर्द दिल्ली-110002

तारीख: 12-5-1982
माहर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5440—अस: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दते के अन्तरक के
द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कलदीप कुमार जुलूसा सुपुत्र श्री रोशन लाल,
निवासी-बी-33, कृष्ण पार्क, नजफगढ़ रोड,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगेन्द्र सिंह रणधावा सुपुत्र श्री रणधीर विल,
दुन्धवाला, ग्राम-पा. एलारी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हुएगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि लक्षण नं. 274 मिन (3-16), 267 मिन
(1-7), 273/2 मिन (1-1), 275/3 (1-12) ग्राम-
मसूदाबाद नजफगढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निम्नोंसं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5445—उत्तर: मुझे, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था भूमि खण्ड, है तथा जो ग्राम-नवादा मजरा
हस्तासाल, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उत्तर: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दलेल सिंह और जगमोहन सुपुत्र श्री भागमल,
निवासी-ग्राम-नवादा मजरा हस्तासाल, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री पवन कुमार सेठी, सुपुत्र श्री के. एन. सेठी,
निवासी-3692 गली लाहौदेली, चरख बालन
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कौण भूमि का खेत फल-542 वर्ग गज, (प्लाट) खसरा नं.
565, ग्राम-नवादा मजरा हस्तासाल, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निवारेश भ. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/5469—अतः ग्राम, नरेन्द्र सिंह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संधर कांप भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (अौर इससे उपादान अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 अक्टूबर 1981

को प्रत्रीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवैक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रवैक्त कर देने के अन्तरक के वायित्व में किया करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
 दी 2/81

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मलखान सुप्रिया श्री मोहन लाल, दिवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं अरुण स्टील इनडस्ट्री, 10402/7 गली नं. 13, पहाड़गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र (0-15, 1/2) विश्वे, खसरा नं. 476, एरीया ग्राम-बुरारी, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
 सकम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोड-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
 माहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-2/9-81/
5464—अतः भूमि, नरन्द्र मिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कावीपर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबृक्ष अनुसूची में पर्याप्त से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नसिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्यारे सुपुत्र श्री भूल और रत्न सिंह सुपुत्र श्री
मंगरु निवासी-आम-पौ. मुख्यमंत्री, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री नवीन सुरी सुपुत्र एल. श्री आम प्रकाश सुरी,
निवासी-बी-9/14, वसन्त विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी और
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि का थेन्ड 15 बिस्ट्रे, खसरा नं.
1052 (1-12), 1054 (4-16), 1057 (4-16), और
1058 (4-16), खाता/खताती नं. 33/1 ग्राम-कादिपुर,
दिल्ली।

नरन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप् आहै. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 मई 1982

निदर्शन सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5460—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-कंगन हरी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्रव्य अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकर्ता)
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ग) जलसंग्रह से हाई नियम की वारत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के असरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

भूमि/वा

1. श्री उमराव सिंह सुपुत्र श्री कुम्हन, निवासी ग्राम-
पां. पदम का बैंस, जिला-गुडगांव, हरीयाणा।
(अन्तरक)

2. श्री जय नरायण, हुकम थन्द, आम प्रकाश सुपुत्र श्री
उदय राम, जगदीश सुपुत्र श्री राम किशन, ग्राम-
सिंह सुपुत्र श्री देवन, निवासी-ग्राम-कंगन हरी,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अविक्षियों पर रुक्षना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में रिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो वर्ण होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृषि भूमि 19 विधे 9 विश्वे ग्राम-कंगनहरी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982

माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, फ्लॉ-13, ग्राउन्ड फ्लॉर, सी. आर. बिल्डिंग,
 इन्ड्राप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली 1
 नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निवारण घं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
 5442—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पपरावट, दिल्ली
 में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने के कारण है कि वथापवोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/वा

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

1. श्री राम कलन सुपुत्र श्री मेषन, निवासी-ग्राम-पपरा-
 घट, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सर्वती पत्नी श्री किशन सिंह, 1644 थाना
 रोड, नजफगढ़, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 1 विषय, ग्राम-पपरावट, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोड 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
 माहर :

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
हन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदर्शन सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5447—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम-कादिपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ नहीं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हर लाल सुपुत्र श्री भूर्ज निवासी-ग्राम-पो. मूस-
मेल पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री पुनम सुरी सुपुत्र पाल. श्री आम प्रकाश सुरी,
निवासी-बी-9/14, वसन्त बिहार, नई दिल्ली।
(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
निम्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 16 बिंधे और 8 बिंधे, खसरा नं. 1044 (5-
03), 1045 (4-16), 1055 (3-17), और 1056 (2-
12) खसरा/खतानी नं. 80, स्थापित-ग्राम-काविपुर, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
माहर :

प्रमुख प्राइ. टी. एन. प्रस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यु. /2/गम-आर-2/9-81/
5467—अतः मूर्ख, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी संस्था भीम स्टार्ड है तथा जो ग्राम-टिकरी कला,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें डाकबॉक्स अनुसूची में पर्यवेक्षण
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख भित्तिर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक समाजित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम्स दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

1. श्री सरदार सिंह और मांगरेम सुपुत्र श्री लाजी,
निवासी-शाम पां. टिकरी कला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमनी शात्ती देवी दूस्री करतार सिंह निवासी-297
नागलालौ, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(ब) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/या

जनसूची

ज्लाट 600 वर्ग गज, हिस्मे लमग नं. 831, 832 और
ग्राम-टिकरी कला, दिल्ली।

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मै. जक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वाक्यियों, अर्थात्:—
9—96GI[82]

नरेन्द्र सिंह
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
मोहर :

प्रलेप प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर डिल्ली,
इन्डप्रस्थ म्टेंट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदर्श सं. आई. ए. सी./एव्हू./2 एस-आर-2/9-81/
5449—अतः मुझे, नरन्द्र मिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसमें पक्षात् 'उन अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सत्र रायितारी से पृष्ठ विश्वास करने का निर्णय है कि
स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसको संख्या कृपया भूमि है तथा जो इस कानून, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायदब्ध अनुसूची से पूर्वी ऊपर से वर्णित
है), अंजन्तीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय अंजन्तीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख मित्स्वर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और पुक्षे वह विश्वास करने का निर्णय है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिगत प्रधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उपर्युक्तों में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्थिक विषयों को जिन्हे भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस प्रतिनियत, अन्तर-कर अधिनियम, 1952 (1952 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरन्द्र मिंह जी भूमि निवासी-ग्रामा-ना., नरन्द्र मेंपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी पूनम सूरी भूमि एवं श्री ओम प्रकाश, निवासी-बी-9/14, दर्शन दिल्ली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्वर्ती में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी न पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो सभ ग्रन्थाव में दिया गया है।

अनुसूची.

कृपया भूमि 11 विघ्ने और 14 विघ्ने, लम्बा नं. 1050 (1-12), 1059 (4-16), और 1060 (4-16), लाता/खट्टी नं. 66, स्थापित-ग्राम-दादिगार, दिल्ली।

नरन्द्र मिंह
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखः 6-5-1982

मोहरः

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाद्वक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लॉर, सी. आर. विल्लिंग,
हन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदंश सं. आर्द्ध. प. सी./एव्ह./2/एस-आर-2/9-81/
5441—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान नियन्त्रित, दिग्गजा नियन्त्रित आजार मूल्य
25,000/- रु. न अधिक है।

और जिसकी संस्था कूपी भूमि, है तथा जो ग्राम-मस्काबाद,
नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुभूमि
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नारीव मित्रबन्ध 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) प्रसीदियी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, ऐसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--

1. श्री मन मांहन लाल सप्त श्री लाल चन्द निवासी सी-
3470 निकलन रोड, दिल्ली ।

2. श्री एस. दर्शन सिंह मुमुक्षु श्री दयाल सिंह निवासी-
65/47, राहतक गड, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

गन्दूसूची

कूपी भूमि 4 बिघे और 16 बिघे ग्राम-मस्काबाद मव तह-
सील-नजफगढ़, नई दिल्ली, वस्या नं. 8/2 (2-8), 9 मिन
(1-16), 8/1 मिन (0-12) ।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयवन (निरीक्षण)
अर्जन रज 2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

नामांकन : 6-5-1982
मांहूर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लाउर, सी. आर. विर्लिंग, इन्डप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस-आर-2/9-81/5692-अतः मुझे, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन भक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम-बमनीली, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदैध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त भम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री प्रेम चन्द्र, सुरत सिंह सुखबीर सिंह सुपुत्रगण श्री चरन सिंह, निवासी-ग्राम-बमनीली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चौपड़ा, सत्यपाल चौपड़ा सुपुत्र श्री यू. सी. चौपड़ा निवासी-ए-12, हैस लास, नई दिल्ली, और एस. के. चौपड़ा सुपुत्र श्री यू. सी. चौपड़ा निवासी-बी-4/50, सफदरजंग इन्कल्पिंग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

कृपि भूमि 2 बिंध और 10 बिंध बसरा नं. 339 मिन., ग्राम-बमनीली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

नरन्द्र सिंह
सदैप अधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः नम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-5-1982
गांहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, जी-13, श्रावन्द फ्लोर, मी आर बिल्डिंग,
इन्डिप्रार्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निर्देश म. आई.ए.सा./पंच. /2 पास-आर-2/9-
81/567।—उन्नेन्द्र मिह, नरनेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसपं इनके 11वां 'उन्नत प्रधिनियम' कहा याए है), की
धारा 269-घ (अर्थात् व्यापक अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-हस्तान, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपानदी अन्नसूची में पाणी स्पष्ट से वर्णि-
है), गोपनीय अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली म.
गोपनीय अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अंतर्ओं
तारीख मिराम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रनतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रनतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रारंभ से दुई किसी आय को बाबन, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रनतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख). ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहित के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 बिल्डिंग ग्राम-हस्तान, दिल्ली।

नरनेन्द्र मिह
संक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के. के. तनजा सुपुत्र श्री गनेश दाम तनजा,
निवासी-सी-3, कृष्ण पुर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री गम चन्द्र सुपुत्र श्री प्रीत राम, निवासी-ग्राम-
हस्तान, दिल्ली
(अन्तररीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर^{पर}
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधितरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रस्तुत आई. टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लार, सी. जार. फ्रिल्ड-ग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 5 मई 1982

निदर्श सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-2/9-81/
5684—अतः मूर्ख, नरनंद मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मक्कम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपया भूमि है तथा जो ग्राम-बसनौली, तह-
मील-महर्गंगीली, नई दिल्ली सं स्थित है (और इसमें उपावदध
अनुभूमि में पूर्ण स्पष्ट वर्णन है), रजिस्टरिंग अधिकारी के
नामालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर 1981

का पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्राक्कृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गथा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विकृत रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण सं है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा चाहा था, लिपाने में मूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपत्याग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री प्रेम चन्द्र, मुख्यमंत्री मिह सुपूत्र श्री चरत मिह ग्राम-
नयनौली, तहमील-महर्गंगीली, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष माहनी सुपूत्र श्री चन्द्र भान साहनी,
निवासी-एम-166 पंचशीला पार्क, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयोक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूसूची

कृपया भूमि 9 बिंघे और 12 विंघे, खसरा नं. 342, 343
(4-16), ग्राम-बसनौली, तहमील-महर्गंगीली, नई दिल्ली

नरनंद मिह
मक्कम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संघेयक आयकर आयवत (निरीक्षण)

अर्जन रँज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. बार. बिल्डिंग,
इन्डप्रेस्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.पी./एक्यू./2/एम-आर-2/9-
81/5672—अतः मृक्ष, नरनेंद्र मिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संधर्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृपि भूमि है तथा जो ग्राम हम्मतान नवादा
मजग, दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपबद्ध अन्मूली में
पूर्ण स्वतंत्रता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मिल्लदर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तर्गत की गई है और मृक्ष यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या उसके
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, शिकायत तो
सुनिधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण
में, मृक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री ओम प्रकाश संपूर्ण श्री राम चन्द्र, निवासी-शाम-
हमतगांव, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री विश्वेन गिल संपूर्ण श्री जागिंदर गिल,
निवासी-48/16/6 ग्राम-हमतगाल, दिल्ली

(अन्तर्गती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का परिभासित है,
वही आर्य होंगा जो उप अधिग्राम में दिया गया है।

अमृमूर्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 बिल्ड, ग्राम-हमतगाल नवादा मजग,
दिल्ली

दर्जन्दा निह

मृक्ष प्राधिकारी

संघेयक आय-कर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रँज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयकर (निगेक्षण)

अर्जन रँज-2, जी-13, श्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नहर्द दिल्ली

नहर्द दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्स. /2/एम-आर-2/9-
81/5632—अतः मुझे, नरेन्द्र मिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सम्भव भूमि है तथा जो ग्राम-मूँडका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदृध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नहर्द दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्स्विंग, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देव सुप्रति श्री मैरी, निवासी-ग्राम-मूँडका, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र मुमार सुप्रति श्री देवी राम, निवासी-ग्राम-मूँडका, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रगृहित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बिघे और 9 बिश्वे, ग्राम-मूँडका, दिल्ली

नरेन्द्र मिंह

स. प्र. अधिकारी

महायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रँज-2, दिल्ली, नहर्द दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लॉर, भी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रोप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/पस-आर-2/9-
81/5679—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम-नवादा गजग हस्तसाल,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री दलाल सिंह श्री जग माहेन सुप्रब्रग्न श्री भाग
मल, निवासी-ग्राम-नवादा, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री विजय गिंगल सुपुत्र सुरज भान, निवासी-मकान
नं. 15, रोड नं. 6, इस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट भूमि का क्षेत्रफल-1000, वर्ग गज, खसरा नं. 568
और 569, ग्राम-नवादा मजरा हस्तसाल, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—96GI|82

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रूप बाहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रेस्ट्री प्लॉट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू. /2/एस-आर-2/9-
81/5678--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मदन पुर, -बाबास,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्याम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्याम प्रतिफल से, ऐसे दूर्याम प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक
रूप से की थित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हह किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियः अर्थात् :--

1. श्री सुरजन सुपुत्र श्री राम कला, निवासी-ग्राम-ओर
पो. मदनपुर दबास, तहसील-महरौली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र विज पर्णी श्री धरम पाल, निवासी-उक्त्य-
ज्येष्ठ-4/17 मनोहर पार्क राम पूरा, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष्ठ
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

सम्झौते:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि का धोने 8 विधे, खसरा नं. 45/2, 9 ग्राम-
मदनपुर दबास, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी.आर.बिल्डिंग,
इन्डिप्रेस्ट एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5673—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 407 है तथा जो ग्राम साहिबाबाद, दौलतपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबृक्ष अनुसूची में पर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

1. श्री शिशु पाल सिंह सुपुत्र श्री मोहर सिंह (2) राम
कनवार, राम करन सुपुत्र श्री रघुवीर सिंह,
निवासी-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती हर देवी पत्नी एल. रोशन लाल, निवासी-
घी-7/1, राणा प्रताप नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यांप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितमयूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिक्षा
मया है।

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं की वाचते, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्लाट नं. 407, खसरा नं. 407 और 137 ग्राम-साहिबा-
बाद, दौलतपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्डप्रेस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निवेश सं. आई.ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5682—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मूडका, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबृक्ष अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1981

को प्रयोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तर्को) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नरेन्द्र सिंह

संक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

कृषि भूमि क्षेत्र-7 विश्व, ग्राम-मूडका, दिल्ली

तारीख : 5-5-1982

माहर :

1. श्री विश्वरुद्धीन एलीयस मौजी सुपुत्र श्री मरदवी,
निवासी—ग्राम-मूडका, दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री प्रेम चन्द्र जैन सुपुत्र विश्व दास जैन, निवासी—
जे-337, सदर थाना रोड, सदर बाजार, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रस्तुप प्राइवी टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्हेस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5680—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ४८मे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. कूपी भूमि है तथा जो ग्राम नवादा-मजरा
हस्तसाल, विल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फ़ैद्दह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रत्यक्षित उत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त प्रत्यक्षित लिखित में वास्तविक रूप से कथित
माही किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए आरुया

(ख) ऐसी किसी आय या बिसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वलेन सिंह और जगमाहेन सुपुत्रगण श्री भगवान
निवासी ग्राम-नवादा मजरा हस्तसाल, विल्ली
(अन्तरक)

2. श्री तरसेम चन्द्र सुपुत्र श्री बाबू राम, (2) विनोद
कुमार सुपुत्र श्री बाबूराम, निवासी-22-ए, नरा-
यणा, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
भागात होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट का क्षेत्र 500 वर्ग गज, खसरा नं. 568, ग्राम-नवादा
मजरा हस्तसाल, दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—-

प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निवैद्यों सं. आई० ए. सी./एक्य०/2/एस-आर-2/9-
81/5681—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खण्ड है तथा जो ग्राम-नवादा मजरा
हस्तासाल, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति हा उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलेल सिंह और जगमोहन सुपुत्रण श्री भगवत
निवासी ग्राम-नवादा मजरा हस्तासाल, दिल्ली
(अन्तरिती)

2. श्री रमेश चन्द्र सुपुत्र श्री धार्मी राम, निवासी-एन-
31, शिवाजी पार्क दिल्ली (2) कौशल्या देवी पत्नी
श्री सजन कुमार, निवासी-इ-240, नरमणा,
नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह मूल्यना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्तियों पर
मूल्यना की नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पेलिकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित है,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 600 वर्ग गज, घसरा नं. 569, ग्राम-नवादा
मजरा हस्तासाल, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
मकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रेस्थ एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदेश म. आर्द. ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-2/9-
81/8381—अतः मृमो, नारान्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म. 400 से 403, है तथा जो हैंदर कली,
चान्दनी छाँक, विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन-
भूची में पर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्य-
लय, नई दिल्ली में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूम्हे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता, महाबीर प्रसाद गुप्ता और
गोपाल नारायण गुप्ता सुपुत्रण - श्री एल. एल
कन्हैया लाल, निवासी-3618/1, फैज बाजार,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्दन बंदी पत्नी एल. किशन सिंह, 403
हैंदर कली, चान्दनी छाँक विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्व करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मन्त्री

प्रो. नं. 400 से 403, क्षेत्रफल-237 वर्गगज, हैंदर
हैंदर कली, चान्दनी छाँक, दिल्ली।

नारान्द्र सिंह

सहायक आयकर आयकर अधिकारी

अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति शाही० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, भाउड़ फ्लोर, सी. आर. ब्रिलिंग,
इन्डिप्रेस्ट्री प्लॉट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/8371—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,
और जिसकी सं. 513 से 519 है तथा जो वार्ड नं. 9, चुरी-
बालान, जामा मजिस्ट्रेट, दिल्ली में स्थित है और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के
दायित्व में छोड़ी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

बतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ठकरी बाई विधवा पत्नी श्री तेज भान
मलहोत्रा, खुशी राम सुपुत्र तेज भान मलहोत्रा,
निवासी-111-4063 न्यू सोनी नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अजब सुपुत्र माहमद उस्मान (2) अनुब
विधवा पत्नी श्री मोहम्मद वजीर निवासी-516 चूरी
बालान, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विव
र्ण गया है।

अनुसूची

प्रो. 6 सोप, 1 कोठी के साथ एक स्टेपरकेस और दो
बालखाना, एक सोप म्युनिसिपल नं. 513 से 519 वार्ड नं.
9, चुरीबालान, जामा मर्जीद, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982
मोहर :

प्रृष्ठा आर्द्ध. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. ब्रिलिंग, इन्डस्ट्रीज प्लाट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदेश म. आर्द्ध. ए. सी./एक्यू./2/प्र-आर-2/9-81/5424---अतः मूर्ख, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डब्ल्यू-जे-327ए नया-ए-148, है तथा जो अबादी हरीनगर, घटाघर, में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पञ्चह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाते में सुविधा के लिए;

1. श्री वेंग राज मान श्री माया धाम, निवासी 16/52 गुमांग नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी दर्शन मिंह, निवासी-मकान नं. डब्ल्यू-जे-327-ए(पुराना) ए-148(नया) हरी नगर, घटाघर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. डब्ल्यू-जे-327-ए(पुराना)/ए-128 (नया), प्लाट नं. 148 अबादी हरी नगर, घटाघर, खरारा नं. 2033, एरीया ग्राम-तिहार, नई दिल्ली एरीया-110 वर्गजग्गा।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982

माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसंरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
11-96GI/82

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस.:-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काव्यनियम, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोड़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5459—अतः सुभै, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभीन प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. डब्ल्यू-जे-22, है तथा जो हरी नगर, नई
दिल्ली-64 में स्थित है (और इससे उपावर्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए
तथा पांच ग्राम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री दलीप सिंह सुपूर्ण श्री हरी सिंह बी-ई-8, हरी
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. विहारी लाल कालरा भुपुन श्री लाल अन्द कालरा,
निवासी-डब्ल्यू-जे-22, हरी नगर, नई दिल्ली-
64।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में भी ही आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तद्देश्वरत्वी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी मकान, म्यूनिसीपल नं. डब्ल्यू.-जे-22, हरी
नगर, नई दिल्ली ग्राम-तिहार, दिल्ली, भूमि का क्षेत्रफल-150
वर्गगज, नई दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सभीन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोड़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1982

मोहर :

प्रह्लप आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इंडस्ट्रीश एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई० ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5724—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. वि-बी/19 है तथा जो वरिन्दर नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूध अनुसूची में पर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रदीन कर देने के अन्तरक के वायिष में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावें प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, बब, उक्त अधिनियम, धारा की 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवति :—

1. श्रीमती दया वन्ती कांशी राम, अरजन दास प्रेम-
सागर, आम प्रकाश, पृथ्वी राज सुपुत्रगण श्री कांशी-
राम, निवासी-वि-बी/19, वरिन्दर नगर नहीं
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कृशन लाल सुपुत्र श्री लाला पुनु राम महाजन,
विष्णु कुमार पत्नी श्री कृशन लाल, विंके और
राजन (माइनर) सुपुत्र ओ कृशन लाल, निवासी-
मै. कृशन आइरन स्टोर, ऑलड मेवा मंडी, अमृतसर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. वि-बी/19, माप-200 वर्गिङ, वरिन्दर नगर,
नई दिल्ली एरीया ग्राम-पिहार, दिल्ली निवासी मंजील-1200
वर्गफीट प्रथम मंजील-400 वर्ग फीट का एरीया।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. विल्डिंग,
इन्ड्रास्थ एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निदेश म. आई. ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-2/9-
81/5697—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकारा अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म. सी.-81 है तथा जो न्यू मुलतान नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मितम्बर-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिगत की गई है और मझे यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिगती (अंतरिगतियों) ते बीच एंमें अन्तरण के लिए तद पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कार्यत नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री करम सिंह सुपुत्र श्री कोहर सिंह, निवासी-सी-81, न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री सरवन सिंह सुपुत्र एस. ज्ञान सिंह निवासी-डल्ल्यू-जेड-35, मनोहर पार्क दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरदा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभ्रषित
है, वे अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न. सी-81, माप-200 दर्गाज, सिंगल स्टोरी, न्यू
मुलतान नगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
संस्कृत प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-1982

गोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्राजल्ह प्रस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आई. ए. सी./एस्यू./2/एस-आर-2/9-
81/6498—अतः मुझे, नरन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जे-5/162 है तथा जो राजांनी गाड़ेन, ग्राम-
ततारपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावदध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल
पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सद्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं है क्या गया है :—

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कटु बने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री मोहन लाल सुप्रभ श्री मंसी राम इनारा अटानी,
श्रीमती दर्शन देवी निवासी-जे5/162, राजारी
गाड़ेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मदन लाल सुप्रभ श्री चानन राम, निवासी-जे-5/
162, राजारी गाड़ेन नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. जे-5/162, माप-158/10 वर्गगज, स्थापित-
राजारी गाड़ेन, एरीया ग्राम-ततारपुर, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह
मन्त्री प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-1982

गोप्ता :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निधेंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/6474—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए-3 है तथा जो शंकर गाडेन ग्राम पोशांगीपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चारेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री शूनि लाल बोबराय, और सिला बती आशराय,
द्वारा अटानी श्री रविन्द्र कमार निवासी-
820 जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रकाश पाहुजा और श्रीमती गीता अरोरा,
निवासी-बी-79 नरायण विहार, दिल्ली, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. ए-3, माण-533.1/3, वर्गग्र, शंकर गाडेन,
एरीया, ग्राम-पोशांगीपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-1982
माहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेद्य सं. आई. ए. सी./एक्यू. /2/एम-आर-2/9-
81/5716—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और रजिसकी संस्था प्लाट नं. 26 है तथा जो शिवाजी पार्क एरीया
ग्राम-मादीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदृथ अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के विवरण में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हंस राज सुप्रति श्री हरी चन्द, निवासी-3/62,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रवि चन्द अबराम सुप्रति श्री पी. सी. अबराम
निवासी-75-वेस्ट एवन्यु रोड, पंजाबी बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाऊँ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हुत-
बवधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का माप-250 बर्गज, प्लाट नं. एन-26, शिवाजी
पार्क, एरीया ग्राम-मादीपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-1982
माहर :

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, मी. आर. विट्टिङ्ग,
स्ट्रेस्ट्रीट एस्टेट, नहूं दिल्ली।

नहूं दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निदर्शन मं. आहू. ए. सी./एक्स्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5699—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. ए-एल-/5, है तथा जो एल-ब्लॉक-हरी नगर,
नहूं दिल्ली, ग्राम-तिहार, में स्थित है (और इसमें उपावदध
अनुसन्धान में पूर्ण रूप से दर्शाया गया है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के
कार्यालय, नहूं विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर-1981
को प्रयोक्ता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्ता संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हूं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने गे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जय पात्र सिंह सुप्रिय श्री धनेश गिंह, जशोक
कुमार सुप्रिय श्री बलबोर सिंह एशोप्ट ड मुप्रिय श्री
हरधेयान मिंह, निवासी-ग्राम ग्रमिना, पो. पिथर-
दस, रंवारी, हरियाणा।

(अन्तरक)

2. श्री किरणल सिंह चौधरी, स्वर्ण कुमार चौधरी
सुप्रिय श्री नाथा सिंह चौधरी निवासी-ग्राम-एल-100,
एल-ब्लॉक-हरी नगर, नहूं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रयोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याधीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रयोक्ता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं. ए-एल-5, माप-800 वर्ग गज, खसरा नं.
847, 848 एल-ब्लॉक, हरी नगर, नहूं दिल्ली, एरीया ग्राम-
तिहार, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नहूं दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, जो-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग,
इन्डिपेंस एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
6529—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. जे-5/143, है तथा जो राजोरी गढ़वें,
एरीया ग्राम-तातारपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान-
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्त्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख तितम्बर-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नहुँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरदौ) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्राप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में आसाधिक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
सूचिभा के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—
11—96GI|82

1. श्री सुख दयाल मलिक, सुरज भान और जगदीश चन्द
मलिक सुपूत्र श्री दर्शन राम, निवासी जे-5/143,
राजोरी गाड़वें नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री गुरुचरन सिंह सुपूत्र एस. सिंह, निवासी-ए-43
विशाल इनकलेव, देवकी नन्दन सुपूत्र श्री केदार
नाथ, निवासी-ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. जे-5/143, राजोरी गाड़वें, नई दिल्ली,
भूमि का माप-160 वर्गगज, एरीया ग्राम-तातारपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
8439—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 51 से 53, है तथा जो कुचा सूला नन्द, चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादवुध अन्सूची में पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकार्ड अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्पत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने पर सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सलग राम सुपुत्र श्री अमोलक राम, कामारी सुरन्वर संनी सुपुत्र श्री अमोलक राम, निवासी-69 एफ, भगत सिंह मॉर्केट, नई दिल्ली स्वयं और जी-ए-बालक राम और्धरी, रिया राम और्धरी हरी राम, रामेश, सुरेश, सुपत्रगण श्री अमोलक राम, श्रीमती नरनेन्द्र घोटा पत्नी श्री अवतार सिंह, निवासी-58/2 टुक रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी और्धरी सुपुत्री श्री एच.एस. और्धरी, निवासी-एच-66, अक्षोक विहार, फेस-1, दिल्ली।

(अन्तरिती)

मो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्री होल्ड 4 दुकानें और जीना निष्ठली मंजील के साथ बाल 2 खाना, 2 मंजीला एक वरसाती और उपर की भूमि का माप 60 वर्ग गज, प्रा. नं. 51 से 53, कुचा सूला नन्द, चान्दनी चौक, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
माहूर :

प्रधान भारतीय टी. एम्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेदित सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
8435—अल: मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 75, ब्लॉक एवं है तथा जो राजोरी गाड़ीने,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन आद दोने के अन्तरुक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

१. श्री एस. पी. सोसला सूप्रब्र श्री कृशन सोसला निवासी
एल/19, राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

२. श्री जसविन्दर सिंह सूप्रब्र श्री प्रीतम सिंह, और
प्रीतम सिंह सूप्रब्र श्री तरलाक सिंह धर्मिजा, निवासी-
जे/71, राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहो द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हस्ताक्षरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बहुध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा और उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 75, ब्लॉक 'ए' माप-355.3 वर्ग गज, राजोरी
गाड़ीन, एरीया ग्राम-वसई धारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रास्थ एस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
8414—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 21 है तथा जो केवल पार्क कालोनी,
एरीया-ग्राम-आजावपुर, विल्ली में स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने भौं सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा भौं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरायण दास गुप्ता सुपुत्र श्री मनक अनन्द, निवासी
ए-12, केवल पार्क, आजावपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गम प्यारी दांवी पत्नी प्रकाश अनन्द निवासी-
10/20, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं. 21, माप-200 वर्ग गज, खसरा नं. 23, केवल
पार्क कालोनी, एरीया ग्राम-आजावपुर, विल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982

माहूर :

प्रख्युप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रेस्ट्रील प्लॉट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवारेश सं. आई.ए. मी./एक्यू.2/एम-आर-2/9-81/
8354--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

विवर जिसकी संख्या 2919(2917), है तथा जो पंजाबी बाग,
अबादी पंजाबी बाग क्लास-डी, में स्थित है (और इससे उपावदध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वीर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख सितम्बर-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि इथापूर्वक संघित का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
धारा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण द्वे हाई कोर्ट की आयकर अधीन उक्त अधि-
नियम के अधीन क्षम इन्हें के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आड़/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तु:—

1. श्री चान्दी भान गर्ग, सीरी पाल गर्ग, सूपुत्र श्री मैनी
राम, निवासी-15/26, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री रमेशदरदाल गर्ग सूपुत्र श्री राम कारम दास गर्ग,
श्रीमती मेघा देवी; पत्नी श्री रामेश्वर दास, 2919
(2917) पंजाबी बाग, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के इर्जन के लिए
कार्यदातियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में छोड़ भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बकूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मान्यता

प्रो. नं. 2919(2917), अबादी पंजाबी बाग, नई दिल्ली
क्लास-डी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982

माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी.आर.बिल्डिंग,
 इन्डस्ट्रीज एस्टेट, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, विहार 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
 9370—अतः मुझे, नरनंद सिंह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है।

और जियाको स्वया 1882-24, है तथा जो चान्दनी चौक,
 दिल्ली में स्थिर है (और इससे उपावध अनुसूची में पूर्ण रूप से
 वर्णित है), राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितियों) के दीर्घ एंसे अंतरण के लिए तथ पाया गया
 कल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में धार्सिक
 रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसकी काय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में करने या उससे बचने में सूविधा
 के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देखारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सूविधा वैलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश सिंह सुपुत्र एस. गोरखन दास, निवासी-
 एस-164, स्कूल ब्लॉक, गुरगा मंदिर मार्ग, शंकर
 पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार जैन सुपुत्र श्री राज कुमार जैन,
 निवासी री-11, ग्रीन पार्क मेन, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

नमूसूची

प्रो. नं. 1822-24, चान्दनी चौक दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रोड 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982

माहूर :

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, बी-13, गाउन्ड पलावर, सी. आर. चिर्लिंग,
इन्डियन प्रस्तुप् एस्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवैशा सं. बाई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
8352-ए—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बशबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सम्पत्ति 15/1, है तथा जो नजफगढ़ रोड, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर-8।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः धब्ब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री प्रसोद साहनी सुप्रत स्वर्गीय डा. सोहन लाल
साहनी, निवासी-196, न्यू कालानी, गुडगांव,
हरियाणा।

(अन्तरक)
2. श्री एस. बलदन्त सिंह सुप्रत एस. बुटा सिंह निवासी
52/73, परभात रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंदोलनः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वय
किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बना हुआ प्रो. नं. 15/1, स्थापित-नजफगढ़ रोड, दिल्ली
भूमि का माप-584 वर्ग गज, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982

मोहुड़ :

प्रसूत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुदूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2; जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्हृप्रस्थ स्टेट, नहर्व दिल्ली

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
8377—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या ए-56, है तथा जो केवल पार्क एक्स. ग्राम-
आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, नहर्व
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
का 16) के अधीन, तारीख सितंबर-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूष
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में गमी करने या उससे बचने में सुधिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या फिया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस. के. मलिक सुपुत्र श्री जं. डी. मलिक,
निवासी-35/5, शक्ति नगर, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री जे. डी. मलिक सुपुत्र श्री करम चन्द मलिक
निवासी-33/5 शक्ति नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावशुभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के धन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धन्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं. ए-56, एरीया 260 वर्ग गज, स्थापित-केषल
पार्क एक्स. बमरा नं. 63, ग्राम-आजादपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 2, दिल्ली, नहर्व दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मार्गदर्शक

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस., -----

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री जगवीश अन्दर, निवासी 177 (न्यू नं. 4/87), निरकारी कालोनी, ग्राम-धीरगढ़. दिल्ली।

बाष्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

मारा 269-ए (1) के बीच संख्या

भारत सरकार

कार्यनिंग सहायक आयकर आयदत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नहूँ दिल्ली

नहर दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्ह. प. सी./पत्रू. 2/एम-आर-1/9-81/
 8350—अतः मुश्तक, दरबार गिंह,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-से के अधीन दक्षम प्रार्थकारी को, यह विश्वास दरबारे द्वा
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी गंद्या 177 (प्र. दं.-4/87), है तथा जो निर-
 कारी कालोनी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादवध अट-
 मूची में पूर्ण रूप से अधिक है), रजिस्ट्री-रत्ता अधिकारी के
 कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 अ. 16) के अधीन, तारीख विश्वास 1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की उठ लै और भभे यह विश्वास
 करने द्वा द्वारण है कि यह अद्योत्तीव भास्तित का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
 (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रसि-
 फल विस्तृत अन्तरिक्ष अद्योत्तीव में उक्त अन्तरण निर्मित गा प्रस्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

२. मेर्कल्याण दंडिग कारगोरेश्वन, १८१२, अनार
काठी, मलका गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(अन्तर्रिती)

(अन्तर्राष्ट्रीय)

करे यह सूचना जारी करके प्रावेश सम्पर्क के बजेन के लिए कार्डवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सामाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में हित-वद्य एवं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीक रणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अस्तरण से हाई किसी वाय की बाबत, उक्त लिखितनाम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवन्त में संविधा के लिए; और/या

अमरसंघी

(क) पांचवीं लिपि आण या किंवरी द्वन या अन्य शास्त्रज्ञांनी को जिन्हे भारतीय अग्न-कर्त्र अधिनियम, 1922 (1922 व्हा 11) या उच्च अधिनियम, या भ्रमकर झाईनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गतीले इवारा प्रकट नहीं किया गया था किंवा जाता शास्त्रिणी था, छिपावे में प्रतिधा के लिए;

म्प्रैसीपल नं. 177 (न्यु नं. 4/87), निरंकागी कालोनी,
ग्राम-धीरपुर, दिल्ली, भूमि का माप-139 वर्ग गज।

नरनेन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकारी

अतः अब ज्ञानियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जकत ग्रन्थियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-4-1982
माहूर :

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश नं. आहू. पी./एन्यू 2/एस-आर-1/981/
8422—अन्तर्भूत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 14/83, है तथा जो पंजाबी बाग, ग्राम-बसर्द-
दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप में दर्जित है), राजस्त्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्सन्ह-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार संख्या से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती लगाए रखा गया है, किया गया
था या किया जाता जाना चाहिए। इसके दो
संविधान के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री आमा ग्राम, निवामी-
1635 गली नं. 33, नईबाला-करोल बाग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीलोक नाथ गम्भीर सुपुत्र श्री काका ग्राम, निवामी
23-वेस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से
विद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्डों का जां उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि का एक खण्ड का क्षेत्रफल-633.33 वर्ग गज, यानी-
529.53 वर्ग मि. प्लाट नं. 14, रोड नं. 85, पंजाबीबाग,
ग्राम-बसर्ददारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मांहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजन्त रोड 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/9-81/
8352—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-1/5, है तथा जो ग्राम-महलदार गाड़ौन,
अबादी राणाडाहाप बाग, में स्थित है (और इसमें उपान्देश अन्तर्भूती में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्रवद्वय-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ऊंचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह निश्चाप
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल पर, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य रो उक्त अन्तरण
लिखित में वाम्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हैर्ड इंकसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए; और/या

(क्ष) एसी इंकसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधार्य (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री गौरी शंकर, निवासी-
नं. 2657 जस्ती पंजाबी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनिता जैन पत्नी श्री परदीप कुमार जैन
और श्री पवन कुमार जैन सुपुत्र श्री ए. सी. जैन
निवासी-नं. 587 सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अद्वितीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्रो. नं. डी-1/5 (1/2 भाग) एरीया 148 वर्ग गज, दो
रुम के माथ स्थापित-ग्राम-सघोरा कलां, महलदार गाड़ौन,
अबादी राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अजन्त रोड 2, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एव्हू. 2/एम-आर-2/9-81/
8427—अतः भूर्ण, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय समिति, जिनका उत्तराधार में
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ-100, है तथा जो बाली नगर, प्राम-
बसहदारापुर, में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची म-
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेकरण आधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नियमावधार-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम 5. दशमल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दशमल अनुकूल है, ऐसे दशमल 5.10 का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
आधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आधिनियमों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तिगति द्वारा प्रकल्प नहुं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिन्नमें से सुनिश्चि-
क के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री हंजुरा सिंह प्राधिकारी सह सप्तश्वारी श्री गुरदेवी
सिंह द्वारा अटानी थी ज्ञान चन्द निवासी-7/124,
रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर कुमार खराना, सप्तश्वारी श्री ज्ञान चन्द
निवासी-7/123-124, रमेश नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विरभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रा. नं. एफ-100, माप 200 वर्ग गज, बाली नगर,
प्रयोग-बसहदारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मांहूरः :

प्रस्तुति दी ० प्रम ० प्रध ०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/प्रस-आर-1 9-81/
8345—अतः मुझे, नरेन्द्र मिहं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
में प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, परं विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

ओर जिसकी संखा 13/4314 से 4317, है तथा जो गली
बाहुजी बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (यह इसमें उप-
बद्ध अनुसूची में धूर्ण रूप से किया गया है), राजस्वी-दारा अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्वाकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, धारा ८ गियर-४-१।

वह घूमांदा संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में दर्शाते हुए इसमें
प्रतिफल के लिये अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि वायापूर्वीत समाचार का उचित वाजार मूल्य, उसके
शेषमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल ६.५% पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
त्रिफल गिमतनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
धौर/ग्रा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंशिकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था किंतु जाना चाहिए था, छिपाने में नुक्तियों
के लिए;

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भू-उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री मनाहर लाल सुपुत्र श्री लाला प्रभु दयाल, नियासी
4312-4313, गली बहुजी, पहारी धीरज, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सार्विनी दवी पत्नी हर सिंह निवासी-4241
गली बहुजी, पहारीधीरज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45
विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिंगस्त मांडिया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रा. नं. 13/4314 से 4317 और 3011, गली बहुजी,
बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली।

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्रस्तुप प्राईटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश मं. आर्थ. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/9-81/
8428—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. गं प्राधिक है

और जिसकी संख्या 82, है तथा जो इस्ट एवन्यु रोड, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (आंग इम्पे उपावद्यप अन्मग्नी भं-
पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्र-४-८१

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान
प्रतिनिलिमित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त नियम निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
वन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः प्रध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की लप्पारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्दर कुमार सुपुत्र स्वर्गीय श्री हकिम दीवान
चन्द, निवासी-82 इस्ट एवन्यु रोड, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जुगल निशांत सुपुत्र श्री गम प्रकाश, निवासी-
82-इस्ट एवन्यु रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयकारीभूता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि तक तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दण्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

1/3 अविभाजी हिस्से प्रो. नं. प्लाट नं. 82, इस्ट एवन्यु
रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली भूमि का माप-280 वर्गगज,
एरीया-ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नंदा दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आई.ए.गी./एक्स. 2/एम-आर-1/७-८१/
8424—अतः मंडे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उद्धत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विषयात कानूने द्वारा
कारण है कि स्थावर समाप्ति, जिसका निवास वाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5002, लाई नं. 3, है तथा जो लाल गली,
कल्चा रहमान, चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (जो इसमें
उपाबद्ध अन्तर्गत है एवं एसे रूप में लिखित है), राजस्वाली अधिकारी के कार्यालय, नंदा दिल्ली में ५३०२ लाल गली अधिनियम,
1908 (1908 वा 10) के अधीन, लाल गली लिखित-५१
को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दबाव मान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की है और मध्ये इह विश्वास
द्वारा द्वारा कारण है कि इसपर्वतीन्दि वायरल लैंग्चन वाजार
मूल्य, उसके दबावमान तीव्रताद ले, एसे दबावमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में
वास्तविक रूप से कथित किया गया है।

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे छोड़ने में सविधा
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आमिस्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दिवाना एकान्त रूपों किया गया
था या किया जाना चाहिए था, हिसाब में सविधा
के सिए;

1. श्रीमती सहदा लालमा पत्नी अमिनुलहाक, निवासी-
809 कटरा हिन्दू फराम साना, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती ममला वाना पत्नी अहमद अली खान,
निवासी-5002 कल्चा रहमान, चान्दनी चौक,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रप्तानीक रूप:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममला

प्रो नं. 5002 वार्ड नं. 6, माप-100 वर्ग गज, लाल
गली, कल्चा रहमान, चान्दनी चौक, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नंदा दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, वानमण्ड
में, भू, जल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश मं. आई. ए. सी./एक्स्ट्र. 2/एस-आर-1/9-81-
8421—अतः मुझे, नरन्द्र मिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी संख्या 82, है तथा जो इस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्याय अनुसूची में
पूर्ण रूप में दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर-81

को घोषक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में दास्ताविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे दृष्टने में सुविभाव के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 3-त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट दर्ती किया गया
का या किया जाना चाहिए, या, इसमें में अनियम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, ए. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की व्यधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृशन गोपाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री हृषीकेश दोबान
चन्द्र, निवासी-82-इस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगल किशोर सुपुत्र श्री राम प्रदान निवासी-82
इस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि तथा तत्परान्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताक्षरी के
पाय निश्चित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

1 '3 अविभाजीत हिस्से प्रो. नं. 82, इस्ट एवन्यू रोड,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली, रुम का माप-280 वर्ग गज, (1/3
हिस्से 93.33 वर्ग गज)।

नरन्द्र मिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयन्त्र (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82

सोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विकास 29 अप्रैल 1982

निदर्श सं. आई० ए. मी./एक्य० 2/एस-आर-1/9-81/
8413—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ने
अधिक है।

और इसकी संख्या प्लाट नं.-1 है, तथा जो केवल पार्क आजाद-
पर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्म
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से छोड़त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में इई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
त्रुट्य के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

14—96 GI/82

1. श्री शिव कुमार कथूरीया सुपूत्र श्री गूरन दिता राम,
निवासी-664, भावू परमा नन्द कालोनी, किरजीवी
कैम्प, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द गोनल सुपूत्र श्री जय लाला, निवासी
मकान नं. 288 भागकारे सान, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टायपेटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1, भूमि का माप-177 वर्गगज, केवल पार्क
आजादपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भाग
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाएक आयकर आयत्क (निरीक्षण)

अर्जन रँज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्ह. ए. भी./एक्यू. 2 एम-आर-2/9-81/
8429—अतः मुझे, नरन्द्र सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसको संख्या 13, ब्लौक नं. ए/3, है तथा जो सत्यवती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उषावद्ध अन्मूल्यी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का एन्ड्रेड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिल (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिन तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में व मी करने या उनसे उबने में वृत्तिया के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय यायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 ए 11) का उक्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने से मुक्तिया के लिए;

प्लाट नं. 13, ब्लौक-नं. ए/3, माप-150 वर्ग गज, सत्यवती नगर, एरीया आम-सचिवारा कलां, लसरा नं. 86, 88, 89, 92 से 99 और 101 से 106, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महाएक आयकर आयत्क (निरीक्षण)
अर्जन रँज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुयाय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-4-82
मोहर :

प्रैरुप बाई.टी.एन.एस.-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू. 2/एम-आर-2/9-81.

8405—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 242, है तथा जो ग्राम आजादपुर, अदादी
के बल पाक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उक्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिमात्र से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
अथवा अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरक से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के
प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
तोर/या;

(b) ऐसी किसी भाय या किसी उन या अन्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शाम लाल बंसल मुप्त श्री राम दिता भल बंसल,
नियासी-242-केबल पाक, दिल्ली-33।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बाला गुप्ता पत्नी श्री राम बाबू गुप्ता, (2)
श्री दिव्य कुमार गुप्ता मुप्त स्वर्गीय श्री विरबल
दाम गुप्ता नियासी-एफ-10/6, माडल टाउन,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधीक्षता की ताकि
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा. नं. 242, खसगा नं. 25, 26, स्थापित ग्राम आजाद
पुर., अदादी केबल पाक, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/9-81/
8400—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारीको यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 28-ए, ब्लौक 'ए' है तथा जो राजोरी गाड़ौने, एरीया ग्राम-बसइदारापुर-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का अनुहृत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने हुई किसी भाय की बाबत आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती इन्द्र रानी टन्डन पत्नी श्री चूनी लाल टन्डन, निवासी-1/28ए, राजोरी गाड़ौन, नई दिल्ली, इवारा उनके अटानी श्री दवेश चन्द्र टन्डन।
(अन्तरक)

2. मै. प्लाइटरड पैलेस, ए-2, रिंग रोड मार्केट, आर. गाड़ौन, नई दिल्ली, इवारा पार्टनर श्री हरवंश लाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाप्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोद्द्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रा. नं. 28-ए ब्लौक-ए, एरीया 201-66 वर्ग गज राजोरी गाड़ौन, ग्राम-बसइदारापुर, दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 29 अप्रैल 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/9-81/
8395—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या जे/82, है तथा जो राजोरी गाड़ीन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिशन सिंह सुपुत्र श्री नीहाल सिंह, निवासी-
डी-31, राजोरी गाड़ीन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भागवन्ती चावला सुपुत्री स्वर्गीय श्री नेब राज
और पत्नी स्वर्गीय श्री गोवर्धन लाल चावला, (2)
मास्टर इन्द्रीव चावला (माइनर) और (3) मास्टर अनु-
राम चावला (माइनर) सुपुत्र श्री लंगराती लाल चावला,
अभिभावक, निवासी-ए-7 विशाल इनकलेव, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त जाती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

2-1/2 मंजीली बिल्डिंग नं. जे/82, राजोरी गाड़ीन, नई
दिल्ली भूमि का माप - 274.6/10 वर्ग गज, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निदेश मं. आई.ए.सी./एक्यू. 2/एम-आर-1/9-81/
8444ए—अत. मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सम्भा 2/2 है तथा जो पूर्वी पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबृक्ष अनुसूची में पूर्ण रूप
में विवित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मित्रवद्र-8।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्येक अंतरित से अधिक है और अंतरक (अंतर्क्रम) और अंतरिती
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उददेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(ल.) अन्तरण में हाई कोर्टी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण कुमार कपूर, मेजर मदन मोहन कपूर,
और श्री हन्तर मोहन कपूर सुपुत्रगण स्वर्गीय श्री
आत्मा राम कपूर, निवासी-2/2 पूर्वी पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लाजपत राय अग्रवाल कुलभूषण अग्रवाल और श्री
भारत कुमार अग्रवाल सुपुत्रगण स्वर्गीय श्री लम्भ राम
अग्रवाल - 2/2 पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुक्रिया:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 2/2 पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82
मोहर :

प्रकल्प ग्राही ० टी० एन० प०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एम-आर-1/9-81/
8381—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या जी-3/79 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गगा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण निवित में नास्तिक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ये सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रोतिमा घाटक पत्नी श्री दिलीप कुमार घटक,
मुख्यमंत्री स्वरीय प्रमदा चरन राय निवासी - सी-2/
12, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार जैन मुख्यमंत्री श्री शारी नाल जैन,
निवासी - के.डी -78-बी, अशोक विहार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रनाली में लोड पा भावे : —

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नवांवशी अविनियो पर सूचना भा
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवाध बाद म
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों यौर पदा जा, जो उक्त अधिनियम के अठारा 20 F में वरिभावित हैं
वही अर्थ होगा जो उर पदा वे दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से प्रो. नं. जी-3/79, माडल टाउन दिल्ली, क्षेत्र-
फल-140 वर्ग गज, ग्राम-मलीकपुर, लालनी, दिल्ली राज्य
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-4-82
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-1/9-81/
8415—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 140, ब्लौक 'डी' है तथा जो मानसरोवर
गाड़ैन, एरीया ग्राम-बस्हदारापूर-दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बाष्पत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मंजर दर्शन सिंह साहनी संपुत्र एस. जमवन्त मिहं
साहनी निवासी-जे-6/19 गजोगी गाड़ैन, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जे. के. थापर और श्री एन. के. थापर संपुत्र
श्री एन. डी. थापर निवासी-34/2, ईस्ट पटेल
नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 140, ब्लौक नं. डी, एरीया 220 वर्ग गज,
मानसरोवर गाड़ैन, नई दिल्ली, एरीया ग्राम-बस्हदारापूर,
दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
माहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निवैशा सं. आई० ए. सी./एक्य०/2/एस-आर-1/9-81/
8393—अतः मुझे, नरेन्द्र मिहं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्या जी-3/50, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में पूर्व स्पष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्ह से
कम के दूरपाल गतिशील के लिए अन्तरित की
गई है और मूल्य वह विष्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अन्तरित मूल्य, उसके दूरपाल
प्रतिफल, से ऐसे दूरपाल प्रतिकल का परदल प्रतिशत अधिक है
और अन्तरित (दूरपाल) अन्य अन्यरुपी (अन्तरितियों)
के दूरपाल अन्यरुपी दूरपाल दूरपाल दूरपाल
निम्नलिखित उद्दीपन उठाने के अन्तरण लिखित रूप से वास्तविक
रूप में अधिकतम रूप से विद्या गया है:—

(क) अन्तरित से हुई किसी आय की वापत, उसका
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दागिल में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा है जिसे आयकर अधिकारी

(ख) एसी किसी आय या विसी छता या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1952
(1952 का 11) या उसका प्रशिक्षियत, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या
प्रदीपजनायक अन्तरिती द्वारा प्रकट वही किया
गया या या लिया जाना वालिए था छिपाने में
सुविधा है जिसे

1. श्रीमती राज करनी पत्नी स्वर्गीय श्री मंहेन चन्द्र,
निवासी-जी-3/50, माडल टाउन, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री मंहेन चन्द्र शर्मा सुपुत्र श्री राम चन्द्र शर्मा,
निवासी-ग्राम-आरे पाँ. सितावली, जिला-सोनी-
पत, हरियाणा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तापीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

दण्डोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया
गया है।

अन्यसूची

मकान नं. जी-3/50, एरीया 140 वर्ग गज, माडल टाउन,
दिल्ली वो रूम का तल मंजीला, (सिंगल स्टोरी)

नरेन्द्र सिंह
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 2, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./पद्ध्यु./2/एस-आर-1/9-81/

8433—अतः मृझे, तरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ-39, है तथा जो मानसरोवर गाड़ैन,
ग्राम-बसहारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसंधी में पूर्व स्वप्न से विर्णित है), राजस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्तीदर 1981

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

1. श्री गुरदीप सिंह मुपुत्र श्री मुबारक सिंह-निवासी-
67-सेक्ट. 15-ए, चन्डीगढ़, वर्तमान निवासी
स्थान-एच-109 शिवाजी पार्क, दिल्ली,

(अन्तरक)

2. श्री हरबंस लाल सुपुत्र श्री अर्जन दास, निदासी-एफ-
39, मानसरोवर गाड़ैन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूष्ठ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिका
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने से
सूचिका के लिए;

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख : 29-4-1982
माहेन :

प्रस्तुप् आर्द्ध.टी.एन..एस. -----

1. श्री जीवन लाल संठो सुपुत्र श्री मदन गोपाल निवासी-
ए-2/16, एरीया गंज, दिल्ली
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निदर्श सं. आर्द्ध. ए. सी.एस./2/एस-आर-1/9-81/
8443ए—अन: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 141, है तथा जो गंवानाला बाजार काशमीरी
गंट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादान अनुमती में पूर्व
रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी को कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

मकान नं. 141 गंवानाला बाजार, काशमीरी गंट, दिल्ली
एरीया 101 वर्ग गज,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

तारीख : 29-4-1982
माहर :

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 2, दिल्ली, नई दिल्ली

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप प्राई ० टी० ए०८० ए०८०

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा
269-ब (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश स. बाई. ए. सी./एक्यू. /2/एस-आर-1/9-81/
8351—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), को क्षेत्र 269-ब
के अंदों संस्कृत प्राधिकारी को, यह विशेष करने का कारण
है कि स्थानीय सम्बालि, जिसका उचित बाजार मूल्य २३,०६०/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या डी-1/5, ग्राम संधोग कला,
महलदार गाउड़ैन, आवादी राणगताप बाग-दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसंधी में पूर्व रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1981-

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उद्दित बाजार मूल्य से कम के ५०% मत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई। और इसे यह विवाद
करने का कारण है कि यहाँ पूर्वोत्तम सम्पत्ति का अंकुर बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐन दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भल्लर (अन्तरित); और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर नहीं हैं। यह
गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अंतर्गत है इसे उपर्युक्त के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आरितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गं
पत्यकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपराना (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्रीमति सावित्री देवी पत्नी श्री तुलसी राम गुप्ता
निवासी-2657 बस्ती पंजाबीयन, एस/मंडी, दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्रीमती शालीन जैन पत्नी श्री पी. के. जैन,
निवासी-587 सदर बाजार, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेषः—

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि तक उक्त अन्तरिती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख ये छपाये जी अवधि, जो भी
अवधि बाइंद समाप्त होती है, के भावतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अंतर उक्त स्थानीय सम्बालि में हत्या
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भौतिकारी के पास सिवित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनूसूची

प्रौ. नं. डी-1/5, एरोपा 148 वर्ग गज, (भूमि का 1/2
भाग) ग्राम-संधोग कला, महलदार गाउड़ैन, आवादी राणा प्रताप
बाग, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सहम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई० ८० ए० ५६० प्र० १०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

बर्जन रोड 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/9-81/
8409—अर्त: मुर्का, नरेन्द्र पाटौ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मंख्या जी-3/79, है तथा यों भाड़ल टाउन, ग्राम-मतिकपुर, छावनी, दिल्ली से स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के काथोलय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूषयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूषयमान प्रतिफल से, ऐसे प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया का पन्द्रह अंतिशत अधिक है और अन्तर (प्रन्तरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कभी या उसमें बचत में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री रघुनाथ कवर्ती पत्नी चन्द्रा कुमार कवर्ती और सुपुत्री स्वर्गीय श्री प्रभावाचरन राय, निवासी जी-2/12, भाड़ल टाउन, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार जैन सुपुत्र श्री शोरी नाल जैन, निवासी-के-बी/78-बी, अशोक विहार, फेस-1, दिल्ली
(अन्तरित)

को यह सूचना जानी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहन्धि अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा अधीक्षित करने के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें ब्राह्मक शब्दों पर्वती रा, जो उक्त अधिनियम के प्रभ्याप 20(1) में वरिभादित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से प्रो. नं. जी-3/79, भूमि का माप-140 वर्ग अर्ज, भाड़ल टाउन, विल्ली, परिया ग्राम-मतिकपुर छावनी, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 29-4-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निम्नोंसे सं. आई.ए.सी.ए.क्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5668—अतः मूर्ख, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि है सथा जो ग्राम-होलम्बी कलां,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाजदाध अनुसूची में पूर्व रूप
से घटी है), राजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रार्थक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरित
(अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृण्ड था, छिनाने में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विधं ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बहुम दत सुपुत्र श्री रतन लाल, निवासी-ग्राम
होलम्बी कलां, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जशिर सिंह सुपुत्र श्री मंधा राम, निवासी-169-
ए-डी-डी-ए फ्लैट्स एम-आई-जी-राजोरी गाडीन,
नई दिल्ली

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवृत्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख : 3-5-1982

मोहर :

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग 2, दिल्ली, नई दिल्ली

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. /2/एस-आर-1/9-81/
5687—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बमनीली, तह-
सील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादान
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हरे टिकड़ी बाद की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के बायित्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौही/था

(ब) ऐसी टिकड़ी बाद या टिकड़ी भूमि वा अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

1. श्री माहिन्द्र सिंह सुन्दर, धरम सिंह, प्रेम
चन्द, सुरत सिंह, सखेंद्र सिंह सुपुत्रगण श्री चरन्
सिंह निवासी-ग्राम-बमनीली, तहसील-महरौली, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चोपड़ा, मत्य पाल चोपड़ा सुपुत्र श्री य.
सी. चोपड़ा निवासी-ए-12, हौस लास, नई
दिल्ली, और एस. के. चोपड़ा सुपुत्र य. सी.
चोपड़ा निवासी-बी-4/80 सफदरजांग इनकलव, नई
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बायां 20-क में परिभाषित हैं,
वही वर्त्त होता या उस बायां में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बिघे और 12 बिघे, खसरा नं. 337 (4-
16), 339(4-16)-ग्राम-बमनीली, तहसील-महरौली, नई
दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-2/9-31/
5689—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृपया भूमि है तथा जो ग्राम बमनीली, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदाह अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन राजीव सिंहवर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
'अन्तरितियों' के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाण्य गया प्रति-
ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ-
तिकीय रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायेत्व में कमी करने या उससे बचने में सुधार
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहिन्दर सिंह सुपुत्र श्री रामदू (1/3), भरम
सिंह सुपुत्र मिर रिंह (1/3), प्रेम चन्द्र सरत मिंह,
सुखबीर रिंह सुपुत्र श्री चरन मिह, निवासी-आग-
बमनीली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री सुभाष साहनी सुपुत्र श्री चन्द्र भा साहनी,
निवासी-एस-166, पद्मशीला पाल, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्भीर में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भौं दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 6 विधें ल्लसरा नं. 333, ग्राम-बमनीली,
तहसील-महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़ 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1982

मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मौजी गाम सुपुत्र श्री कुरीया, निवासी-ग्राम-असलतपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, मी आर बिलिंग,
हन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-1/9-81/

5669—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम असलतपुर सावर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संधिधा के लिए;2. श्री अनिल कुमार थापर सुपुत्र श्री दर्शन लाल निवासी
ए-11-सी, गो. गो. कालानी, दिल्ली, (2) श्रील
कपुर पत्नी श्री जी. मी. कपुर, निवासी-38/17
डब्ल्यू-ए-ए, करोल बाग, नई दिल्ली, (3)
सतीश कुमार सुपुत्र श्री आ. पाहवा और गीरधारी
लाल सुपुत्र श्री दब्दी चन्द निवासी-1815 वजीर सिंह
स्ट्रीट पहाड़गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
रूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
जिल्हित में किए जा सकेंगे।स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट का क्षेत्र 18 बिल्ड (गानी 900 वर्ग गज), ससरा नं.
20/1 प्लाट नं. 30, 31, 32, 33, और 34-ए, ग्राम-
असलतपुर, सादर, दिल्ली।नरेन्द्र सिंह
सभम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

प्रूल्प आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी आर बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निवैश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/9-81/
5691—अस: मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बमनी, तह-
सील-महराली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुमति से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
प्रतिकल (प्रतिकलों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के
लिए और/या।

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन या अन्य आदितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम को द्वारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा

1. श्री प्रंग चन्द्र, सूरत संसंह, सुखबीर सिंह सुपत्र श्री
चरण सिंह ग्राम-बमनी, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चोपड़ा, सत्य पाल चोपड़ा सुपत्र श्री यू.
सी. चोपड़ा निवासी-ए-12, हैंस खास, नई दिल्ली
और एस. के. चोपड़ा सुपत्र श्री यू. सी. चोपड़ा,
निवासी-बी-4/50 सफदरजंग इनकलेव, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण 1:— इसमें अन्तरण शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बिंदु और 12 बिंदु खसरा नं. 340 (4-
16), 341(4-16), ग्राम-बमनी, तहसील-महराली, नई
दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982

प्रकल्प आदौ.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 3 मई 1982

निदेश सं. आदौ.ए.मी./एक्यू.2/एस-आर-2/9-81/
5649—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विद्युत बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मांस्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपर, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपामदध अनुसूची में पर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(द) दोसों किसी आय या किसी धन या वस्तु का स्वातंत्र्य
को, जिहूँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किसी आणा आमिए या किसी भी
सुनिधि के लिए

कृषि भूमि 1 विधा और 7-1/2 विधवे ग्राम-सिरसपुर
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सकारा प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5652—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिखित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्बी कनां
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूध अनुभूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उल्लिखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उल्लिखित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्येक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री होशियार सिंह, रणबीर सिंह सुप्रति श्री जगत
जार सगत सुप्रति श्री सुशी राम, निवासी-ग्राम-
होलम्बी कलां, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन लाल सुप्रति श्री राम चन्द, निवासी-17/2,
शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

कृषि भूमि क्षेत्र 16 बिल्ड और 2 बिल्ड, ग्राम-होलम्बी कलां,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :—

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निवास सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-1/9-81/
5660—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. रोपणिक है

और जिसकी संख्या भूमि का भाग है तथा जो ग्राम नजफगढ़ दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में पर्याप्त रूप से अंगत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

का पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह अंशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित लदवादेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करवाने के अन्तरक क
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आत्मियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाया (1)
के अधीन, निम्नलिखित वाक्तिशें, अर्थात्:—

2. श्री चन्द्र मूर्खी शर्मा, सुपूत्र श्री गोपाल दास,
निवासी-1252-कृष्णा मंदीर, नजफगढ़ रोड,
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी पुली रमेश्वर दास, निवासी-
488 गली रघुसुदन, नजफगढ़ विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्ती करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से [किसी व्यक्ति द्वारा]

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितानुभव
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकते।

लक्षण:—इसमें प्रश्नकृत कर्त्ता और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

प्लाट का क्षेत्रफल-250 वर्ग गज, ग्राम नजफगढ़, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निदेश सं. आई. ए. मी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5683—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसके संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-घेरा, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसन्धी में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी तिक्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उन्नतरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हित--

1. श्री राम किशन सूपुत्र श्री शिव सिंह, निवासी-ग्राम-
घेरा, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जानी शंकर कपाडोया, सूपुत्र श्री मदन लाल,
निवासी-14/32 पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रमण:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वन्धी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।
गया है।

अनुसन्धी

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिधे और 17 बिधे, ग्राम-घेरा, दिल्ली

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत घाइटी० एल० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5661—अस: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन मामले प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० संधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम लिवास पुर-दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायकर अनुसन्धान संगठन से पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा, (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधितियों, अस्ति :—

1. श्री रणबीर सिंह सुप्रिय श्री सोहन लाल और शिवताल सुप्रिय श्री चतुराम, निवासी-ग्राम-लिवासपुर, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री अशवानी शर्मा सुप्रिय श्री हर्षवंस लाल-निवासी-ग्राम- शोमपुर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तने के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्तने के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितियों में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधढ़ किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्डे और 05 बिल्डे, आउट ऑफ 6-5, लसरा नं. 33/1 और 2/1 ग्राम लिवासपुर, दिल्ली

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निवैश सं. आई० प. सी./एस० 2/एस-आर-1/9-81/
5664—अतः मूल्य, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है।

और जिसकी संख्या भूमि का संग्रह है तथा जो ग्राम-लिबासपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981
को पूर्खिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया अन्तरण के लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमों करने या नया बच्चने में मुविद्धा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुविद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बहादुर भिंह सुप्रति श्री नेत गर्व, लाल सिंह
सुप्रति श्री चन्नी लाल निवासी-शोभपुर, दिल्ली
अटानी० श्री ओम प्रकाश सुप्रति श्री भाऊराम।
(अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार गर्व सुप्रति श्री हरी चरन गर्व,
मार्फत-गारशन्त (इन्डीया), 13 ब्रून रोड,
कलकत्ता।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भासूची

भूमि का क्षेत्र 615 वर्ग गज, ग्राम-लिबासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रस्तुति आइ.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निदर्शन सं. आइ.ए.सी./एक्यू. 2/एम-आर-2/9-81/
5666—अस्त: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खण्ड है तथा जो ग्राम लवासपर, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के प्रयोगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

17—96GI/82

1. श्री अश्वानि शर्मा सुपुत्र श्री हरबंश लाल, निवासी-
ग्राम-शोमपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मरन्दर कुमार चौपाणा सुपुत्र श्री जगदीश लाल
निवासी-5/6, जयदेव पार्क, राहतक रोड,
दिल्ली, (2) रवीन्द्र पाल चौपाणा सुपुत्र श्री जगदीश
लाल निवासी-8/6, जयदेव पार्क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का खण्ड 800 वर्ग गज, खसरा नं. 28/22, ग्राम-
लवासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982

मोहर :

प्रधान प्रकाश सुपुत्र श्री रात नाथ निवासी-1476-

77, सैनी मोहला, नजफगढ़, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री राम प्रकाश सुपुत्र श्री रात नाथ निवासी-1476-
48/4, यूसुफ सराय, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1981

निदेश सं. आई. ए. मी. /एक्यू. 2/एस-आर-2/9-81/
5659—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाववृष्ट अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीर्ड करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वांस्तोविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूषण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तों
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हटा किसी आय या शास्त्र, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 3-5-1982
माहेः

नरनेन्द्र सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

प्ररूप श्रीहृषी दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, बी-13, ब्राह्मण फ्लोर, सी. आर. विल्ले,
इन्स्प्रेक्टर स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निवेद सं. आई० ए. सी./एक्य० 2/एस-आर-2/9-81/
5665—अस: मूँफे, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह स्थावर सम्पत्ति करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो ग्राम—झगेपुर,
विल्ली में स्थित है (और इससे उपरवाध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूर्ण से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ता यह
दिशान्वय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (प्रत्यक्षी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचान या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्त-
सरण में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपस्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अवधार :—

1. श्री बहावुर रिंह सुप्रति श्री नेत राम, लाल सिंह
सुप्रति श्री बूनी लाल, निवासी ग्राम-पो. शामेपुर,
बटानी श्री ओम प्रकाश।
(अन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर सुप्रति श्री द्वाराका दास, मार्फत—
गार सन्स, 13-बूबर्न रोड, कलकत्ता।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधीनियम के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एष्टटीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-व में परिभ्रान्ति है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट भूमि का क्षेत्र 615 वर्ग गज, ग्राम झगेपुर, विल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
ओहर :

प्रस्तुप थाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, भ्राउनल फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एन्सू. 2/एस-आर-2/9-81/
5637—श्वेत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम स्थिता,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध जनसूची में और
पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कृषि भूमि 2 विष्व, ग्राम-रिथला, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सुकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिर्ल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निदेश सं. आई. ए. सी. एक्यू. 2/एस-आर-2/9-81/
5650—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावहू अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दिवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री भरत सिंह सुपुत्र श्री रति राम, निवासी—
ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द्र सुपुत्र श्री नारंग लाल, निवासी—
संवक रोड, सिलिगड़ी, जिला—वारजीलिंग, बंगल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
मात्र में समाप्त होती है, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विषय 7-1/2 विषय, ग्राम—सिरसपुर,
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, एवं, एकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रधान आई. टी. एल. पर.-----

अधिकार अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-ब (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-२, जी-१३, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्डप्रस्थ स्टेट, नहर विल्ली
नहर विल्ली, दिनांक ३ मई १९८२

निवैशा सं. आई. ए. सी./एक्यू./२/एस-आर-२/९-८१/
५६५५—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
२६९-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह स करने का
कारबद्ध है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—घोवरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नहर विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन, तारीख सितम्बर, १९८१
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह स
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे दूने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

१. श्री प्रकाश, राम नरायण, गोपाल सिंह, बलवान
सिंह, और बलवन्त सिंह, सपुत्र श्री प्यारे लाल,
निवासी—ग्राम-घोवरा, विल्ली।
(अन्तरक)

२. श्रीमती शर्मा गुप्ता पत्नी श्री आनन्द प्रकाश।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तालीम से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बृक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि १० बिल्डे और २ बिल्डे, (१/२ हिस्से) ग्राम—
घोवरा विल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-२, विल्ली, नहर विल्ली-११०००२

तारीख : ३-५-१९८२

मोहर :

प्रस्तुप्त आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्ड्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/9-81/
5656—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—घोरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसंधी में और
पूर्ण रूप से अर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, सारीला सितम्बर, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक
इप से कीर्ति नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे जबने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में
संविधा के लिए;

1. श्री प्रकाश, राम नरायण, गोपाल सिंह, बलवान
सिंह और बलवन्त सिंह सुपुत्र श्री पारे लाल,
निवासी—ग्राम-घोरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीना गुप्ता पत्नी श्री विजेन्द्र गुप्ता,
निवासी—बी-आर(पी) 35-शालिमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है?।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:--इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युजी

कृषि भूमि 5 बिल्ड और 1 बिल्ड, ग्राम—घोरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख : 3-5-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग,
इन्डप्रेस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यु./2/एम-आर-2/9-81/
5654—अतः मूके, नरनेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—होल्मडी कलां,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबवध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(५) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरत सिंह, अमर सिंह, धरम सिंह सुप्रत्यग
श्री सोहन लाल, श्रीमती भरत, छीबो, प्यारी,
सुपुत्री श्री सोहन लाल, सीरी सिंह और भूप सिंह
सुपुत्र श्री शिव सोहन, निवासी—भेरेगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री रिजल सिंह सुप्रत्र श्री नेत राम, निवासी—
ग्राम-होलमडी खुद, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हुगें जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 बिल्डिंग, ग्राम—होलमडी कलां,
दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रस्तुत काई टी० इन० एस०-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए (1) के प्रश्नों सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/5686—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उद्देश्य 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है); भी भारा 269-ए के अधीन संभव प्राधिकारी को, पहले प्रश्नों के उत्तर का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बगीची, तहसील-मेहराली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधिध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81 को पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह प्रश्नों के उत्तर का कारण है कि यथापूर्वोक्त उम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के प्राप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मात्र्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ असंतिर्ली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

18-96 GI/82

1. श्री प्रेम धन्द, सुरत सिंह, सूखबिर सिंह सुपुत्र श्री चरन सिंह निवासी-ग्राम-बगीची, तहसील - मेहराली नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चोपड़ा, सत्य पाल चोपड़ा सुपुत्र श्री गंगा सी. चोपड़ा और एस. के, चोपड़ा सुपुत्र श्री यु. सी. चोपड़ा, निवासी-बी-4/50 सफदरजंग इनकलेव नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके प्रश्नोंका सम्पूर्णता के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्रमण :—

(क) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वानुग्रही व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष जिसी व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोद्देशात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण।—इसमें व्यक्त सभी पौर वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयाय 20वाँ में परिचायित है; वही वर्ष होगा, जो उक्त अध्याय में हिता गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 7 बिंदु और 10 बिंदु लसरा नं. 334, ग्राम-बगीची, तहसील-मेहराली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
संभव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-5-1982

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निहेंश सं. आर्द्ध. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-81/
5663—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संव्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लिभासपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याद गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री बहादुर सुप्रिय थी नेत राम, लाल सिंह सुप्रिय
श्री चूना लाल निवासी-ग्राम-पो. शासंपर-दिल्ली
अटानी ओम प्रकाश सुप्रिय श्री भाऊ राम, निवासी -
ग्राम-पो. लिभासपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिव कुमार सुप्रिय एल. श्याम सन्दर निवासी-
गारान्स, 13-ब्रोवर्न रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्याहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

भूमि खण्ड 615 वर्ग गज, ग्राम - लिभासपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-2, दिल्ली, नईदिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्राप्ति प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निवेश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/9-81/
5638—अतः मुझे, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-परिधला, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से दर्शित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बंदे के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मीजो राम और हरफूल सिंह सुपुत्रगण श्री नेत
राम, कोहर जिंह सुपुत्र श्री कमला, निवासी-ग्राम-
बादली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री रामेशन लाल धाई सुपुत्र एल. अमिर अन्द,
निवासी-इ-जी-98, टैगोर गाड़ीन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्तरी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिधे ग्राम परिधला, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निवेश सं. आई.ए.सी./एक्यू.2/एस-आर-2/9-81/
5646—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृक्ष अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच दूसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

1. श्री मरत सिंह, रघबीर सिंह सुप्रिय श्री रती राम,
निवासी-ग्राम-पा. सिरसपुर, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. मे. इन्डस्ट्रीयल इंडेस्ट्री एण्ड इनजीनियरिंग, भोला
नाथ नगर, शाहदरा, दिल्ली-32, और पाटनर
देवी प्रेष्ट महेश्वरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत ही लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
पड़ा है।

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसीं किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्न में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि 1 विधा, 7-1/2 विश्व, ग्राम-सिरसपर.
दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

तारीख : 3-5-1982

मोहर :

प्रकरण नं. ३१० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/9-
81/5648—अतः मुझे, नरनेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृपया भूमि है तथा जो ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विषय संकेत का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी वाय को बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के बायिल्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीड़/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बूबारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरत सिंह, रमबीर सिंह सुपूत्र श्री रत्न राम,
निवासी-ग्राम-पो. सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द्र सुपूत्र श्री नारांग लाल, निवासी -
सेवक राज, सिलिगुरी, जिला दार्जीलिंग, बंगल

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय भूर करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी या
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के अन्तर्गत व्यक्ति हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ज्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1बिंधा, 7-1/2 बिंधे, ग्राम-सिरसपुर,
दिल्ली।

नरनेन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-5-1982
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी टी.एम.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवेदन नं. ए. एस-आर/82-83/38—अतः मुझे, जानद
सिंह जार्ह आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद जो आवादी इशार दास रेलवे स्टेशन
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1981

की पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घटना
प्रक्रियालय के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूर्घटना प्रतिक्रिया से, ऐसे दूर्घटना प्रतिक्रिया के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसर ये, मेरे अस्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः :—

1. श्री बलदेव दास पुत्र बाबा इशार दास आप अमृतसर
अब उसकी इंग्लैण्ड इवार्य गुरदरबार सिंह पुत्र
अनेक सिंह वासी वरपाल ज़िला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सुखचरण सिंह पुत्र सावन सिंह बासी गांव नाशहरा
दाला तहसील तरनु तारन।
(अन्तरिती)

3. जैरा उपर सं. 2 में कोइ किरायेदार हो
1. गुरदेव शर्मा 16/-, आम प्रकाश 15/-,
जगदीश राज 15/-
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोइ
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही
प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो आवादी बाबा इशार दास सामने रेलवे स्टेशन
अमृतसर में है जैसा कि सेत डीड नं. 12187/7-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आर आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख: 19-4-1982
मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी० ई० एम० एस०--
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की
धारा 26७-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवेश नं. एएस आर/82-83/39—अतः मुझे, आनंद
सिंह आई आर एस,
प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
26७-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं. एक जायदाद जो आबादी इशार दास रेलवे स्टेशन
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अन्तरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26७-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26७-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री बलदेव दास बाबा पत्र बाबा इशार वास आप अमृत-
सर अब उर्बी इग्नैट इकारा गुरुहरवंस सिंह पूर्ण
अनंत सिंह वासी वरपाल जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री सुल्जीत कांरे पत्नी हरचरण सिंह 439 ए रानी
गांव अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कांह किरायेदार हो
1. गुरुदेव शर्मा 16/-, आम प्रकाश 15/-;
जगदीश राज 15/-
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यावरण के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी व्याख्या :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित
हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो आबादी बाबा इशार दास सामने रेलवे स्टेशन
अमृतसर में है जैसा कि मंल डीड नं. 12186/7-9-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज, 3 चढ़परी अमृतसर

तारीख : 19-4-1982
मोहर :

अस्थिर आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवेश नं. ए एस आर/82-83/40—जरा: मुझे, आनंद
सिंह आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
आग्रह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद जो आबादी इशर दास रेलवे स्टेशन
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूनी में और पूर्ण
रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सारीस दिनांक 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए क्य पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्ताओं
को जिस भारतीय नावनकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव दास पुत्र इशर दास वासी 168 डेरी
हाउस रोड उरवी इंग्लैण्ड द्वारा गुहरवंस सिंह पुत्र
अनोखे सिंह वासी गांव वरपाल ज़िला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री संदीप प्रीत सिंह नावालग पुत्र हरधरण सिंह
439 ए रानी का बाग अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोइ किरायेशार हो
1. गुरदेव शर्मा 16/-, जोम प्रकाश 15/-
जगदीश राज 15/-
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोइ
(दह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो आबादी बाबा इशर दास साधने रेलवे स्टेशन
अमृतसर में दर्ज है जैसा कि सेल डीड नं. 12346/9-9-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 19-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवेश नं. एएस आर/82-83/41—अन: मझे, आनंद
सिंह आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं। एक जायदाद जो आबादी इशर दास रंगवे स्टेशन
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदेध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त 'अन्तरण
लिखित' में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को जिसके भावी छापकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाद्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था; जिसमें
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

19-96GI/82

1. श्री बलदेव दास पुत्र इशर दास दास दासी 168 डोरी
हाउस रोड डरबी इंग्लैण्ड ब्रिटेन ग्रूरहरबंस सिंह पुत्र
अनोखे सिंह वासी गांव वरपाल ज़िला अमृतसर।
(अन्तरक)

2. कुमारी सुमन नाबालग पत्री सुखदेव मिंह कूपर रोड
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उक्तर स. 2 में कोइ किरायेदार हो
1. गुरदेव शर्मा 16/-, ओर प्रकाश 15/-,
जगदीश राज 15/-
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. आई कोइ
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मैन्ती व्यक्तियों वेरे
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो आबादी बाबा इशर दास सामने रंगवे स्टेशन
अमृतसर में दर्ज है जैसा कि सेले डीड नं. 12347/9-9-81
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपरी अमृतसर

तारीख : 19-4-1982
मोहर :

प्रस्तुत वक्ता, डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निदेश नं. ए एस आर/82-83/42—अतः मुझे, आनंद
सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं। एक भौमि का प्लाट जो संत एवनयू राधा स्वामी
रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसंधी में और<sup>पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर, 1981</sup>

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्जह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय था या प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीस्थायों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. श्री कहन चन्द्र पुत्र जय किशन व उंपा वती पत्नी
जय किशन वासी बंधु द्वारा जोगिन्द्र सिंह पासी
गांव मूदल और अरबोशर बोगा पुत्र ए. ई. बोगा वासी
हाँड मार्कीट जी. टी. रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह पुत्र बेला सिंह वासी गांव करतार-
पुर तहसील बाबा बकाला जिला अमृतसर
(अन्तरिक्षी)

*3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
अमृतसरी

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तमील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

एक भौमि का प्लाट जो संत एवनयू एस एस पी के पीछे है
जो माल रोड राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं.
12809/18-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
रहा है

आनंद सिंह आई आर एस
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, 3 चंदपुरी अमृतसर

तारीख : 23-4-1982
मोहर :

प्रस्तुप आइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निवेदन नं. ए एस आर/82-83/43—अतः मुझे, आनंद सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संभावित विक्री का अधीन तारीख नितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. श्रीमती चंपा वती पत्नी जय किशन व काढ़न चंद पुत्र जय किशन वासी वम्बई द्वारा जोरिंगन्ड सिंह वासी गांव मुदल व अरदेशर बोगा पुत्र ए. इ. बोगा वासी हाइड भारकीट जी. टी. रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री बेला सिंह पूत्र माता सिंह वासी गांव करतार पूर सहस्रील बाबा बकाला जिला अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहौ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृदूली

एक भूमि का प्लाट जो संत एवन्यू एस एस पी की रिक्षायश के पीछे अमृतसर माल रोड (राधा स्वामी रोड) अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 12811/12-9-81 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3. चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्राप्त आईटीएस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निदेश नं. एएम आर/82-83/44—अतः मुझे, आनंद
सिंह आईटीएस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि का पलाट जो संत एवनय राधा स्वामी रोड
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शनान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शनान प्रतिफल से, ऐसे दर्शनान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नांकित उदाहरण (प्रतिफल के लिए अन्तरण के लिए अन्तरिती
से कठित नहीं किया गया है)।—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंतरिक
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती चंपा वती पत्नी जय किशन व काहन चंद
पुत्र जय किशन वासी वम्बर्ड द्वारा जाँगन्द सिंह
वासी गांव मुदल व अरदेशर बोगा पुत्र ए. इ. बोगा
वासी हाइड मारकीट जी. टी. रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री दविन्द्र सिंह पुत्र सूरेण सिंह वासी हस्तपर तह-
सील कुरु थेन।
(अन्तरिती)

3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किरणदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

अनुसूची

एक भूमि का पलाट जो संत एवनय एस एस की रिहायश के
पीछे अमृतसर माल रोड (राधा स्वामी रोड) अमृतसर में है जैसा
से डीड नं. 12899/21-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आईटीएस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

श्रीम. बहादुर दौ. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निवेदा. नं. ए एस आर/82-83/45—अतः मुझे, आनंद
सिंह आई बार एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संभावित भूमि का पलाट जो संत एवनय राधा स्वामी रोड
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाधिध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981
का प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
पासवानिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
आर/बा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगन्तर्थ अन्तरीत दृक्षारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

1. श्री कमलन चन्द्र पुत्र जर किसल व चंपा वती पतनी जय
किशन वासी बंबई द्वारा जारीगन्न सिंह पासी गांव
मूदल और अरबोर बोगम पुत्र ए. इ. बोगा वासी
हाइड भारकीट जी. टी. रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री सुरिंद्र सिंह पुत्र महिन्द्र सिंह वासी गांव ग्रीदसा-
जिला करनाल।
(अन्तरीती)
3. जैसा उपर में 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताभारी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवार्क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्व करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवार्क्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का गलाट जो संत एवनय एस एस पी के पीछे है जो
माल रोड (राधा स्वामी रोड) अमृतसर में है जैसा सेल अड्डा, नं.
12890/21-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में रहा
है।

आनंद सिंह, आह आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, 3 चंदपुरी, अमृतसर

तारीखः 20-4-1982
मोहरः

प्रकाश बाहुदारी. पट. एस. —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

उत्तर संस्करण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, विनांक 20 अप्रैल 1982

निदेश नं. ए एस आर/82-83/46—अतः मुझे, आनंद सिंह आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उचित अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संभूति का पलाट जो संत एवनयू गढ़ा स्वामी रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पाँसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) बस्तरक हौरू किसी आम की बाहु, उक्त अधिनियम के अधीन कार बने के बस्तरक के वायिक्य में कर्ता बहुत बहुत बहुत भूमिका के लिए।

(ब) ऐसी किसी जग्य का फूल या जग्य जास्तीयों की, जिसके आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिए था छिपाने में लापता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात्—

1. श्रीमती चंपा वती पत्नी जय किशन व काहन चंद पुश्प जय किशन वासी बम्बई द्वारा जोगिन्द्र सिंह वासी गांव मुदल व अरदेशर दोगा पुर ए. इ. दोगा वासी हाइट भारकीट जी. टी. रोड अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री रणजीत पुर गंगा सिंह वासी गांव राडे तहसील दस्हा जिला हुशियार पुर।
(अन्तरिती)

3. जैसा उक्त पर म. 2 में कोइ किरायेवार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और काँड़
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काँड़ श्री जालेपु—

(क) इस सूचना के उत्तराभास में बस्तरक की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास भीतर में किए गए सुकेवे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का पलाट जो संत एवनयू एस एस पी की रिहायश के पीछे है जो माल रोड (राधा स्वामी रोड) अमृतसर में है जैसा संल डोड नं. 12893/21-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपूरी अमृतसर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रसूत बाईं.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रैंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निदेश नं. ए एस आर/82-83/47—अतः मुझे, आनंद
सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके वरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के प्रधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि स्वाक्षर संपत्ति जिसका सचित बाजार मूल्य 25,000/-
है अधिक है।

गैर चिसकी सं. भूमि का पलाट जो संत एवनयु राधा स्वामी रोड
अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रिक्शन अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्रावर 1981
को गूर्वाकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में वृद्धिका के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्थातः—

1. काहन चन्द पृथ जय किशन व चंपा वती पत्नी जय
किशन वासी बंबई द्वारा जांगल्ड सिंह गांव मुद्दल
और अरस्टंशर बांगा पुत्र ए. इ. बांगा वासी हाईड
मारकीट जी. टी. रोड अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती निरजन कौर विधवा गंगा सिंह वासी गांव
राडू तहसील वसूहा जिला हजारपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोइ किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. और कोइ
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधांहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

क्लॅ यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयमां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गलतीः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में तमात होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पादित नहीं हुए-
बद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, जिसे हस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

मृत्युजी

एक भूमि का पलाट जो संत एवनयु एस एस पी की रिक्षायक्ष के
पीछे है जो माल रोड (राधा स्वामी रोड) अमृतसर में है जैसा सेल
उठा नं. 12896/21-9-81 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी अमृतसर
में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, 3 अद्वपुरी अमृतसर

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

ब्रह्म आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निवेश नं. ए एस आर/82-83/48—अतः मूर्ख, आनंद सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. भूमि का पलाट जो संत एवन्यु राधा स्वामी रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछह प्रतिशेष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने वे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपक्रमा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. काहन चन्द्र पुत्र जय किशन जी चंपा वती पत्नी जय किशन वासी बंबई द्वारा जोगिन्द्र सिंह गंव मुदल और डरदेशर बोगा पुत्र ए. इ. बोगा वासी हाइड मारकीट जी. टी. रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निरञ्जन कार विधा गंगा सिंह वासी गंव राडू तहसील दसूहा जिला हुशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोइ किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोइ (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धमें कोई भी ग्राहकपै :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वबद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि पलाट जो संत एवन्यु एस एस पी के पीछे है जो माल रोड (राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा संल डीड नं. 12814/18-9-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निदेश नं. ए एस आर/82-83/49—अतः मुझे, आनंद सिंह आई आर एस,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि का प्लाट जो संत एवनय राधा स्वामी रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा यथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन अर्थीख अगस्त, 1981
 0-96 GI/82.

1. श्रीमती चंपा दत्ती पत्नी जय किशन द काहन चंद पुत्र जय किशन दासी बम्बई द्वारा जोरिंगन्ड्र सिंह वासी गांव मुदल व अरदेशर बोगा पुत्र ए. इ. बोगा वासी हाइड मारकीट जी. टी. रोड अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह पुत्र गंगा सिंह वासी राडे तहसील दासूहा जिला हुशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोइ किशनदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और कोइ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है) जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्द्व अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो संत एवनय एस. एस पी. के पीछे है जो माल रोड (राधा स्वामी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 128/18-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 आनंद सिंह, आई.आर.एस

तारीख : 20-4-1982
 माहेर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ अमृतसर

अमृतसर, विनांक 26 अप्रैल 1982

निवेश नं. प.एस.आर/82-83/50—अतः मुझे, आनंद
सिंह आई.आर.एस.,
अधिकारी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. दुकानें कटड़ा गरबा सिंह अमृतसर हैं तथा जो
अमृतसर में स्थित (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप में दर्शित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितंबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

1. श्री सोम नाथ पन्डि लाल चंद वासी गली देवी वाली
कटड़ा गरबा सिंह अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री राजकुमार पुत्र कांशी राम वासी आबादी गोकल
चंद किला भगीरथी अमृतसर।
(अन्तरिसी)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोइ किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
4. और कोइ
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जोकीप:—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताप्तिमिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृद्धिकर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा की

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थीर राम्पति भौं हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

1/2 भाग एक दुकान नं. 326/7-2 जो कटड़ा गरबा सिंह
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 13075/25-9-81
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिंह, आइ आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आनंद सिंह, आई आर एस

तारीख : 26-4-1982

मोहर :

प्रलृप् बाई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज़ि, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

निदेश नं. ए एस आर/82/51—अतः मुझे, आनंद
 सिंह आई आर एस,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं. दूकानें हैं सथा जो कटड़ा गरबा सिंह अमृतसर
 में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
 पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
 रिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 यांगल में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य अस्तियाँ
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

7—86GI/82

1. श्री सोम नाथ पुत्र लाल चंद वासी गली देवी वाली,
 कटड़ा गरबा सिंह अमृतसर।
 (अन्तरक)
2. श्री शाम वारा पुत्र कांशी राम, वासी आबादी गोकल
 चंद किला भगीरथ अमृतसर।
 (अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है).
4. और कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यकारी होना चाहिए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकर्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक दृक्कान नं. 326/7-2 जो कटड़ा गरबा सिंह
 अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं. 13074/25-9-81
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 आनंद सिंह, आई आर एस

तारीख : 26-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप् आइर्स.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

निदेश सं. ए एस आर/82-83/52—अर्जन सिंह, आनंद सिंह, आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संभास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद बिल्डिंग प्लाट नं. 273-सी है तथा जो ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थष्ठ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरुक के वायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधोतः:—

1. श्री किवार नाथ पुत्र काहन चंद वासी कटड़ा दूलो कूचा सेवा संभाल अब कांगड़ा धर्मशाला रोड़।
(अन्तरक)
2. मैं प्रभात आयुर्वेदिक फारमेसी कटड़ शेर सिंह अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीकृत करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग फैक्टरी बिल्डिंग प्लाट नं. 273 ईस्ट सी जो मोहन नगर अमृतसर में है जैसा सेल डील नं. 12062/3-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आनंद सिंह, आई आर एस

तारीख : 26-4-1982
माहूर :

प्राप्तप्राप्ति दी० एव० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

निवेदा सं. ए एस आर/82-83/53—अतः मूँझे, आनंद सिंह, आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी धं. एक मकान जो महरपुरा नजदीक शबां लोट अमृत सर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाधानध अन्सूझी में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल विस्त्रित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया था है:-

(क) अस्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के अधिकारी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर-प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती हाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उद्दारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३--

1. श्री भनोहर सिंह पुत्र वल्ली राम वासी नवां कोट अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्री कुंदन लाल पुत्र दीलत राम वासी गली राम मंदिर नमक मंडी अमृतसर द्वारा सुदृशन लान
(अन्तरिती)
3. जैसा उक्त धं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. और कोई^१
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिस्बद्ध है)

को यह सूचना आरोपित करने के अर्जन के लिए कार्याद्वियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 2262/16-19 जो गली नं. 19 महरपुरा अमृतसर (एरिया 66.89 व भी.) में है जैसा कि सेल डीज नं. 12940/1 दिनांक 22-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आनंद सिंह, आई आर एस

तारीख : 26-4-1982
मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

निदेश सं. ए एस आर/82-83/54—अतः मुझे, आनंद सिंह आई आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बिलट अप पोरेशन माडल टाउन बटाला है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आम की आदत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवतः :—

1. श्री जंग बहादुर भला पूज रामेशन लाल भला व मधु भला पत्नी जंग बहादुर भला वासी बटाला।
(अन्तरक)

2. मैरर्ज जे. के. फाझड़री एंड मशीन ट्रूल्ज जी. टी. रोड, बटाला।
(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य का विवरण देना चाहिया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन अवित्यों पर दूषणा की समीक्षा में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में दूषण होती है; के भीतर दूषण अवित्यों में से किसी अवित्य का द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त उपचार अस्तरिती में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा असेहुल्लासी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद बिलट अप पोरेशन साथ खाली भूमि जो इसके पिछले पासे नजदीक माडल टाउन बटाला में है जैसा कि सेल डीड नं. 4396/9.81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आनंद सिंह, आई आर एस

तारीख : 26-4-1982

माहेश :

प्रस्तुत आई. टी. एम्. एल.—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 26 अप्रैल 1982

निम्नों सं. ए एस आर/82-83/55—उक्त भूमि, आनंद सिंह आई आर एस,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. दृकानें हैं तथा जो कटड़ा बाजार चरत सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षम पाया गया गति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कैर दैने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आविस्तरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारों (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्याप्ति :—

1. श्री शाम सुन्दर पूजा राकेश चंद वासी बंबई द्वारा यम प्रताप पुत्र हरी राम, वासी अमृतसर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती सवराज पत्नी किशन चंद वासी कटड़ा चरत सिंह अमृतसर।
(अन्तरिती)
3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. और कोई^{*}
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधोय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हूँगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो दृकानें नं. 1650/10 जो बाजार कटड़ा चरत सिंह अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 12592/14-9-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपर्णी अमृतसर

तारीख : 26-4-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1982

जी. आई आर. संख्या एम-131—अतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो मोहल्ला नियाजियान पोस्ट खास अमरोहा, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्पत्तेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूल्यांकित के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. श्री हरबेश सिंह

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मीरा बंडेली

(2) श्रीमती बृजेश रानी

(3) श्रीमती उर्मिला रानी

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुस्ता मय इमारत व भूमि को स्थित मोहल्ला नियाजियान पोस्ट खास अमरोहा जिला मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 5112/3/82 में वर्णित है जिनका पंजीकरण भव रजिस्ट्रार अमरोहा मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 7-9-1981 को किया जा चका है।

विनोद कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 14-1-1982

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. घन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सचेता

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु
बंगलूरु, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निवेद्य सं. सी. आर. नं. 62/31998/81-82/
 एक्स्प्र०./बॉ—यतः मुझे, मंजु माधवन,
 आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-से को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. 41/3 है तथा जो 111 ब्लॉक, जेयनगर,
 बंगलूर 11 में स्थित है (और इससे उपावड़भ अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 जेयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 1-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ति यह दिशावास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नवृह्ण प्रतिशेष अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथं पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

1. श्री जी. वी. श्रीनिवासम्या लेट गैंडा बैंकटेस्या के पुत्र, नं. 2342, । फ्लोर, 9 मने राड, ।। स्टेच, राजाजी नगर बैंगलूर-10 (अन्तर्रक)
2. श्री जी. रमेश कामत, नं. 9, एम. सी. सी. क्रमारकोट लेअवृट, बैंगलूर-560001 (अन्तर्रिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भवित्व के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधिकारिक विवरण नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अस्तरण से हृदय किसी जाय की बावत, उत्तर अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

અનુષ્ઠાની

(ब) एसी किसी आय या किसी भन्न या अन्य जास्तियाँ के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(दस्तावेज सं. 2991, तारीख 1-10-81)
सम्पत्ति का नं. 41/3, 111 ब्लाक, जेयनगर, बैंगलर.

मंजु भाधवन सक्षम प्राथिकारी

तारीख : 8-4-1982
सोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस. -----

प्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 नं 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1982

निदेश सं. सी. आर. नं. 62/31988/81-82/एकवी
बै—यस्तः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 1186/14 है तथा जो 35 'सी' क्रास
26 में रोड, 4 'टी' ब्लाक जेयनगर, बंगलूर-560011 में
स्थित है (और इससे उपाधवृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय जेयनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-8-1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पल्वह प्रतिशत अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय पापनकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसने अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या ग किया जाना चाहिए वा छिपाने में
कठिन हो निए;

अतः प्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान:

1. श्रीमती अनसूया बाई श्री एस. एन. सुमा राव की
पत्नी, नं. 1186/14, 35 'सी' क्रास, 26 मेन
रोड, 4 'टी' ब्लाक, जेयनगर, बंगलूर-11
(अन्तरक).

2. (1) श्री ए. एन. राजगोपाल
(2) श्रीमती ए. आर. दलक्ष्मी
65/1, अपश्टर्स, मेन रोड,
चामराज पैट,
बंगलूर-560018
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

अक्षत समाति के अर्जन के अवधारण में कोई भी ग्राहण:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

ल्पस्त्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2592, तारीख 10-8-1982)
नं. 1186/14, 35 'सी' क्रास, 26 मेन रोड, 4 'टी'
ब्लाक, जेयनगर, बंगलूर।

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 5-4-1982
माहूर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th May 1982

No. F. 6/82-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Jagan Nath Sharma, Editor of Paper Books, as Officiating Section Officer/Court Master in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of March 22, 1982, until further orders.

S. GHOSH
Asstt. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd May 1982

No. P/1782-Admn.II.—In continuation of this office Notification No. P/1782-Admn.II, dated 21st April, 1982, Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri L. R. Sarin, an Accounts Officer in the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh, as Finance & Budget Officer in the office of the Union Service Commission for a further period from 1-4-1982 to 30-6-1982 or until further orders whichever is earlier. Shri Sarin will not be entitled to draw any deputation (duty) allowance during the period covered by this notification.

2. This issues with the approval of Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/2/81-Estt.(B), dated 20th January, 1982 and also with the concurrences of Accountant General, Haryana vide their letter No. 293-Admn.I/GO/PF/LRS, dated 19th/21st April, 1982.

P. S. RANA
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 15th May 1982

No. A-11/4/82.—Shri S. K. Chatterjee, Assistant Enforcement Officer in Calcutta Zonal Office of this Dte. is appointed to officiate as Enforcement Officer in Varanasi Sub-Zonal Office of this Directorate w.e.f. 31-3-82 (F.N.) and until further orders.

The 17th May 1982

No. A-11/5/82.—Shri L. B. Chauhan, Assistant Enforcement Officer in Bombay Zonal Office of this Directorate is appointed to officiate as Enforcement Officer in the same office w.e.f. 30-3-82 (F.N.), and until further orders.

D. C. MANDAL
Special Director

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS
LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 12th May 1982

No. 2/7/81-EST.—Dr. S. N. Choubey, a permanent Hindi Instructor and presently working as Assistant Professor of Hindi on ad hoc basis, in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is appointed on a regular basis to the post of Assistant Professor of Hindi (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 with effect from 12-5-1982 and until further orders.

S. C. VAISH
Joint Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th May 1982

No. A-19021/10/82-AD.V.—Consequent upon his repatriation from National Textile Corporation (MP) Indore, the President is pleased to appoint Shri Debasis Bagchi, Dy. Superintendent of Police/CBI/SPE to officiate as Superintendent of Police in the CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st May, 1982, until further orders.

The 15th May 1982

No. K/10/71/Ad. V.—The services of Shri K. C. Kanungo, Dy. Superintendent of Police in CBI are placed at the disposal of the Indian Oil Corporation Ltd., Calcutta with effect from the afternoon of 23-4-1982 for appointment as Sr. Vigilance Officer on deputation.

No. A-19036/23/79-AD-V.—On attaining the age of superannuation, Shri Yadav Chandra, Dy. Superintendent of Police CBI relinquished charge of the Officer of Dy. Superintendent of Police, CBI with effect from the afternoon of 30-4-1982.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110022, the 14th May 1982

No. O-II-1586/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Archana Choudhury as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 8th April, 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 14th May 1982

No. 177/7.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road, is pleased to appoint Shri C. V. Paranjpe, Inspector Control, Currency Note Press, to the post of Dy. Control Officer, in currency Note Press on purely ad hoc basis from 6-5-1982 to 5-6-1982.

S. D. IDGUNJI
General Manager
Currency Note Press

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th May 1982

No. Adm. 1/8-132/82-83/57.—Sri N. Krishnan, II Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad has retired from service with effect from 30-4-82 A.N.

B. MASON
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 13th May 1982

No. Adm.II-Promo-139.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Francis Ekka Tongo, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 12-11-1981 (FN).

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.) Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I), M.P.
Gwalior, the 28th April 1982

No. DEI/PF-DRG/36.—Shri D. R. Dighe (01/231) officiating Accounts Officer, Office of the Accountant General (I) M.P. (at present on foreign service) in the Office of the Regional Provident Fund Commissioner (M.P. Indore) will retire from Government service w.e.f. 31-5-82 afternoon on attaining the age of superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
WEST BENGAL**

Calcutta 700001, the 5th May 1982

No. Admin.I/1038-XVIII/55 dated 29-4-82.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Sri Bibhuti Bhushan Bhattacharjee, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer, in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 3-5-82 (FN) or from the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer whichever is later until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(W) of 1979.

Sri Bibhuti Bhushan Bhattacharjee, on his promotion to Accounts Officer's cadre is posted to the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta vice Sri S. N. Ghose, Audit Officer who will retire from service from 30-4-82. (A.N.)

J. S. MEHROTRA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER OF DEFENCE
ACCOUNTS, SOUTHERN COMMAND**
Poona-1, the 12th May 1982

No. AN/11310/NR.—Shri N. Rajagopalan Pt.R/c/Ey. Clerk (A/c No. 8299132) S/o Shri S. Narayana Iyengar resident of village Ramamujapuram, Post Umaya Puram Distt. Papanasam (Tamil Nadu) and serving in the Office of the Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune-1 had been absent without leave with effect from 24-4-1981 (FN). After following disciplinary proceedings under departmental rules, he has been awarded the penalty of removal from service with effect from 1-4-1982 (FN) by the Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune-1. As the order of removal from service which was sent to him at his available addresses by registered post has been received back undelivered, it is hereby notified that the said Shri N. Rajagopalan, stands removed from service with effect from the said date.

R. NARASIMHAN
Assistant Controller of Defence Accounts
Southern Command, Pune-1

**MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE**

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 6th May 1982

No. 22/G/82.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officer as Offg. Manager with effect from the date shown against him :—

Shri J.K. Pande, Offg. D.M. 30th Nov. 1981

No. 23/G/82.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg. DM/DADGOF with effect from the date shown against them :—

(1) Shri S. Asthana, AM (Prob)	. Ist Feb., 1982
(2) Shri S. Yamdagni, AM (Prob)	Ist Feb., 1982.
(3) Shri B. Pugazhendi, AM (Prob)	Ist Feb., 1982.
(4) Shri R.K.S. Joshi, AM (Prob)	Ist Feb., 1982
(5) Shri R. S. Patil, AM (Prob)	27th Feb., 1982
(6) Shri P.M. Renavainshaw, AM (Prob)	27th Feb., 1982.
(7) Shri G.P. Chouksay, AM (Prob)	30th March, 1982

V.K. MEHTA.
Asstt. Director General,
Ordnance Fys.

**MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS**

New Delhi, the 24th April 1982

No. A-12025(ii)/1/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 31st March, 1982 and (until further orders) Shri P. Ramalingam as Junior Lecturer (Textiles) in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

P. SHANKAR
Addl. Development Commissioner for Handlooms

**MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi-110011, the 10th May 1982

No. A-19018(583)/82-Admn(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Smt. Mohini Hingorani, Hindi Translator in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Hindi Officer on *ad hoc* deputation at Small Industries Service Institute, New Delhi, with effect from the forenoon of 17th April, 1982 until further orders.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)**

New Delhi-110001, the 13th May 1982

No. A-6/247(427).—Shri V. Raghavendiran, permanent Assistant Inspecting Officer (Met.) in the Office of Deputy Director of Inspection, Bhilai under Jamshedpur Inspectorate retired voluntarily from Government Service on the afternoon of 31-3-1982 in terms of Rule 48A of CCS (Pension) Rules, 1972.

N. M. PERUMAL
Dy. Director (Administration)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 11th May 1982**

No. 2271D/A-19012(4-SRD)/78-19B.—Shri S. R. Das, Driller, Geological Survey of India retired from Government

service on superannuation with effect from the 31st December, 1981 (afternoon).

No. 3180B/A-32013(SO)/80-19A.—The following Stores Superintendents (Tech.) Geological Survey of India are appointed on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

S.I. No., Name and Date of appointment

1. Shr N. B. Chowdhury—2-3-1982 (FN)
2. Shri J. L. Bhan—5-3-1982 (FN).

The 12th May 1982

No. 2329D/A-19012(AKC)/80/19A.—Shri A. K. Chatterjee, Superintendent Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27-3-1982, until further orders.

No. 3240B/A-32013(AO)/78/19A.—Shri Jameel Ahmed Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 23-11-81 against the leave vacancy of Shri M. R. Ramachandran, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India.

J. SWAMI NATH
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th May 1982

No. A-19011(61)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri I. G. Agarwal, Ore Dressing Officer is promoted to the post of Superintending Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 4th February, 1982.

B. C. MISHRA
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th May 1982

No. 1/3/82-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. N. Issar, Pay & Accounts Officer (ad hoc) Pay & Accounts Office, New Delhi to officiate as Accounts Officer, Central Stores, New Delhi on deputation basis with effect from the afternoon of the 30th April 1982.

S. V. SESHA DRI
Dy. Director Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 4th May 1982

No. A 20012/17/73-Estt.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri S. N. Misra, officiating Assistant Newsreel Officer, Films Division, Bhubaneshwar to officiate as Cameraman on *ad hoc* basis in the Eastern Regional Production Centre, Films Division, Calcutta in the Scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of 8th March 1982, until further orders.

S. K. ROY
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 12th May 1982

No. A.12025/2/81-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Jagdish Ram Sharma as Senior Artist in a temporary capacity in the Directorate with effect from the forenoon of 30th April, 1982, until further orders.

Y. VARMA
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th May 1982

No. A.19020/26/80(RMLH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Kum. Shikha Khanna to the post of Dietician at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi on a purely *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 1st April, 1982, and until further orders.

No. A.19020/26/80(RMLH)Admn.I.—Consequent on her selection to the post of Senior Resident in the Department of Dietics in the Institute of Medical Sciences, Srinagar, Jammu & Kashmir Smt. Raj Dogra, relinquished charge of the post of Dietician, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the afternoon of the 31st March, 1982.

The 10th May 1982

No. A.19019/12/82(HQ)Admn.I.—Consequent on his transfer from the Central Water Commission, New Delhi, Dr. B. S. Mittal, (a Grade III officer of I.S.S.) assumed charge of the post of Statistical Officer in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 14th April, 1982.

The 13th May 1982

No. A.32014/3/81(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. RamaSwamy, in a substantive capacity to the permanent post of Scientific Officer-cum-Tutor (Pharmacology) at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the 31st January, 1980.

No. A.32014/8/81(HQ)-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Sikka to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 29th March, 1982 and until further orders.

T. C. JAIN
Dy. Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 12th May 1982

No. A.19012/3/82-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. Govindraj to the post of Assistant Depot Manager Government Medical Store Depot Madras with effect from the forenoon of 8th April, 1982 on an *ad hoc* basis and until further orders.

SHIV DAYAL
Dy. Director Adminn. (Stores)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 13th May 1982

No. A-39013/1/81-A-III.—The resignation tendered by Shri R. M. Ujjainkar from the post of Asstt. Marketing

Officer in this Directorate has been accepted w.e.f. 1-2-1982 (F.N.).

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-40005, the 20th April 1982

No. K/1479/Estd.II/1488.—Consequent on his promotion to the Junior Administrative Officer's Grade and posting to the Atomic Minerals Division, Hyderabad Shri D. P. Kulkarni, permanent Assistant Personnel Officer, relinquished charge of his post in this Research Centre with effect from the afternoon of February 20, 1982.

Kum. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 28th April 1982

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Perangattu Kesavannair Madhya Kurup, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on *ad hoc* basis for the period from 18-3-82 (FN) to 17-4-82 (AN).

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kochupurakal Thomas Thomas, Assistant Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on *ad hoc* basis for the period from 6-3-1982 to 8-4-1982 (AN).

The 30th April 1982

No. PR/76(3)/80-R-III(i).—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Govind Vishnu Mandke, officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis in this Research Centre for the period from 1-3-82 (FN) to 3-4-82.

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. Padmavathy Velayudhan Nair, Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II (Rs. 840—1200) in this Research Centre on *ad hoc* basis for the period from 1-3-1982 (FN) to 3-4-1982.

A. N. KATTI
Dy. Establishment Officer

DEPTT. OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, 6th May 1982

No. PPED/3(283)/82-Estd.I.6207.—Reference is invited to this office notification dated April 22, 1982 appointing Shri P. Vasu a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer with effect from the forenoon of March 22, 1982. Shri Vasu, Assistant Accounts Officer stands reverted as Assistant Accountant with effect from the afternoon of April 30, 1982.

R. V. BAJPAL
General Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 15th May 1982

No. AMD-1/62/81-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Y. Koteswara Rao as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 24, 1982 until further orders.

T. D. GHADGE
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401504, the 10th May 1982

ORDER

No. TAPS/2/1212/76.—Whereas Shri Mohan Sitaram Bhagat, Tradesman 'C' had applied for grant of Annual leave for 28 days from January 25, 1982 showing his address during leave as "At & Post : Chinchli, Taluka Parner, Dist. Ahmednagar, Maharashtra" and the same was granted to him.

AND WHEREAS Shri Bhagat sent a telegram requesting for extension of leave upto March 25, 1982, which was received in TAPS on 26th February 1982;

AND WHEREAS Shri Bhagat submitted a letter of resignation dated 31st March 1982 which was received in TAPS on 5th April 1982;

AND WHEREAS a letter was sent to Shri Bhagat on April 7, 1982 to his permanent address by registered post A.D. advising him to report for duty immediately and in any case not later than 15th April 1982 and to submit a satisfactory explanation for his unauthorised absence beyond 27th February 1982; and further he was informed that the said letter was issued without prejudice to any other action that may be taken against him for his unauthorised absence;

AND WHEREAS the said letter dated 7th April 1982 was returned by the postal authorities with the remarks that the "addressee is not available";

AND WHEREAS because of Shri Bhagat's abandoning the service without keeping the TAPS informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules, 1965;

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the power conferred vide DAE Notification No. 22(1)/68-Adm. II dated 7th July 1979 and Rule 19(ii) of the CCS (CC&A) Rules, 1965 hereby dismisses the said Shri Bhagat from service, with immediate effect.

C. SHANKAR
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th April 1982

No. A 32013/2/81-A.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 4-3-82 and until further orders:—

Sl. No.	Name	Station of Posting
S/Shri		
1.	S.R. Iyer	Bombay
2.	G.S. Dhimen.	Amritsar.
3.	D.P. Roychowdhury	Calcutta.
4.	B.S. Reddy.	Trivendrum
5.	*R.D. Gupta	Belgaum
6.	V.K. Yadav.	Bhuj
7.	P.B. Mathur	Nagpur
8.	M. Sarangpani	Madras
9.	Jag Mohan Singh Negi	Delhi.
10.	M.P. Chandy	Trivendrum.

The 4th May 1982

No. A.12025/3/71-EL.—In continuation of this Office Notification No. A.12025/3/71-E.L. dated the 16-5-1981 the Director General Civil Aviation is pleased to continue the *ad hoc* appointment of Shri K. K. Sharma as Hindi Officer in Civil Aviation Department upto 30-6-1982 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. GUPTA
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 3rd May 1982

No. A.31011/4/77-EC.—The date of substantive appointment in the grade of Senior Communication Officer in respect of Shri P. K. Singhal at S. No. 9 notified vide this Department Notification No. A.31011/4/77-EC dated the 30th January, 1982 as 4-7-1978 may be amended to read as 4-7-80.

No. A.32014/4/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. S. N. Murthy, Communication Assistant to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. the 23rd April, 1982 (F.N) and to post him at Aeronautical Communication Station, Visakhapatnam.

CORRIGENDUM

No. A.32013/5/81-EC.—The date of taking over charge in the grade of Communication Officer on *ad hoc* basis in respect of Shri P. K. Sen at S. No. 5 and Shri P. K. Dutta at S. No. 10 notified in this Department Notification No. A.32013/5/81-EC dated the 7th January 1982 as 10-12-81 and 8-12-81 respectively may be amended to read as 14-12-81 and 16-12-81.

The 14th May 1982

No. A.21021/1/82-ES.—Shri V. D. Sethi, Deputy Director of Aeronautical Inspection (*Ad hoc*) in the Headquarters Organisation Civil Aviation Department R. K. Puram, New Delhi, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th April, 1982 on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG
Asstt. Director of Administration

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Guntur-522004 the 8th April 1982

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No.1/82 Estt.—The following Officers (Group-B) (Cazetted) of this Collectorate have retired from service on attaining superannuation with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name and Designation of the Officer	Name of the Formation	Date of retirement from service (in the afternoon)
1.	S/Shri M. D. Khamruddin Ali, Superintendent of Central Excise.	Hqrs. office Guntur.	28-2-1982
2.	A. Suryaprakasa Rao	-do-	28-2-1982
3.	-do-	Superintendent of Central Excise.	31-3-1982

No.82.—The following officers in the grade of Inspectors of Central Excise (S.G.) who have been appointed as Superintendents of Central Excise, Group-B (Cazetted) have assumed charge on the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer and Designation	Name of the formation	Date of assumption of charge
1.	M. Radhakrishnamurthy, Superintendent of Central Excise	Vijayawada-I Range	2-3-1982 A.N.
2.	Salimullo Khan	Hqrs. Office, Superintendent of Central Excise	11-3-1982 F.N.

D. KRISHNAMURTI
Collector

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur the 3rd May 1982

C. No. II(3)2-Con/82/2215/No. 3/82.—S/Shri E. D. Wakte and M. B. Pagey, Superintendents of Group 'B' of this Collectorate having attained the age of superannuation have retired from Government service in the afternoon of 31st March 1982.

V. P. GULATI
Collector

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. International Exhibitors Private Limited

New Delhi, the 15th May 1982

No. 2461/8707.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. International Exhibitors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Assistant Registrar of Companies
Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sree Meenakshi Paper Mills Limited

Pondicherry-605001, the 12th May 1982

No. 136/560(5).—Notice is hereby pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "M/s. Sree Meenakshi Paper Mills Limited" has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Dated at Pondicherry this 12th day of May, 1982.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies
Pondicherry

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Regina Chit Fund & Finance Private Limited

Pondicherry-605001, the 12th May 1982

No. 76/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name "(M/s. Regina Chit Fund and Finance Private Limited)" has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Dated at Pondicherry this 12th day of May, 1982.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies
Pondicherry

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-V, VIKAS BHAVAN, New Delhi the 13th May, 1982

INCOME-TAX

No. CIT.V/124/82-83/5776.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas of

such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax Officers of Districts/Circles mentioned in column 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/circles
1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Range-V-A, New Delhi	Districts II (1), II (2), II (3), II (4), II(5), II(6), II(7), II(8), II(9), II(10), II(11), II(12) and II (13), New Delhi.

1	2
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Range-V-B, New Delhi	All wards in Distt. VII including Distt. VII (1), VII (2), VII(3), VII (4), VII (5), VII (6), VII (7), VII (8) Refund circle and Distt. II (14), II (15), II(16), New Delhi
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Range-V-C, New Delhi	All wards in Distt. IV including Distt. IV (1) IV (2), IV (3), IV (4), IV (4) Addl. IV (5), IV (6) IV (6) Addl. IV (7), IV (8) IV (9), IV (10), New Delhi.

This order takes effect from 1-5-1982.

T.R. AGGARWAL,
Commissioner of Income Tax

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/9-81/8400.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28-A, Block A situated at Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Inder Rani Tandon
w/o Shri Chuni Lal Tandon
R/o I/28-A Rajouri Garden,
New Delhi.
through her attorney
Shri Davesh Tandon.

(Transferor)

(2) M/s Plywood Palace,
A-2, Ring Road Market,
R. Garden, New Delhi,
through its partner Sh. Harbans Lal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 28-A Block A, Mg. 201.66 sq. yds. Rajouri Garden are of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—96GI#82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DFLHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.H/SR-I/9-81/8395. Whereas, I,
NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J/82 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishan Singh
 s/o Shri Nehal Singh
 R/o D-31 Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwanti Chawla
 d/o L. Neb Raj &
 w/o L. Goverdhan Lal Chawla,
 Master Indeep Chawla
 s/o Shri Khairati Lal Chawla (m)
 Master Anurag Chawla (m)
 s/o Shri Khairati Lal Chawla
 under the Guardianship of their father
 Shri Khairati Lal Chawla
 R/o A-7, Vishal Enclave,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2, 1/2 S, Building No. J/82, Rajouri Garden, New Delhi
 274.6/10 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8444(A).—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/2 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Krishan Kumar Kapur,
Major Madan Mohan Kapur and
Shri Inder Mohan Kapur
all ss/o L. Atma Ram Kapur
R/o 2/2, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kulbhushan Aggarwal and
Shri Bharati Kumar Aggarwal
all ss/o L. Labhu Ram Aggarwal
R/o 2/2, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 2/2 East Patel Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8381.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share, P. No. G-3/79 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Smt. Protima Ghatak
W/o Shri Dilip Kumar Ghatak
d/o L. Sh. Pramadacharan Ray
R/o C-2/12, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Jain
s/o Shori Lal Jain
R/o KD/78-B, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. G-3/79, Model Town, Delhi.
Mg. 140 Sq. yds. Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-I/9-81/8415.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 140 situated at Mansrover Garden, Vill. Bassai, Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Major Darshan Singh Sahni
s/o Shri Jaswant Singh Sahni
R/o J-6/19, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri J. K. Thapar & N. K. Thapar
ss/o Shri N. D. Thapar
R/o 34/2 East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 140, Block 'D' Mg. 220 Sq. yds. at Mansrover Garden, are of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Kaur
w/o L. Mehar Chand
R/o G-3/50, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Chander Sharma
s/o Shri Ram Chander Sharma
R/o P.O. & Vill. Sitawali, Distt. Sonepat,
Haryana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8393.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. G-3/50 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. G-3/50, area 140 sq. yds. in Model Town, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8433.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. F-39 situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdeep Singh
s/o Shri Mubarak Singh
R/o 67 Sect. 15-A, Chandigarh
at present H-109, Shivaji Park,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal
s/o Shri Arjan Dass
R/o F-39 Mansrover Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. No. F-39, Mg. 270 sq. yds. Mansrover Garden area of Vill. Bassari Darapur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jiwan Lal Seth, s/o
Shri Madan Gopal, R/o
A-2/16, Darya Ganj,
Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Balbir Singh, & Inder Pal Singh
s/o Shri Amarjit Singh
R/o WZ-107, Ram Nagar,
P.O. Tilak Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8443(A).—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 141 situated at Ganda Nala Bazar Kashmiri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 141, Ganda Nala Bazar, Kashmiri Gate, Delhi, Area of land 101 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/9-81/8351.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1/5 situated at Vill., Sadhora Kalan in Mahald Garden, abadi Rana Pratap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Savitri Devi
w/o Shri Tulsi Ram Gupta
R/o No. 2657, Basti Punjabian
S/Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shalini Jain
w/o Shri P. K. Jain
R/o No. 587 Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. D-1/5, area 148 Sq. yds. (1/2 share) Vill. Sadhora Kalan, Mahald Garden, abadi of Rana Pratap Bagh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—96GI|82

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Regina Chakravarty
w/o Shri Chandra Kr. Chakravarty and
d/o L. Sh. Pramadacharan Ray
R/o G-2/12, Model Town,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Jain
s/o Shri Shorji Lal Jain
R/o KB/78-B, Ashok Vihar,
Phase-I, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-JI,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8459.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share P. No. G-3/79 situated at Model Town, Delhi area of Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. G-3/79, Mg. 140 Sq. yds. Model Town, Delhi area of Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

(b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-i/9-81/5668.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, benig the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Brahm Datt
s/o Shri Rattan Lal
R/o Vill. Holambi Kalan,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh
s/o Shri Mengha Ram
R/o 169 A DDA Flat MIG Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land M². 4 Bighas, Vill. Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81ffl5087.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohinder Singh
s/o Shri Sundu, Dharam Singh
S/Shri Prem Chand, Surat Singh, Sukhbir Singh
ss/o Shri Caran Singh
R/o Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Subhash Chopra, Satya Pal Chopra
ss/o Shri U. C. Chopra
r/o A-12, Hauz Khas, New Delhi and
Shri S. K. Chopra
s/o Shri U. C. Chopra
r/o B4/80, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 9 Bighas and 12 Biswas Kh. No. 337 (4-16), 339 (4-16) in Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1982

Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mohinder Singh s/o Sundu (1/3),
Dharam Singh s/o Mir Singh (1/3), Prem Chand,
Surat Singh, Sukhbir Singh sons of Charan Singh
r/o Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sawhney s/o Chander Bhan Sawhney
r/o S-166 Panchshila Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5689.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mouji Ram s/o Kuria
R/o Asalatpur Khadar, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Dhapar s/o Darshan Lal
R/o A-11-C, C.C. Colony, Delhi (2) Sheel Kapoor
w/o G. C Kapoor R/o
38/17, WEA Karol Bagh, New Delhi (3) Satish
Kumar s/o R. Pahwa and Girdhari Lal
s/o Devi Chand
R/o 1815 Wazir Singh St. Chuna Mandi,
Pahar Ganj, New Delhi
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5669.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Asalatpur Khadar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land, Mg. 18 Biswas (i.e. 900 sq. yds.) Kh. Nos. 20/1 bearing plot Nos. 30, 31, 32, 33 and 34A Vill. Asalatpur Khadar, Delhi State, Delhi in Block A-2 Colony known as Chanakaya Palace on Pnakha Road, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IACM/Agq.II/SR-II/9-81/5691.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Prem Chand, Surat Singh, Sukhbir Singh sons of Charan Singh r/o Vill. Bamnauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chopra, Satyapal Chopra sons of U. C. Chopra r/o A-12, Hauz Khas New Delhi and S. K. Chopra s/o U. C. Chopra r/o B-4/50, Safdarjang Encl. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 9 Bighas and 12 Biswas Kh. Nos. 340 (4-16), 341(4-16) at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5649.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. land situated at Vill. Siras Pur, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Bharat Singh, Raghubir Singh sons of
Shri Rati Ram R/o Vill Siras Pur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Parveen Goolary w/o Amarjit Singh
R/o F-1, Green Park Extn. New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, 1 Bighas 7 1/2 Biswas of Vill. Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

**G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5652.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holambi Kalan, Dehl (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hoshia Singh, Ranbir Singh sons of Jagann and Saggan s/o Khushi Ram
R/o Vill. Holambi Kalan,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Lal s/o Ram Chand
R/o 17/2, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 16 Bighas 2 Biswas Vill. Holambi Kalan, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—96GI/82

Date : 3-5-82

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chander Mukhi Sharma s/o Gopal Dass
R/o 1252 Krishna Mandir, Najafgarh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Rameshwari Dass
R/o 488 Gali Raghmserdan, Najafgarh,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5660.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of Land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 250 sq. yds. Vill. Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3-5-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ram Kishan s/o Sheo Singh
R/o Vill. Ghewara, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Gaini Shanker Kapadia s/o Madan Lal
R/o 14/32 Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5683.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ghewara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 5 Bighas 17 Biswas. Vill. Ghewara, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ranbir Singh s/o Sohan Lal and
Shantosh s/o Chet Ram,
R/o Vill. Libas Pur, Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Ashwani Sharma son of Sh. Harbans Lal
R/o Vill. Same Pur, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-81/5661.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. Land situated at Vill. Libas Pur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Sept. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 4 Bigha and 05 Biswas out of 6.5 Kh. No.
33/1 and 2/1 at Vill. Libas Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3-5-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5654.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of Land situated at Vill. Libas Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Shri Bahadur Singh s/o Net Ram, Lal Singh s/o Chunne Lal R/o Same Pur, Delhi Attorney of Om Parkash s/o Bhai Ram.
(Transferor)
- (2) Shri Ajay Kumar Garg s/o Hari Charan Garg C/o Garsons (India)
13, Barakhmba Road, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land, Mg. 615 sq. yds. of Vill. Libas Pur, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashwani Sharma s/o Harbans Lal
R/o Vill. Same Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surender Kumar Chopra s/o Jagdish Lal
R/o 5/6 Jai Dev Park, Rohtak Road, Delhi, (2)
Ravendra Pal Chopra s/o Jagdish Lal
R/o 8/66 Jai Dev Park, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5666.—Whereas, I
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot of land situated at Vill. Labas Pur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Sept. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
(1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land, Mg. 800 sq. yds. out of Khasra No. 28/22
Vill. Labaspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ram Parkash s/o Ram Nath
1476-77, Saini Mohalla, Najafgarh, New Delhi,
(Transferor)
- (2) S. Pritam Singh s/o Maya Singh
48/4 Yusuf Sarai, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5659.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 11 Bighas 4 Biswas ou of rectangle No. 28
Kh. No. 3(4-16), 8(4-16) and 13/1 (1-12) in Vill. Najafgarh,
Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 3-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bahadur Singh s/o Net Ram, Lal Singh
s/o Chunne Lal R/o V. & P.O. Samepur
Attorney of Om Parkash.
(Transferor)

(2) Gauri Shanker s/o Dwarka Dass
C/o Gar Sons, 13 Barakhamba Road,
Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-81/5665.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Vill. Whag Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Coimbatore Delhi on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land. Mg. 615 sq. yds. of Vill. Whag Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-5-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Mouji Ram and Harphool Singh
Sons of Kehar Singh Sons of Kaula
R/o Village Badli,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Electromatics, C-3,
Community Centre Narain Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5637.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rithala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 2 Bighas, Village Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—96GI/82

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5650.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agricultural land situated at Village Siras Pur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at

New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(1) Shri Bharat Singh s/o Rati Ram
R/o Siras Pur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Chand s/o Norang Lal
R/o Sevoke Road, Siliguri, Distt. Darjiling
(West Bengal).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Bighas 7½ Biswas of Village Siras Pur,
Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

FORM ITNS

(1) S/Shri Sri Parkash, Ram Narain, Gopal Singh Balwan Singh and Balwant Singh sons of Pyare Lal R/o Village Ghewra, Delhi.
 (Transferor)

(2) Smt. Shashi Gupta w/o Anand Prakash New Delhi.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
 NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5655.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 10 Bighas 2 Biswas (Half share) Village Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1982
 Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5656.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Ghewra, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Sri Parkash, Ram Narain, Gopal Singh, Balwan Singh and Balwant Singh ss/o Pyare Lal, R/o Village Ghewra, Delhi.

(2) Smt. Vcena Gupta w/o Vijender Gupta R/o Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land 5 Bighas 1 Biswas Village Ghewra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant-Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-5-1982

Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5654.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bharat Singh, Amar Singh, Dharam Singh Sons of Sohan Lal,
Smt. Bharto, Chhigo, Pyuri d/o Sohan Lal
Siri Singh and Bhoop Singh
Sons of Shri Shiv Sohan
R/o Bher Garh.

(Transferor)

(2) Shri Risal Singh s/o Net Ram
R/o Village Holambi Khurd,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 11 Bighas 13 Biswas, Village Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5636.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S/Shri Prem Chand, Surat Singh, Sukhbir Singh Sons of Charan Singh R/o Village Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) S/Shri Subhash Chopra, Satyapal Chopra Sons of U. C. Chopra and S. K. Chopra s/o U. C. Chopra R/o B-4/50, Safdarjang Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 7 Bighas and 10 Biswas Kh. No. 334, Village Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5663.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Libhas Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Bahadur Suri s/o Net Ram,
Lal Singh s/o Chunna Lal
R/o VPO Same Pur, Delhi
Attorney of Om Parkash s/o Bhai Ram
R/o VPO Libhas Pur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar s/o Shayam Sunder
R/o Garsons, 13 Brabourne Road,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 615 sq yards of village Libhas Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5638.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-
and bearing

Agricultural land situated at Village Rithala, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe, that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) S/Shri Mouji Ram and Harphool Singh
S/o Shri Net Ram and
Shri Kaher Singh s/o Shri Kamla
R/o Village Badli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Ghai s/o L. Amir Chand
R/o ED 98, Tagore Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 2 Bighas Village Rithala, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-5-1982
Seal ;

FORM ITNS

(1) S/Shri Bharat Singh Raghbir Singh
s/o Rati Ram
R/o VPO Siras Pur,
Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Industrial Traders & Engineering
At Bhola Nath Nagar Shadra, Delhi-32
Its Partner Devi Preghat Maheshwari.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5646.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Siras Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—96 GI|82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 7½ Biswas Village Sirarpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Bharat Sri, Raghbir Sri
Sons of Rati Ram
R/o Siraspur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Chand S/o Norang Lal
R/o Sevoke Road, Siliguri, Distt. Darjeeling
(West Bengal).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5648.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Siras Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land 1 Bigha 7½ Biswas of Village Siras Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 3-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

FORM I(TNS)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 19th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/38.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property in Abadi Isher Dass situated at Railway Station Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi SR Amritsar on September, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Baldev Dass Bawa s/o Bawa Isher Dass R/o Amritsar at present Derby England Through Shri Gurharbans Singh s/o Anokh Singh R/o V. Barpaul, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Sukhcharan Singh s/o Sawan Singh R/o Village Nausherha Dhalla, Teh. Tarn Taran. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any Gurdev Sharma, Om Parkash & Jagdish Raj 16/-, 15/-, 15/- per month respectively. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated in Baba Isher Dass Colony Opposite Railway Station Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12187/dated 7-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-4-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/39.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property in Abadi Isher Dass situated at Railway Station Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Baldev Dass Bawa s/o Bawa Isher Dass R/o Amritsar at present Derby England Through Shri Gurharbans Singh s/o Anokh Singh R/o V. Barpaul, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Sukhjit Kaur w/o S. Harcharan Singh, 439-A Rani Ka Bagh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any Gurdev Sharma, Om Parkash & Jagdish Raj 16/-, 15/-, 15/- per month respectively. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated in Baba Isher Dass Colony Opposite Railway Station Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12186 dated 7.9.81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 19-4-1982
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/40.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One property in Abadi Isher Dass situated at Railway Station Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Baldev Dass Bawa s/o Bawa Isher Dass
R/o Amritsar at present Derby England
Through Shri Gurharbans Singh s/o Anokh Singh
R/o V. Barpaul, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sandeep Preetsingh minor
S/o Shri Harcharan Singh
R/o 49-A Rani Kaur Bagh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
Gurdev Sharma, Om Parkash & Jagdish Raj
16/-, 15/-, 15/- per month respectively.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated in Baba Isher Dass Colony Opposite Railway Station Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12346/dated 9-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1982
Seal :

FORM I.T.M.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/41.—Whereas, I,

ANAND SINGH I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Abadi Isher Dass situated at Railway Station Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Baldev Dass Bawa s/o Bawa Isher Dass R/o Amritsar at present Derby England Through Shri Gurharbans Singh s/o Anokh Singh R/o V. Barpaul, Amritsar. (Transferor)
- (2) Miss Suman minor d/o Shri Sukhdev Singh R/o Cooper Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any Gurdev Sharma, Om Parkash & Jagdish Raj 16/-, 15/-, 15/- per month respectively. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property situated in Baba Isher Dass Colony Opposite Railway Station Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12347 dated 9-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1982
Seal :

FORM HTN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/42.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land in Sant Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kahan Chand s/o Jal Kishan & Champa Wati w/o Jal Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudhal and
Shri Ardeshar Boga s/o Shri A. E. Boga
R/o Hide Market, G.T. Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh S/o Bela Singh
R/o Village Kartarpur Tehsil Baba Bakala,
District Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP on Mall Road (Radha Swami Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12809/ dated 18-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**
**ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/43.—Whereas, I, ANAND SINGH I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land in Sant Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Champa Wati w/o Jai Kishan & Kahan Chand s/o Jai Kishan R/o Bombay through Shri Joginder Singh R/o Village Mudhal and Shri Ardeshar Boga s/o A. E. Boga R/o Hide Market, G.T. Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Bela Singh s/o Shri Mayia Singh R/o Village Kartarpur Tehsil Baba Bakala, District Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP on Mall Road (Radha Swami Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12811 dated 12-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/44.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land in Sant Avenue

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Champa Wati w/o Shri Jai Kishan
Kuhan Chand s/o Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudhal and
Shri Ardeshar Boga s/o A. E. Boga
R/o Hide Market, G.T. Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Singh s/o Shri Surain Singh
R/o Hasatpur Teh. Kurukshetra.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Santi Avenue on the back side of residence of SSP on Mall Road (Radha Swami Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12899 dated 21-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—96GI/82

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/45.—Whereas, I,

ANAND SINGH I.R.S.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land in Sant Avenue
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kahn Chand s/o Jai Kishan & Charapa Wati w/o Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudhal and
Shri Ardeshar Boga s/o A. E. Boga
R/o Hide Market, G.T. Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh s/o Mohinder Singh
R/o Village Bhadson Distt. Karnal.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP on Mall Road (Radha Swami Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12890 dated 18-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/46.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land in Sant Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Amritsar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Champa Wati w/o Jai Kishan & Kahan Chand s/o Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudhal and
Shri Ardeshar Boga s/o A. E. Boga
R/o Hide Market, G.T. Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh s/o Ganga Singh
R/o Village Rare, Teh. Dasua
Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP on Mall Road (Radha Swami Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12893 dated 21-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/47.—Whereas, I,
ANAND SINGH I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land in Sant Avenue
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Kahan Chand s/o Jai Kishan & Smt. Champa Vati w/o Jai Kishan Ro B/o Bombay through Shri Joginder Singh R/o Village Mudhal and Shri Adeshar Boga s/o A. E. Boga R/o Hide Market, G.T. Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Niranjan Kaur wd/o Shri Ganga Singh R/o Village Rare Teh. Dasua Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP The Mall Road Amritsar (Radha Swami Road) as mentioned in the sale deed No. 12896, dated 21-9-81 of the registering authority Amritsar,

ANAND SINGH I.R.S
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
. Acquisition Range, Amritsar

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/48.—Whereas, I,
ANAND SINGH I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in Sant Avenue
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering office at SR Amritsar on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kahan Chand s/o Jai Kisban and
Champa Wuti w/o Jai Kishan
R/o E/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudhal and
Shri Adeshar Boga s/o A. E. Boga
R/o Hide Market, G.T. Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Niranjan Kaur wd/o Shri Ganga Singh
R/o Village Rare Teh. Dasua
Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP The Mall Road (Radha Swami Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12814/ dated 18-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1982

Sd/- :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/48.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land in Sant Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Champa Wati w/o Jai Kishan & Kahan Chand s/o Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudhal and
Shri Adeshar Boga s/o A. E. Boga
R/o Hide Market, G.T. Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh s/o Ganga Singh
R/o Village Rare Teh. Dasua
Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue on the back side of residence of SSP The Mall (Radha Swami Road) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12817/ dated 18-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-4-1982

Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/50.—Whereas, I,
ANAND SINGH I.R.S.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Shop in Katra Garbha Singh situated at Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Som Nath s/o Shri Lal Chand
R/o Gali Devi Wali Katra Garba Singh
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Shri Kanshi Ram
R/o Qila Bhagian, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in shop No. 326/VII-2 situated in Katra
Garbha Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No.
13075/dated 25-9-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/51.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop in Katra Garbha Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Som Nath s/o Shri Lal Chand
R/o Gali Devi Wali Katra Garba Singh
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Sham Dass s/o Shri Kanshi Ram
R/o Abadi Kokal Chand Qila Bhagian,
R/o Abadi Kokal Chand Qila Bhagian.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in one shop No. 326/VII-2 situated in Katra Garbha Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 18074 dated 25-8-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th April 1982

Ghar. Ref. No. ARS/82-83/52.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

One factory building Plot No. 273
situated at East of Mohan Nagar, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Kidar Nath s/o Shri Kahan Chand
R/o Katra Dulo Kucha Sawa Sial
Now Kangra Dharamsala Road.
(Transferor)
- (2) M/s. Parbhav Ayurvedic Pharmacy
Katra Sher Singh
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in factory building over plot No. 273-C
situated in East of Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in
the sac deed No. 12062/dated 3-9-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
28—96GI/82

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/53.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house in Mehpura situated at Nawankot Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at SR Amritsar on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Manohar Singh s/o Walati Ram R/o Nawankot Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Kundan Lal s/o Shri Daulat Ram R/o Gali Ram Mandir Nimak Mandi, Amritsar. Through Shri Sudershan Lal.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house No. 2262/16-19 situated in Gali No. 19, Mehpura Amritsar (Area 66.89 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 12940/I dated 22-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 20-4-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Jang Bahadur Bhalla
S/o Shri Roshan Lal Bhalla &
Madhu Bhalla w/o Jang Bahadur Bhalla,
R/o Batala. (Transferor)

(2) J. K. Foundry & Machine Tools,
G. T. Road, Batala. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/54.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Built upper portion near Model Town situated at Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One property at Built up portion with vacant land situated at its back near Model Town, Batala, as mentioned in the sale deed No. 4396 dated September, 1981 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 26th April 1982

Ref. No. ASR/82-83/55.—Whereas, I,
ANAND SINGH I.R.S.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops in Bazar Katra Charat Singh Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Sham Sunder s/o Shri Rakesh Chand
R/o Bombay through Ram Partap s/o Hari Ram
R/o Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Sawraj w/o Shri Kishan Chand
R/o Katra Charat Singh,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Two shops No. 1650/10 situated at Bazar Ratra Charat Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12592 dated 14-9-1981 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 26-4-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harkesh Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt. Meera Devi
2. Smt. Brajesh Rani
3. Smt. Urmila Rani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above transferees

(Person in occupation of the property)
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1982

G.I.R. No. M-131/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house situated at Mohalla—Niyaziyan, P.O. Khas Amroha, MORADABAD

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 7-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One pucca-built house situate at Mohalla—Niyaziyan, P.O. Khas, Amroha, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 5112, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Amroha, Moradabad, on 7-9-1981.

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-1-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th April 1982

C.R. No. 62/31998/81-82/ACQ/B.—Whereas, I,
MANJU MADHAVAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

4/3 situated at III Block, Jayanagar, Bangalore-560011 •
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jayanagar Doc. No. 2991 on 1-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) G. V. Srinivasaiah
s/o Late Gowda Venkatesaiah,
No. 2342, I Floor, 9th Main Road,
II Stage, Rajaji nagar,
Bangalore-560010.

(Transferor)

(2) G. Ramesh Kamath
No. 9, M.C.C. Kumaracot.
Layout Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

[Registered Document No. 2991 Dated 1-10-81]
Premises No. 41/3, III Block, Jayanagar, Bangalore-560011.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-4-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th April 1982

C.R. No. 62/31988/81-82/ACQ/B.—Whereas, I,

MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1186/14, 35th 'C' Cross, 26th, Main Road, 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-560 001,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jayanagar, Doc. No. 2592 on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(1) Smt. Ansuya Bai,
W/o Sri S. N. Subba Rao,
No. 1186/14, 34th, 'C' Cross,
26th Main Road, 4th 'T' Block,
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. N. Rajagopal,
2. Smt. A. R. Dhanalakshmi,
63/1, Upstairs, 2nd Main Road,
Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2592 Date 10-8-82]
No. 1186/14, 35th 'C' Cross, 26th Main Road, 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-4-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1010.—Whereas, I, S. R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-B, situated at Khan Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Suryan Singh (Retd.)
22, Khan Market Flats,
New Delhi.

(Transferor)

(2) The Tamil Nadu Handloom Weavers Cooperative Society Ltd., 350-Pantheon Road, Egmore, Madras.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. 22-B, Khan Market, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/953.—Whereas, I, S. R. GUPTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act)) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2678, 2679, 2680 situated at Naiwala Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

29—96GI/82

(1) Smt. Pritam Kaur Trehan
w/o Late Shri Saroop Singh Trehan
r/o 2 Beadon Pura Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sunrise India Holding Pvt. Ltd.,
through Shri Avtar Singh
s/o Shri Jiwan Singh
r/o D/11 S. Ext. Part-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Nos. 2679/2680 2678/1-4, 450 sq. yd. Naiwala facing Gurdwara Rd. Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,

Date : 13-5-1982
Seal :

Delhi/New Delhi

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. Sharat Exporters (P) Ltd.,
through its Ravinder Kumar Jaitely
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Harmohinder Kaur Sahani
w/o Shri Dalip Singh
C-17, Green Park, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/997—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-17, situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. C-17, Green Park, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13.5.1982
Seal :

Delhi/New Delhi

FORM NO. ITNS—

(1) Smt. Saraswati Devi
r/o D-29, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani
r/o C-80, Panchsheel Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/954.—Whereas, I,
S. R. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-14, situated at Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. P-14, measuring 311 sq. yd. in Green Park Extn.
New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

Delhi/New Delhi

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1004.—Whereas, I,
S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7 Block-D, situated at Masjid Moth Residential Scheme, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Devi
w/o Shri Ram Labhaya
r/o G-26, South Extension Market Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri N. C. Srivastava
s/o Shri Girish Chandra Srivastava
r/o D-7, Masjid Moth Residential Scheme,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on a lease hold plot No. 7 Block-D, measuring 216 sq. mts. Masjid Moth, Residential Scheme, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1982

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Motia Devi Bagga
w/o Shri Thakar Dass
r/o 1, Patel Road, West Patel, Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mariat Thomas
w/o Sh. Thomas Sebastian,
89/45, WEA, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III 9-81/1108.—Whereas, I,
S. R. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
Plot No. 45 Block 8-A, situated at WEA, Karol Bagh,
New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

11514, ward No. XVI, built on lease-hold plot No. 45,
Block 8-A, area 161, sq. yd, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Kalyan Dass
S/o Shri Badri Dass,
1/o Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Gulshan Kumar, 2. Ashok Kumar,
3. Vijay Kumar & 4. Ram Kumar
all s/o Shri Kasturi Lal Thukral
r/o 2222, Bagchi Raghunath Dass,
Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

R.G. No. IAC/Acq.I/SR(H)/9-81/1013.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
H. No. 1011 Ward No. 16, situated at Naiwala, Shivaji
Street, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter VVA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 1011 ward No. 16 (super structure)
situated at Naiwala, Shivaji Street, Karol Bagh, New
Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Indu Khanna,

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1086.—Wheeras, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S-247, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed here to),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(2) Dclite Builders
through Smt. Harbans Kaur, r/o
A-2/140, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S-247, Greater Kailash-II, New Delhi-48 measuring 300
sq. yd.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Karater Singh
s/o Shri Dayal Singh
r/o B-1/28, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Bhatia
s/o Shri Radha Krishan Bhatia
r/o L-111, Sarojini Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1082.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. B-1/28, situated at Malviya Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. B-1/28, measuring 200 sq. yd. Malviya Nagar,
New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1081.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

N-93, situated at Panchshilla Cooperative House Bldg.

Society Ltd., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sushila Budhiraja
w/o late K. L. Budhiraja
1/ce 11/21, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Passi
W/o 258, B. L. Passi,
D/258, Defence Colony,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. N-3, Panchshilla Cooperative House Building Society Ltd. admeasuring 999 sq. metres.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—96GI/82

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Isher Dass Mehra S/o Sh. Gopal Dass, 686, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. Romesh Chander S/o Sh. Isher Dass B-231-D, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/992.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. F. F. only B/231-D, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Built up F. F. only B/231-D, Greater Kailash-I, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) & Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Alamgir Singh, 43, Amrit Nagar,
Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Suren Goyal R/o
C-192, Defence Colony, New Delhi-24.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1119.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, Amrit Nagar, situated at Kotla Mubarakpur New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 43, Amrit Nagar, Khasra No. 121, Mujha Kotla Mubarkpur, New Delhi MCD No. M. K. 257, area 314 sq. yd. single storeyed

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Dc..

Date : 13-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Prem Parkash Kwattra R/o 15-U.B. Jawahar Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Leela Mittal R/o A-3, Greater Kailash-Enclave, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81|1118.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-351, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-351, Greater Kailash-II, New Delhi, 250 sq. yds.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Vidya Devi Kotwal Wd/o Dev Raj Kotwal
R/o Kotwal Bldg., Srinagar, Kashmir, through
general attorney Sh. Bhagat Singh Panwar.
(Transferor)

(2) Prem Prakash Kataria S/o Sh. Lakhi Ram Kataria
R/o J-2, Saket, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1031.—Whereas, 1, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Khanpur, New Delhi. ((and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—86GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas Khasra No. 328, village Khanpur, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Dharam Singh S/o Late Pandit Lila Ram
R/o Vill. Masjid Moth, New Delhi.

(Transfer).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (Pvt.) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1056.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. Agri. land situated at Village Satbari, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer

New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. lands admeasuring 21 bighas and 1½ biswas being
one-half share of lands measuring 42 bighas and 3 biswas comprised
in K. Nos. 941(4-16), 942/1(3-08), 942/2(1-08),
943/1(2-08), 943/2(2-08), 944(4-16), 945(4-12), 946(1-16),
948(1-01), 949(4-18), 950(4-04), 951(4-16) and 952(1-12)
in village satbari Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Ram Kishan, Hari Kishan and Sukh Pal ss/o Gopal
R/o Village Devli, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/939.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Devli, Teh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi on September 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Raj Lakshmi (Nee) Shalini Wadhi
W/o Sh. Vinod Kumar R/o D-40, Rajouri Garden,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 4 biswas M. No. 12, killa No. 3, situated in village Devli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I
 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/940.—Whereas I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Village Devli, New Delhi (hereeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tranferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arises from the transfore; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ram Kishan, Hari Kishan and Sukh Pal ss/o Gopal R/o Village Devli, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Smt. Raj Lakshmi (Nee) Shalini Wadhi W/o Sh. Vinod Kumar Wadhi R/o D-40, Rajouri Garden, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. bighas and 16 biswas M. No. 12, killa Nos. 2(4-8), 3min(0-8) situated in village Devli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 13-5-1982
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/9-81/925.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Sultanpur, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Indira Arora W/o Sh. J. L. Arora
C/o Shakuntla Apartments 25, Community Centre,
East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

(2) Sh. R. K. Garg and Sons/HIUF Katra Sh. R. K. Garg S/o Sh. Hans Raj
R/o B-94, Panchsheel Enclave,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bigha 16 biswas bearing Khasra No. 107, Vill. Sultanpur, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

31—96GI/82

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/927.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agr. land situated at Village Sultanpur, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Indira Arora W/o Sh. J. L. Arora
C/o Shakuntla Apartments 25, Community Centre,
East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. R. K. Garg and Sons/HUF Karta Sh. R. K.
Garg S/o Sh. Hans Raj
R/o B-94, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land 4 bigha bearing Khasra No. 106, situated at Vill.
Sultanpur, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITN5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

**ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI**

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/936.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Village Bhati, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Chaju S/o Jhandu, Dhanu, Booda, Kooka & Risha all sons of Ramphal of Fatehpur Beri, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Skipper Construction Co. (P) Ltd., 1106, Ashoka Estate, Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra Nos. 784(2-06), 823(2-15) and 1531(3-10) in Village Bhati, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Kela Wd/o Lekha R/o Vill. Fatehpur Beri, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. Skipper Construction Co. (P) Ltd., 1106, Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/929.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situate dat Village Bhati, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 5 bighas and 1 biswas Khasra No. 2092/1533/2, situated in Village Bhati, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Charta 2. Ho-Ram ss/o Chunni 3. Har Lal 4. Har Pal 5. Heti 6. Ram Kishan Ss/o Chheter R/o Vill. Fatehpur Beri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Skipper Construction Co. (P) Ltd., 1106, Ashoka Estate, 24-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/928.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Village Bhati, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land mg. 6 bighas and 3 biswas khasra No. 765(2-11), 777(1-16), 820(1-16), situated in village Bhati, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. B. K. Kapoor S/o Sh. Rai Bahadur Maharaj Krishan Kapoor R/o A-51, New Friends Colony, New Delhi.
(Transferor)

(2) Ashok Kumar Suri S/o Sh. Inder Lal Suri R/o S-297, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1011.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/8th share in agr. land measuring 15 bighas and 16 biswas M. No. 47, killa Nos. 22/2(1-5), 23/1(0-19), M. No. 53, killa No. 3/1, (3-11), M. No. 61, killa No. 17(4-16), 18/1(1-8), 24(4-16), situated in Village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Amrit Choudhri W/o Sh. S. P. Choudhri
D/o M. K. Kapoor
R/o 31, Rajpur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Ashok Kumar Suri W/o Sh. Inder Lal Suri
R/o S-297, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1012.—Whereas, I,
S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Vill. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agr. land mg. 15 bighas and 16 biswas M. No. 47, killa Nos. 22/2(1-5), 23/1(0-19), M. No. 58, killa No. 3/1(3-11), M. No. 61, killa No. 17(4-16), 18/(1-8), 18/1(1-8), 24(4-16), situated in village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1067.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land at Village Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lachman S/o Devi Singh, Ram Saroop S/o Maru R/o Vill. Humayun Pur, New Delhi and Smt. Fattu W/o Lotan Singh alias Deep Chand R/o Vill. Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Suri S/o Sh. Inder Lal Suri (2/3), Smt Kamlesh Bhasin W/o late Om Parkash Bhasin (1/3) R/o S-297, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 12 bighas and 2 biswas bearing mustail No. 61, killa No. 12(4-16), 13/1(1-9) 19/1(2-0), Mustail No. 62 kila No. 1(1-9), 9(2-8), situated at Vill. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1982
Seal :

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IJI/9-81/1068.—Whereas I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No Agr. land situated at Village Mehranuli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lachhman s/o Devi Singh, Ram Saroop s/o Maru r/o Vill. Humayunpur, New Delhi and Smt. Fatto w/o Lotan Singh alias Deep Chand r/o Vill. Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Suri s/o Sh. Inder Lal Suri (2/3), Smt. Kamlesh Bhasin wd/o Sh. Om Parkash Bhasin (1/3) r/o S-297, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 11 bighas and 12 biswas bearing Mustatil No. 62, killa No. 4(4-16), 6(4-16), 10(2-0) situated in village Mehranuli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—96GI/82Date : 13-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1069.—Whereas I, S. R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lachhman s/o Devi Singh, Ram Saroop s/o Maru r/o Humayunpur, Smt. Fatto w/o Lotan Singh alias Deep Chand r/o Village Khanpur, Teh. Mehd, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Suri s/o Sh. Inder Lal Suri (2/3), Smt. Kamlesh Bhasin wd/o Om Parkash Bhasin r/o S-297 Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 10 bigha 3 biswas, Musatil No. 38 killa No. 22/2 (3-17), 23/2 (3-4), 24/2(3-2) situated at Vill. Mehrauli, N. Delhi

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-82
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1070.—Whereas I, S. R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lachhman s/o Devi Singh, Ram Saroop s/o Maru r/o Vill. Humayunpur, N. Delhi, Smt. Faitsi w/o Lotan Singh alias Deep Chand r/o Vill. Khanpur, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Suri s/o Inder Lal Suri (2/3rd share) Smt. Kamlesh Bhasin w/o Om Parkash Bhasin r/o S-297, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswas bearing Musatil No. 62 Killa No. 7(4-16), 8(4-16), situated at Vill. Mehrauli, N. Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26-96GI/82

Date : 13-5-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1

G-13 GROUND FLOOR CR. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1071.—Whereas I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Lachhman s/o Devi Singh, Ram Saroop s/o Maru r/o Vill. Humayunpur, N. Delhi & Smt. Fatto w/o Lotan Singh alias Deep Chand r/o Khanpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) A. K. Suri s/o Inder Lal Suri (2/3rd), and Smt. Kamleshi Bhasin w/o Om Parkash Bhasin (1/3rd) r/o 2997, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 12 bighas M. No. 62, Killa Nos. 2 (4-16), 3(4-16), 9(2-8) Vill. Mehrauli, Tch., Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR LUII DING, IP LSTATE,
NEW DELHI

New Delhi the 13th May, 1982

Ref No IAC/Acq I/SR III 9 81/1073—Whereas I, S R GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Agri land situated at Vill Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the above mentioned property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sachhman s/o Devi Singh, Ram Saroop s/o Maru i/o Vill Humayunpur, N Delhi and Smt. Fatto w/o Totan Singh alias Deep Chand i/o Vill. Knaur Tch Meh New Delhi

(Transferor)

(2) Sh A K Suni s/o Sh Inde Lal Suni (2/3), Smt Kamlesh Bhasin wd/o Shri Om Parkash Bhasin (1/3) i/o S 297, Greater Kailash II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land mg 10 bighas and 13 biswas bearing Mustatil No 61, Killa No 9(4-16), 10(4-16), 11/2(1-1), situated at Vill Mehrauli, New Delhi

S R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. S. P. Joshi s/o Sh. Vidhya Sagar Joshi r/o K-104, Hauz Khas, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Haj Narain s/o Sh. Budh Ram r/o 36/5, Yusuf Sarai, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Adv I SR-III 9-81/1094.—Whereas I, S. R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 14 biswas M. No. 41, killa No. 21/2 (1-4), 22(4-10), situated in village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) (c) Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1095.—Whereas, I, S. R. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. R. K. Dixit s/o late Sh. Laxman Dixit r/o A-9/27, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Har Narain s/o Sh. Budh Ram r/o 36/5, Yusuf Sarai, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 2 biswas M. No. 41, Killa No. 23 (4-16), 26(0-6) situated in village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1096. —Whereas, I, S. R. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chander Kala Gaur w/o Shr. J. P. Gaur r/o A-9/27, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Budh Ram r/o 36/5, Yusuf Sarai, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr land mg. 9 bighas and 12 biswas M. No. 41, Killa Nos. 8(4-16), 13(4-16), situated in Village Mehrauli, N. Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vijay Gaur w/o Sh. C. P. Gaur r/o A-1/7,
Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Sh. Budh Ram r/o 36/5,
Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-81/1097.—Whereas, J. S. R.
GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDEULE

Agr. Land mg. 4 bighas and 16 biswas M. No. 41, Killa No. 14, situated in village Mehrauli, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
33—96GI/82

Date : 13-5-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/9-81/5509.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Deep Chand s/o Bhai Ram R/o Nawada, Delhi CA Surat Singh, Chander Singh, Dape Singh and Bhai Ram, Daryao Singh and Randhir Singh (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Bodh Raj R/o 4/10 WEA Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. (500 sq yds) 10 Biswas Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-82
Seal :

FORM I.T.N.3.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5473.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hastsal Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Yad Ram
s/o Shri Budh Ram
R/o V&PO Hastsal Delhi State,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anant Ram Matta
s/o Shri Ladha Mal Matta
R/o 67-C/2, Meenakshi Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 1 Bigha 16 Biswas out of Rect. No. 54, Killa No. 8, Situated in the area of Vill. Hastsal Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5471.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Pushpa Gupta
w/o Shri Kanhaiya Lal
R/o 1601 Madrasa Rd., Kashmeri Gate
(ii) Smt. Gayatri Devi
w/o Shri Sat Parkash
R/o 2282, Med Ganj., Sadar Bazar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Rattan Lal Gupta
s/o Shri Devki Nandan Gupta
R/o 89, Vivekanand Puri, Colony, Delhi.
(ii) Smt. Rajesh Gupta
w/o Shri M. L. Gupta
R/o 89, Vivekanand Puri, Colony, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDEULE

Plot of land, Mg. 940 sq. yds. out of Khasra No. 849 in Lal Dora Abadi of Vill. Alipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Lal Sood
s/o Shri Gopal Ram Sood
R/o 5/15, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tejinder Kumar Dua
s/o Shri Devi Dass Dua
R/o 57/2, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8425.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G.B. Qt. 5/15 situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B. Qt. No. 5/15, East Patel Nagar, New Delhi Mpl. No. XVII/1287.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi / New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-8/8380.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 275-276, Ward No. VIII situated at Phatak Karor, Inside Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mehar Elahi
s/o Sheikh Kaloor
r/o 4024 Gali Bansi Koyle Wali.
Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Muralin
S/o Mohd. Ibrahim
2. Mrs. Felmida Khalooin
r/o 1873 Gali Rajan Kulcha Faulad Khan,
w/o Mohd. Mursalin
r/o 1873 Gali Rajan Kucha Faulad Khan,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 275-276 Ward No. VIII, Phatak Karor, Inside Ajmeri Gate, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Deep Chand
s/o Shri Bhai Ram
r/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Khan Chand Chopra
s/o Shri Har Gopal
R/o B-2/19 R.P. Bagh, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5510.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Nawada Majra Hastsal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at New Delhi on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ~~said~~ Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 10 Biswas Vill. Nawada Majra Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12 / 1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5507.—Whereas, I, **NARINDAR SINGH** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri land situated at Vill. Nawada, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act, to the following:

(1) Deep Chand
s/o Shri Bhai Ram
r/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh
s/o Shri Hira Singh
R/o C-8/110, Lawrence Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Shadi Ram Devi Singh and Laechy
 c/o Shri Ranjit
 all r o VPO Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar
 r/o 6 DSIDC Sheds Wazirpur Ind. Area,
 Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR III/9-81/5454.—Whereas I,
NARINDAR SINGH
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Siraspur, Delhi
 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering officer at
 New Delhi on September 1981

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the
 following persons, namely :—

34—96GI/82

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 6 Bighas & B Biswas of Vill. Siraspur
 Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Sardar Singh, Balbir Singh Partap Singh
ss/o Shri Jug Lal
r/o Vill. Hiranki, Delhi.
(Transferor)

(2) S/Shri Har Lal, Sardar Singh, Dhenam Pal
ss/o Shri Bhuru Singh
R/o Mukhimpur, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IACAcq.II/SR-II/9-81/5453.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Garhi, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Agri. land 25 Bighas 12 Biswas Vill. Garhi, Khasro, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Piare
s/o Shri Har Narain
r/o Vill. Keshopur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Singh

S/o Shri Attma Singh
R/o B-53 Krishna Park,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR II/9-81/5475.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Tejpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 16 Bighas 16 Biswas Vill. Tejpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5489.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at Vill. Siras Pur De'hi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sardar Singh and Siri Lal
ss/o Shri Nand Lal
r/o Vill. Siras Pur Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amit Kumar Gupta
s/o through his mother and natural guardian
Smt. Asha Gupta, r/o
20/19 Shakti Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 555 sq. yds. out of Khasra No. 572 Vill. Siras Pur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II;
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5506.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Abehy Ram Thambu, Sher Singh
ss/o Shri Dalpat & Ram Nath
s/o Shri Pat Ram
R/o Vill. Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh
s/o Shri Sant Ram
R/o 5667, Basti Harphool Singh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 2 Bighas out of Kh. No. 34/6, 15, 35/10 and 11, at Vill. Samepur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5505.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Samepur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Abhey Ram, Thambu, Sher Singh
s/o Shri Dalpat and
Shri Ram Nath
s/o Shri Pat Ram
R/o Vill. Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh
s/o Shri Natha Singh
R/o 10558 Motia Khan,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bigha, out of Khasra Nos. 34/6, 15, 35/10 and 11, at Vill. Samepur, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Deep Chand
s/o Shri Bhai Ram
1/o Vill. Nawada, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pyare Lal Rustogi & Hari Ram
ss/o Shri Kewal Ram
10/23, New Rohtak Road,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5511.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No

Agri. land situated at Vill. Nawada, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas, Vill. Nawada, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5446.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of Land situated at Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalel Singh and Jag Mohan
ss/o Shri Bhagmal
t/o Vill. Nawada Mazra Hastsal,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. K. Aggarwal
s/o Shri Gayadhar Pd. Aggarwal and
Smt. Usha Aggarwal
w/o Shri B. K. Aggarwal
r/o 16/548, I Miltory Road,
Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land, Mg. 542 sq. yds. out of Kh. No. 565 Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/9-81/5440.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kuldeep Kumar Jalkha
s/o Shri Roshan Lal
1/o B 53 Krishna Park,
Najafgarh Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaginder Singh Randhawa
s/o Shri Randhir
1/o Vill. Dundhwala, P.O. Allari,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Kh. Nos. 274 Min. (3-16), 267 min (1-7) 273/2 min (1-1) 275/3 (1-12) at Vill. Masudabad Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—96 GT/82

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Dalel Singh & Jagmohan S/o Bhagmal
R/o VIII, Nawada Mazra Hastsal, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar Seth S/o K. N. Seth
R/o 3692, Gali Lohe Wali, Charkhe Walan, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5445.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at at on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 542 sq. yds. (Plot) approx out of khasra No. 565, Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi.
Date : 6-5-1982

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Malkhan S/o Mohan Lal
R/o Vill. Burari, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Arun Steel Industry,
10402/7 Gali No. 13, Paharganj, New Delhi.
(Transferee)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5469.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at _____ on Sept. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land. Mg. (0-15, 1/2) Biswas vide Khasi
area of vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Piarey S/o Bhuru and
2. Ran Singh S/o Mangru
R/o V&P.O. Mukhmalapur, Delhi.
(Transferor)

(1) Shri Naveen Suri S/o L. Sh. Om Parkash Suri
R/o B-9/14, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5464.—Whereas, 1,
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Agri. land situated at Vill. Kadipur, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at _____ on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land, Mg-15 Bighas and 10 Biswas out of Khasra Nos. 1052 (1-12), 1054-4-16), 1057 (4-16) and 1058(4-16) in Khata/Khatauni No. 33/1 vill. Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Umrao Singh S/o Kundan
R/o VPO Radam Ka Bans Distt. Gurgaon Haryana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jai Narain, Hukam Chand Om Parkash S/o
Vdcy Ram Jagdish S/o Ram Kishan, Mahabir
Singh S/o Deban
R/o Vill. Kagan Hari, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5460.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri. land situated at Vill. Kangan Hari, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at _____ on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the India Income-tax Act, 1922
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 19 Bighas of Vill. Kangan Hari,
New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kalan S/o Makhan
R/o Vill. Paprawat, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5442.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Paprawat, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri. land Mg-1 Bigha Vill. Paprawat, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI**

Now Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5447.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Kadipur, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at _____ on Sept. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Har Lal S/o Bhuru
R/o V&P.O. Mukhmalerur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Punam Suri S/o L. Shri Om Parkash Suri
R/o B-9/14 Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 16 Bighas 8 Biswas out of Khasra Nos. 1044(5-03), 1045(4-16), 1055(3-17) and 1056(2-12) out of Khata/Khatauni No. 80 situated in the area of Vill. Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sardar Singh & Mange Ram S/o Lajji
R/o VPO Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Kartar Singh
P/o 297 Naipholi, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II SR-IT/9-81/5467.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land, Mg. 600 sq. yds. Part of Kh. No. 831, 832 of Vill. Tikri Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM ITNS

1) Sardar Singh S/o Bhuru

R/o Vill. & P.O. Mukhmalepur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) Sh. Punam Suri S/o L. Shri Om Parkash
R/o B-9/14, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-JI/9-81/5449.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Kadipur, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on Sept. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land 11 Righas 14 Biswas out of Kh. Nos. 1050 (1-12) 1059(4-16) and 1060(4-16) out of Khata/Khatauni No. 66 situated in Vill. Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1982

Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. LT.N.S.—

(1) Sh. Man Mohan Lal S/o Lal Chand
R/o Nicholson Road, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Dalip Singh S/o Dayal Singh
R/o Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5441 —Whereas, I,
NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Masudabad, Sub Tehsil, Najafgarh, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land, Mg. 4 Bighas & 16 Biswas Vill. Masudabad, Subtehsil Najafgarh, New Delhi. Comprised Khasra Nos. 8/2(2-8), 9 min. (1-16), 8/1 Min. (0-12).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5692.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Prem Chand, Surat Singh, Sukhbir Singh S/o Charan Singh
R/o Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Subhash Chopra, Satyapal Chopra Sons of U. C. Chopra R/o A-12, Hauz Khas, New Delhi and S. K. Chopra S/o U. C. Chopra R/o B-4/50; Safdarjang Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 10 Biswas Khasra No. 339 min. at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. K. K. Taneja S/o Ganesh Dass Taneja
R/o C-3, Krishna Pur, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ram Chander S/o Preet Ram
R/o Vill. Hastsal, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5671.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hastsal, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at _____ on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 10 Biswas Vill. Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prem Chand, Surat, Sukbir Singh S/o Charan Singh R/o Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sawhney S/o Chander Bhan Sawhney R/o S-166 Panchshila Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5684.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at _____ on Sept. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas 12 Biswas Kh. No. 342, 343 (4-16) Vill. Bamnauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Parkash S/o Ram Chander Vill. Hastsal, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagmohan Gil S/o Joginder Gil R/o 48/16/6 Vill. Hastsal, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/5672.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hastsal Nawada Mazra Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at _____ on Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property (Transferee)

may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land Mg. 10 Biswas Vill. Hastsal Nawada Mazra, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Nathu S/o Marya
R/o Vill. Mundka, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Naresh Kumar S/o Devi Ram
R/o Vill. Mundka, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI .

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No IAC/Acq.II/SR-II, 9-81/5632.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Mundka, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri land Mg. Vill. 3 bighas 9 Biswas Vill. Mundka, Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Dalal Singh and Sh. Jag Mohan S/o Bhag Mal R/o Vill. Nazada, Delhi.
(Transferor)

(2) Vijay Singhal S/o Suraj Bhan R/o H. No. 15, Rd No. 6, East Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-81/5679.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Vill. Nawada, Mazra Hastsal, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at _____ in Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land Mg. 1000 sq. yds. out of Kh. No. 568 and 569 Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1982
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Surjan s/o Ram Kala R/o VPO Madan Pur Dabas, Teh. Mahrauli, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Inder Vig. w/o Dharam Pal R/o WZ 4/17, Manohar Park Ram Pura, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/9-81/5678.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Madan Pur Dabas, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at _____ in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. Land. Mg. 8 Bigha Kh. No. 45/R, 9 of Vill. Madan Pur Dabas, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—96 GI/82

Date : 5-5-1982

Scal :

FORM ITNS

(1) (i) Shri Shishu Pal Singh s/o Molar Singh (ii)
Ram Kanwar (iii) Ram Karan s/o Raghbir Singh
r/o Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Har Devi w/o L. Roshan Lal r/o B7/1,
Rana Partap Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I. P. STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-II/9-81/5673.—Whereas I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Pot No. 407 situated at Vill. Sahibabad, Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at _____ in Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 407, Kh. No. 407 and 137 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5682.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Mundka, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... in Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- 1) Shri Bashiruddin alias Mauji s/o Mardavi R/o Vill. Mundka, Delhi.
(Transferor)
- 2) Shri Prem Chand Jain s/o Rikhab Dass Jain R/o J-337, Sadar Thana Road, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 7 Bighas 4 Biswas Vill. Mundka, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dalel Singh & Jagmohan sons of Bhagmolor r/o Vill. Nawada Mazar Hastsal, Delhi.
(Transferor)

(2) (1) Shri Tarsem Chand s/o Babu Ram (2) Vinod Kumar s/o Babu Ram r/o 22-A, Naraina, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1982

No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5680.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land, situated at Vill. Nawada Mazra Hastsal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer in Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land, Mg. 500 sq. yds. out of Kh. No. 568 Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 5 May 1982

No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5681.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot of land situated at Vill. Nawada Mazra Hastsal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer in Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Dalael Singh & Jagmohan sons of Bhagmal r/o Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ramchand Chand s/o Thandi Ram R/o N-31, Shivji Park, Delhi (2) Kaushalya Devi w/o Sajjan Kumar r/o E-240, Naraina, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land. Mg. 600 sq. yds out of Kh. No. 569 Vill. Nawada Mazra Hastsal, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Jagdish Pd. Gupta, Mahabir Parsad Gupta and Gopal Narain Gupta sons of L. L. Kanhiaya Lal R/o 3618/1, Faiz Bazar, Daryan Ganj, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Chandan Devi w/o L. Kishan Singh, 403, Haveli Haider Quli Ch. Ch. Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-81/8381.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 400 to 403 situated at Haveli Haider Quli, Ch. Ch. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 400 to 403, Mg. 237 sq. yds. at Haveli Haider Quli, Ch. Ch. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-81/8371.—Whereas, I
NARINDAR SINGHbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Mpl. No. 513 to 519 Ward No IX situated at Churi
Walan, Jama Masjid, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.....
on Sept., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

1. (1) Smt. Thakri Bai wd/o Tej Bhan Malhotra
(2) Khushi Ram s/o Tej Bhan Malhotra r/o
JII-4/063, New Moti Nagar, New Delhi,
(Transferor)

2. (1) Mohd. Ajaz s/o Mohd. Usman (2) Tenab
wd/o Mohd. Wazil both 1/o 516, Churi Walan,
Delhi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property consisting six shops, one kolki with one staircase
and two balakhana, one the shops bearing Mpl. No.
513 to 519, Ward No. IX in Churi Walan, Jama Masjid,
Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-JI, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-81/3424.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-327A(old)/A-148(now) situated at Abadi Hari Nagar, Clock Tower, Kh. No. 2033, Village Tehar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Des Raj s/o Maya Dass 1/o 16/52, Subhash Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Haibhajan Kaur w/o Darshan Singh r/o IL No. WZ-327A(old)/A-148(New) Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. WZ-327A(old)/A-148(New), Plot No. 148, Abadi Hari Nagar, Clock Tower, Kh. No 2033, area of Vill. Tehar, De'hi, area 110 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Hari Singh R/o BE-8, Hari Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Behari Lal Kalra s/o Lal Chand Kalra, R/o WZ-22, Hari Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR,
CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI
NEW DELHI**

New Delhi, the 6th May 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/5459.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. WZ-22 situated at Hari Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at..... in Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storey House bearing Mpl. No. WZ-22, situated in Hari Nagar, New Delhi, area of Vill. Tehar, Delhi, with the land Measuring 150 sq. yds under the said house.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—96GI/82

Date : 5-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/5724—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. VB/19 situated at Varinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Daya Wanti w/o Kansi Ram, Arjan Das, Prem Sagar, Om Parkash, Prithviraj sons of Kansi Ram R/o VB/19, Varinder Nagar, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri Krishan Lal s/o Lala Punnu Ram Mahajan Vishnu Kumar w/o Krishan Lal, Vivek and Rajan (Minor) sons of Krishan Lal all R/o M/s Krishan Iron Store, Old Mewa Mandi, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. VB/19, Mg. 2000 sa. yds. at Verinder Nagar, New Delhi, area of Vill. Tehar.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Karam Singh son of Kehar Singh, C-81, New Multan Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Sarwan Singh son of S. Gian Singh r/o WZ-35, Manohar Park, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/5697.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-81 situated at New Multan Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. C-81, Mg. 200 sq. yds. New Multan Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI**

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/6498.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-5/162 situated at Rajouri Garden area or Vill. Tatarpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer aton Sept., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal s/o Munshi Ram through his attorney Smt. Darshana Devi R/o 3-5/102, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal s/o Chanan Ram R/o 3-3/102, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. J-5/162, Mg. 1 58.7/10 sq. yds. Rajouri Garden, Vill. Tatarpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chuni Lal Oberoi and Lila Wati Oberoi through their attorney Sh. Ravinder Kumar R/o 820, Hoshi Ra, K. Bagh, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Rajendra Prakash Pahuja and Smt. Geeta Arora R/o B-79, Narian Vihar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/6474.—Whereas I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-3 situated at Shankar Garden, Vill. Possangipur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer aton Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. A-3, Mg. 533.1/3 sq yds. Shanker Garden, area of Vill. Possangipur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hans Raj s/o Hari Chand r/o 3/62 Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ravi Chand Abrol s/o P. C. Abrol R/o 75, West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/5716.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 26 situated at Shivaji Park, area of Vill. Madipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

TIME SCHEDULE

Pot No. B-26, Shivaji Park, area of Vill. Madipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/9-81/5699.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. AL 5 situated at 'L' Block, Hari Nagar, New Delhi, Village Tehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Sept., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Jai Pal Singh s/o Balbir Singh, Ashok Kumar s/o Balbir Singh adopted s/o Hardyan Singh R/o Vill. Gumna, P. O. Pithrawas, Rewari, Haryana.

(2) Shri Kirpal Singh Chaudhary, Swarn Kumar Chaudhary s/o Natha Singh Chaudhary R/o BL.100, 'L' Block, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. AL/5, Mg. 800 sq. yds. Kh. Nos. 847-848 'L' Block Hari Nagar, New Delhi, Vill. Tehar.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-81/6529.—Whereas, 1. NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. J-5/143 situated at Rajouri Garden area of Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri. Sukh Dayal, Malik Suraj Bhan & Jagdish Chand Malik son of Darshan Ram R/o J-5/143, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh s/o Sardar Singh, A-43, Vishal Enclave & Devki Nandan s/o Kedar Nath R/o E-3, Rattan Parki, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. J-5/143, mg. 160 sq. yds. Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-JI,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC Acq.-II/SR-I/9-81/8439.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 51 to 53 situated at Kucha Sukha Nand, Chandani
Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule
annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer
at _____ on Sept. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

(1) Ch. Salag Ram s/o Amolak Ram, Km. Surinder
Saini d/o Amolak Ram R/o 69-F Bhagat Singh
Market, New Delhi self and C.A. of Bal & Ram
Chandhary, Raja Ram, Hari Ram, Ramesh, Smesh
sons of Amolak Ram, Smt. Savitri Ghanta
w/o Avtar Singh R/o 58, 2 Truli Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) Laxmi Chaudhary d/o H. S. Chaudhary R/o
H-56, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold four shops and stair on G/F with Balakhana
two storeyed and one Barati on Top floor with land 60 sq.
yds. Property 51 to 53 at Kucha Sukha Nand, Chandani
Chowk, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—
39 —96GT/82

Date : 30-4-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/9-81/8435.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 75 situated at Rajouri Garden, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sept. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following person, namely :—

(1) Shri S. P. Khosla s/o Siri Krishan Khosla R/o L/19 Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh s/o Pritam Singh & Pritam Singh s/o Tarlok Singh Dhamija R/o J/71, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 75 Block H, Mg. 355.3 sq. yds. Rajouri Garden, area of Vill. Bassli Darapur, Delhi State, Delhi.

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982
S.OL :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/9-81/8414.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 21 situated at Kewal Park Colony, area of Vill. Azadpur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Narain Dass Gupta s/o Manak Chand R/o A-12, Kewal Park, Azadpur, Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Ram Pyari Devi w/o Prakash Chand R/o 10/20 Shakti Nagar, Delhi.
(Transfe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 21, Mg. 200 sq. yds. Kh. No. 23 in Kewal Park Colony of Vill. Azadpur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :
37—76GI-82

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandee Bhan Garg, Siri Pal Garg sons of
Manu Ram R/o 15/26 Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshwari Dass Garg s/o Ram Karam Dass
Garg, Smt. Mewa Devi w/o Rameshwari Das,
Punjabi Bagh, New Delhi
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29 April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-81/8354.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2919(2917) situated at Punjabi Bagh in the Abadi Punjabi Bagh Class D, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 2919(2917) Abadi of Punjabi Bagh Class D, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagdosh Singh s/o L. Gordhan Dass
R/o S-164, School Block, Durga Mandir Marg,
Shakarpur, Delhi.
(Transferor)
(2) Shri Ajay Kumar Jain s/o Raj Kumar Jain
R/o C-11, Green Park Main, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/9-81. 8370.—Whereas, I,
NARINDAR SINGH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 1822-24 situated at Chandni Chowk, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Portion consisting of seven rooms and corridor in front of
staircase big room over the said rooms on the top floor i.e.
second floor with right of common use of latrine on the first
floor of P. No. 1822-24, Chandni Chowk, Delhi.

NARINDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

Date : 29-4-1982.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8352A.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/1 situated at Najafgarh Road, Delhi (hereinafter fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :—

(1) Shri Pramod Sawhney s/o L. Dr. Sohan Lal Sawhney R/o 196, New Colony, Gurgaon, Haryana. (Transferor)

(2) Shri Balwant Singh s/o Boota Singh R/o 52/73, Parbhav Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15/1, Najafgarh Road, Delhi Mg. 584 sq. yds.

NARINDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 29-4-1982.
Seal :

FORM ITN8

(1) Shri S. K. Malik s/o J. D. Malik
R/o 33/5, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

(2) Shri J. D. Malik s/o Karam Chand Malik,
R/o 33/5, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref No. IAC/Acq.-II/SR-I/9-81/8377.—Whereas, I, NARINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-56 situated at Kewal Park Extn. Kh. No. 63 of Vill. Azadpur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. A-56, 260 Sq. yds. Kewal Park Extn. Kh. No. 63 of Vill. Azad Pur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDER SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Laxmi Devi w/o Jagdish Chander
R/o 177 (New No. 4/87) Nirankari Colony,
Vill. Dhirpur, Delhi.
(Transferor)

(2) Kalyan Trading Corporation,
1812, Anar Kothi, Malka Ganj, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/9-81/8350.—Whereas I,
NARINDAR SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.H. No. 177 (Now No. 4/87) situated at Nirankari Colony,
Vill. Dhirpur, Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
on Sept. 81for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. Mpl. 177 (New No. 4/87), Nirankari Colony,
Vill. Dhirpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 29-4-1982.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX;**

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/9-81/8422.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 14 situated at Punjabi Bagh Delhi area of Vill. Bassaidarapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Surinder Kumar s/o Aya Ram
R/o 1635 Gali No. 33, Nai Wala, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Trilok Nath Gambir s/o Kaka Ram
R/o 25 West Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 14, Mg. 633.33 sq. yds i.e. 529.53 sq. Mts. Road No. 85, Punjabi Bagh, Delhi area of Vill. Bassaidarapur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 29-4-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Pushpa Devi w/o Gaujishankar Jindle
R/o 2657, Basti Punjabi, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Anita Jain w/o Pardeep Kr. Jain & Pavan
Kumar Jain S/o A. C. Jain both
R/o 587 Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/9-81/8352.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-1/5 (1/2 share) situated at Sadhora Kalan in Mahalda Garden abadi Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. D-1/5 (being half share) area 148 sq. yds. with two rooms set, Vill. Sadhora Kalan, Mahalda Garden, abadi Rana Partap Bagh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hazura Singh alias Hasur Singh s/o Gurdit Singh through his attorney Sh. Gian Chand R/o 7/124 Ramesh Nagar, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Khurana s/o Gian Chand R/o 7/123-124 Ramesh Nagar, New Delhi.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II,
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. STATE,
 NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/9-81/8427.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F/100 situated at Bali Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F/100, Mg. 200 sq. yds, Bali Nagar area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

NARINDAR SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982.
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manohar Lal s/o Lala Prabhu Dayal
r/o 4312-13 Gali Bahaji, Pahari Dhiraj, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi w/o Sher Singh
r/o 4241, Gali Vahuji Pahari Dhiraj, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. I STATE
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-81/8345.—Whereas, J,
NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. XIII/4314 to 4317 situated at Gali Bahaji Bahadurgarh
Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
on Sept. 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. XIII/4314 to 4317 & 3011 Gali Bahaji,
Bahadurgarh Road, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/9-81/8428.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 82 situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh area of Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Surinder Kumar s/o Hakim Dewan Chand
R/o 82, East Avenue Road, Punjabi Bagh,
New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Jugal Kishore s/o Ram Parkash
R/o 82, East Avenue Road, Punjabi Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property built on plot measuring 280 sq. yds. bearing No. 82, East Avenue Road, Punjabi Bagh, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. PAC/Acq.II/SR-I/9-81/8424.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5002, Ward No. VI situated at Lal Gali, Kucha Rehman, Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Saida Fatma w/o Aminulhaq
R/o 809 Katra Hindu, Farash Khana, Delhi,
(Transferor)
- (2) Smt. Mamola Banu w/o Ahmed Ali Khan
R/o 809 Katra Hindu, Farash Khana, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

P. No. 5002, Ward No. VI, Mg. 100 sq. yds. Lal Gali, Kucha Rehman, Chandni Chowk, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI,

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/9-81/8421.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 82 situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Krishan Gopal s/o L. Hakim Dewan Chand
R/o 82, East Avenue Road, Punjabi Bagh,
(Transferor)

(2) Shri Jugal Kishore s/o Ram Parkash
R/o 82, East Avenue Road, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property No. 82, East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi Area of land underneath measuring 280 sq. yds. (1/3rd undivided share 93.33 sq. yds.)

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 29-4-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/9-81/8413.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1 situated at Kewal Park, Azadpur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri Shiv Kumar Kathuria s/o Gurjan Ditta Ram
R/o 664, Bhai Parma Nand Colony, Kingway Camp,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Goyal son of Lal Lal
R/o H. No. 288 Bhag Khan, Khan, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Mg. 177 sq. yds. Kewal Park Azadpur, Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 29-4-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—